प्रातः नागपुरी

आपकी बात, निर्भीकता के साथ

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 2, अंक : 92 रांची, गुरुवार, 13 मार्च, 2025 (फाल्गुन शुक्ल 14, संवत 2081) पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये, email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

सिपाही बहाली में अब नहीं लगानी होगी 10 किलोमीटर की दौड़

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड के मेडिकल कॉलेजों से पढ़ाई कर तीन साल तक सरकारी सेवा में नहीं रहने वाले डॉक्टरों को आर्थिक क्षतिपूर्ति देनी होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में पूर्व के फैसले में संशोधन करते हुए सरकार ने पहले साल में सरकारी सेवा छोड़ने वाले डॉक्टरों के लिए 30 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति को बरकरार रखा है, लेकिन दूसरे साल में छोड़ने वाले ऐसे डॉक्टरों को शेष तीन साल की सेवा तक 1.25 लाख रुपये प्रतिमाह देना होगा।

खनिजों पर सेस बढ़ाने का निर्णय

कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार की बैठक में कुल 31 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है, जिसमें झारखंड मालकर एवं सेवा अधिनियम विधेयक 2025 को कैबिनेट विधानसभा के चालू सत्र में पेश करने की मंजूरी दी गई है। राज्य सरकार ने कैबिनेट की बैठक में खान एवं भूतत्व विभाग के एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर निर्णय लेते हुए राज्य की कंपनियों द्वारा पावर रेगुलेटेड सेक्टर को दिए जाने वाले कोयले पर स्वामित्व रॉयल्टी की वसूली की तरह ही अन्य गैर पावर रेगुलेटेड सेक्टर को दिए जाने वाले कोयले पर रॉयल्टी वसूलने का निर्णय लिया। गौरतलब है कि 80 फीसदी कोयले की आपूर्ति पावर रेगुलेटेड कंपनी को की जाती है। जिस पर 14% जीएसटी लगता है।

हेमंत कैबिनेट ने 31 प्रस्तावों को दी मंजूरी

आंधी तूफान और लू आपदा घोषित

झारखंड में आंधी तूफान और लू से जान-माल की हानि की आशंका को देखते हुए आंधी तूफान और ग्रीष्म लहर को राज्य की विशिष्ट स्थानीय आपदा के अंतर्गत आपदा घोषित करने की स्वीकृति दी गई है।

पुलिस भर्ती की शारीरिक दक्षता में बदलाव

कैबिनेट की बैठक में पुलिस भर्ती की शारीरिक दक्षता में बदलाव करते हुए नए नियम बनाने को लेकर पुलिस कक्षपाल, सिपाही, गृह रक्षा वाहिनी उत्पाद सिपाही संयुक्त भर्ती नियमावली 2025 बनाने की मंजूरी दी गई। इसके तहत पुरुष अभ्यर्थियों के लिए छह मिनट में 1600 मीटर और महिलाओं के लिए 10 मिनट में 1600 मीटर की दौड़ तय की गई है। पहले पुरुषों के लिए 10 किलोमीटर की दौड़ तय थी, जो अभ्यर्थियों के बीमार पड़ने के कारण काफी विवादों में रही थी। इसके अलावा कैबिनेट ने मार्च 2025 तक सभी जिलों में बिजली पहुंचाने का लक्ष्य बढ़ा दिया है।

बिरसा जैविक उद्यान में लगेगी भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा

एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर फैसला लेते हुए कैबिनेट ने ओरमांझी स्थित भगवान बिरसा जैविक उद्यान परिसर में भगवान बिरसा मुंडा की 9 फीट की कांस्य आदमकद प्रतिमा लगाने का फैसला लिया है। इस पर 25 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

होली के दिन से चलेगी लू, तापमान 40 डिग्री के होगा पार

रांची। पश्चिम से गर्म हवा आ रही है। एंटी साइक्लोन की स्थिति भी है। इसके कारण होली के दिन से झारखंड में लू चलेगी। तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। इसका प्रभाव राज्य के कई जिलों में देखने को मिलेगा। यह जानकारी रांची मौसम केंद्र के प्रमुख अभिषेक आनंद ने 12 मार्च, 2025 को दी। मौसम केंद्र के अनुसार अगले 5 दिनों में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। केंद्र के अनुसार 13 मार्च को आसमान मुख्यतः साफ रहेगा।

संक्षिप्त

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने 12 उग्रवादियों को किया गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में पिछले 24 घंटों के दौरान अलग-अलग घटनाओं में 12 उग्रवादी गिरफ्तार हुए। पुलिस ने बुधवार को कहा कि उग्रवादियों के पास से हथियार भी बरामद किये गए। बरामद हथियारों में 7.62 मिमी एसएलआर के साथ मैगजीन, 5.56 मिमी इंसास राइफल, .22 राइफल, 2 बोर डबल बैरल बंदूक, हैंड ग्रेनेड, स्टन ग्रेनेड शामिल हैं। ये हथियार इंफाल पूर्वी जिले के इरिलबुंग-पीएस के अंतर्गत केइराओ वांगखेम से बरामद किए गए। शेष पृष्ठ 08 पर

फिर दिखा तेज रफ्तार का कहर, चार की मौत

उत्तराखंड। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में एक तेज रफ्तार कार ने चार लोगों की जान ले ली और दो अन्य को गंभीर रूप से घायल कर दिया। यह दिल दहला देने वाली घटना देहरादून के साईं मंदिर के पास हुई, जहां कार ने सड़क पर पैदल चल रहे और स्कूटी सवार लोगों को कुचलते हुए निकल गई। हादसे का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें साफ नजर आ रहा है कि कार कई लोगों को टक्कर मारते हुए निकल जाती है।

तेजस से 'अस्त्र' मिसाइल का सफल परीक्षण

भुवनेश्वर। भारत के स्वदेश निर्मित हल्के लड़ाकू विमान तेजस ने बुधवार को हवा से हवा में मार करने वाली स्वदेशी मिसाइल ह्यअस्त्र' का सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, मिसाइल का परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर तट पर किया गया। मंत्रालय ने कहा, 'इस परीक्षण में उड़ते लक्ष्य पर मिसाइल के सीधे प्रहार का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया।' मंत्रालय ने कहा, 'सभी उप-प्रणालियों ने सभी मिशन मापदंडों और उद्देश्यों को पूरा करते हुए सटीक प्रदर्शन किया।' अस्त्र मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। शेष पृष्ठ 08 पर

सीएम हेमंत ने झारखंड में कानून व्यवस्था को लेकर की हाई लेवल मीटिंग

होली और ईद को लेकर शरारती तत्वों पर सख्ती बरतने के दिए निर्देश

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आगामी होली, ईद, रामनवमी और सरहुल जैसे प्रमुख पर्व-त्योहारों के मद्देनजर राज्य में विधि व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। यह बैठक झारखंड मंत्रालय में आयोजित की गई, जिसमें राज्य के वरीय प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति रही। बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पर्व-त्योहारों के दौरान राज्य में शांति, सौहार्द और बेहतर कानून व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन पावन पर्वों का उत्सव अपराधमुक्त और भाईचारे के वातावरण में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या सांप्रदायिक तनाव को रोकने के लिए पुलिस को सतर्कता के साथ अलर्ट मोड में कार्य करना होगा।

जुलूस मार्गों का भौतिक सत्यापन जरूरी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य के संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए। शेष पृष्ठ 08 पर

लोगों से की शांति और सद्भाव से त्योहारों को मनाने की अपील

मुख्यमंत्री ने अमन साहू एनकाउंटर मामले पर मांगी रिपोर्ट

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने होली और ईद की विधि व्यवस्था और अमन साहू एनकाउंटर मामले पर गृह विभाग के साथ बुधवार को समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने इन दोनों त्योहारों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था प्रबंध करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने एनकाउंटर मामले की भी रिपोर्ट मांगी है। डीजीपी ने सीएम को बताया कि सभी जगह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निर्देश दे दिया गया।

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने मीडिया से बातचीत में क्या कहा

अमन साहू एनकाउंटर मामले पर डीजीपी ने कहा कि पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट मांगी गयी है। बैठक के बाद डीजीपी अनुराग गुप्ता ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि होली, ईद, सरहुल और रामनवमी पर मुख्यमंत्री द्वारा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम करने का निर्देश मिला है। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि लॉ एंड ऑर्डर में किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी न हो। शेष पृष्ठ 08 पर

रांची के प्रमुख स्थानों पर लगाएं सीसीटीवी कैमरे

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि धार्मिक स्थलों, जुलूस मार्गों और भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की प्रभावी व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही ड्रोन के जरिए एरियल सर्विलांस का भी निर्देश दिया गया ताकि सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत की जा सके।

सोशल मीडिया मॉनिटरिंग को लेकर सख्ती

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा कि शरारती तत्वों और अफवाह फैलाने वालों पर प्रशासन कड़ी कार्रवाई करे। इसके लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर निरंतर निगरानी रखने और आवश्यकतानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने पुलिस प्रशासन को यह भी निर्देशित किया कि शांति समिति की बैठकों के माध्यम से जनसहभागिता बढ़ाई जाए और लोगों को शांति व सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जाए।

झारखंड को मिले 162 नये डॉक्टर, मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने सौंपा नियुक्ति पत्र

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने बुधवार (12 मार्च 2025) को 162 डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र सौंपा। इसमें 56 विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारी, 38 चिकित्सा पदाधिकारी, 11 दंत चिकित्सक, 57 ओटी टेक्निशियन शामिल हैं। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि आने वाले दिनों में स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़ा बदलाव दिखेगा। रिम्स का दबाव कम करने के लिए बहुत जल्द 5 सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की स्थापना की जायेगी। डॉक्टर्स की कमी को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। आज 162 डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र मिल रहा है। इससे पहले सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों की नियुक्ति हो चुकी है। जल्द ही स्वास्थ्य विभाग में 10 हजार से अधिक बहाली होगी। रिटायर्ड डॉक्टर्स से भी सेवा ली जायेगी।

समाज को दिशा देने में चिकित्सकों की भूमिका महत्वपूर्ण

स्वास्थ्य मंत्री ने बुधवार को नामकुम स्थित आईपीएच सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत नवनियुक्त विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारी, चिकित्सा पदाधिकारी, दंत चिकत्सक और ओटी टेक्निशियन को नियुक्ति दिया। इस अवसर पर डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि नवनियुक्त चिकित्सकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। कहा कि डॉक्टरों की पोस्टिंग विभिन्न अस्पतालों में होगी। डॉक्टरों का यही प्रयास होना चाहिए कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिले। चिकित्सक लोगों की जान बचाते हैं। इसलिए उनका मनोबल हमेशा ऊंचा रखना होगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, 'मैं आपके साथ हं। हम मिलकर झारखंड को स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत आगे ले जायेंगे।'

स्वास्थ्य के क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर को कर रहे मजबूत

मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड को बहुत जल्द कई मेडिकल कॉलेज भी मिलने वाला है। मेडिकल सीटें भी बढ़ाने का प्रयास हो रहा है। शेष पृष्ठ 08 पर

होलिका दहन आज, 15 मार्च को मनेगी होली

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। विक्रमीय संवत 2081 को फाल्गुन शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि 13 मार्च 2025 को सूर्योदय से लेकर सुबह 10:35 तक रहेगी। इसके बाद पूर्णिमा तिथि आरंभ हो जाएगी। भद्रा करण, सुबह 10:35 से आरंभ होकर रात्रि 11:26 तक रहेगा। होलिका दहन 13 मार्च रात 11:26 के बाद ही होगा। व्रत की पूर्णिमा भी 13 मार्च को होगी। दहन का मुहूर्त रात्रि 11 बजकर 26 मिनट से रात्रि 12 बजकर 18 मिनट तक रहेगा।

ज्योतिषाचार्य पंडित बाबा रामदेव ने बताया कि 14 मार्च को स्नान दान की पूवार्फाल्गुनी नक्षत्रयुता परम पुण्यदायिनी फाल्गुनी पूर्णिमा दोपहर 12:23 तक रहेगी। इसके पश्चात चैत्र कृष्ण प्रतिपदा प्रारंभ होगी। इसलिए 14 मार्च को दोपहर के बाद रंग वाली होली रहेगी। 15 मार्च को प्रतिपदा सूर्योदय के समय व्याप्त रहेगी, इसलिए 14 शुक्रवार को अंझा रहेगा। उन्होंने बताया कि चैत्र कृष्ण प्रतिपदा तिथि, 15 मार्च शनिवार को सूर्योदय से दोपहर 02 बजकर 33 मिनट तक रहेगी। शेष पृष्ठ 08 पर

आईएसएम धनबाद क्यूएस रैंकिंग में भारत में अव्वल

धनबाद। क्यूएस रैंकिंग में धनबाद के भारतीय खनन विद्यालय (आईएसएम) को विश्व के शीर्ष संस्थानों में शामिल किया गया है। आईआईटी का दर्जा हासिल कर चुके आईएसएम धनबाद को विषयवार रैंकिंग और व्यापक संकाय क्षेत्रों में विश्व स्तर पर 20वां स्थान मिला है। बुधवार को घोषित ह्यक्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंगह्न के 15वें संस्करण के अनुसार, भारत ने विषयवार रैंकिंग और व्यापक संकाय क्षेत्रों में शीर्ष 50 में 12 स्थान हासिल किये हैं। आईएसएम धनबाद, आईआईटी खड़गपुर और आईआईटी मुंबई खनिज और खनन इंजीनियरिंग विषय के लिए दुनिया के शीर्ष 50 संस्थानों में शामिल हैं।

अमन साहू गिरोह के तीन अपराधी हथियार के साथ गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। रांची पुलिस ने अमन साहू गिरोह के कल्लू बंगाली उर्फ समीर बागची समेत तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कल्लू बंगाली, अजय सिंह और वसीम अंसारी को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक पिस्टल, दो देसी कट्टा, चार जिंदा गोली और बाइक बरामद हुए हैं।

गौरतलब है कि बीते सात मार्च को अमन साहू गैंग ने व्यवसायी विपिन मिश्रा पर फायरिंग की थी। जिसके बाद रांची पुलिस ने अलग-अलग टीम गठित कर संगठित अपराधियों के खिलाफ सघन छापेमारी अभियान चला रही थी। इसी दौरान अमन साहू

गैंग के तीन सदस्यों को पकड़ा गया है। पकड़ाये सभी अपराधियों का पूर्व अपराधिक इतिहास रहा है।

एनकाउंटर में मारा गया अमन साहू

रायपुर से गैंगस्टर अमन साहू को रांची के होटवार जेल ले जा रही थी। इसी दौरान पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के अंधारी ढोढा के पास 11 मार्च की सुबह कुछ अपराधियों ने गाड़ी पर हमला किया और अमन साहू को छुड़ाने की कोशिश की। शेष पृष्ठ 08 पर

अब मयंक और राहुल संभालेंगे गिरोह

रांची। झारखंड पुलिस ने गैंगस्टर अमन साव के एनकाउंटर के बाद उसके गिरोह के तीन शूटरों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं गिरोह की कमान अब मयंक सिंह और राहुल सिंह ने खुद संभालने का एलान किया है। इसी बीच, सोशल मीडिया पर घोषणा हुई है कि अब गिरोह की बागडोर मयंक सिंह और राहुल सिंह के हाथों में होगी। यह घोषणा मयंक सिंह ने खुद सोशल मीडिया पर एक लंबे पोस्ट के जरिए की। इस पोस्ट में उन्होंने अमन सिंह के एनकाउंटर को फर्जी बताया है।

मयंक सिंह का पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल

मयंक सिंह ने अपने पोस्ट में अमन साहू को अपना भाई और शेर बताया है। उन्होंने लिखा है- 'वो हमारे भाई शेर थे और शेर रहेंगे।' यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। राहुल सिंह ने भी इसी तरह का पोस्ट शेयर किया है। शेष पृष्ठ 08 पर

संथाल परगना को अलग राज्य बनाएं : निशिकांत दुबे

एजेंसियां

नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या में बढ़ोतरी का मुद्दा बुधवार को लोकसभा में उठाया। दुबे ने कहा कि अगला परिसीमन इन्हें अलग करके होना चाहिए क्योंकि इनके कारण आदिवासियों की सीटें जा रही हैं। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाते हुए सरकार से यह आग्रह भी किया कि इस समस्या के समाधान के लिए संथाल परगना को अलग राज्य बनाना चाहिए। इस दौरान निशिकांत दुबे ने कहा कि यदि जरूरत हो तो झारखंड में राष्ट्रपति शासन लगाने पर भी विचार किया जाए।

लोस में बोले सांसद-झारखंड में लगे राष्ट्रपति शासन

लोकसभा में अक्सर यह मुद्दा उठाने वाले दुबे ने कहा कि यह मुद्दा हिंदू-मुसलमान का नहीं है। निशिकांत दुबे ने कहा कि 1951 से 2011 के बीच पूरे देश में मुस्लिम आबादी चार प्रतिशत बढ़ी, लेकिन संथाल परगना में 15 प्रतिशत बढ़ी...यह बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण हुआ है। उनके मुताबिक, 1951 में संथाल परगना में आदिवासियों की आबादी 45 प्रतिशत थी जो 2011 में घटकर सिर्फ 28 प्रतिशत रह गई, जबकि इसी अवधि में मुसलमानों की आबादी नौ प्रतिशत से बढ़कर 24 प्रतिशत हो गई। निशिकांत दुबे ने इस मामले पर चिंता जाहिर की है। दुबे ने कहा कि मेरा आग्रह है कि परिसीमन बांग्लादेशियों को अलग करके ही किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि इस पूरे इलाके को एक प्रदेश बना सकते हैं तो बनाइए।

बता दें कि साल 2024 में हुए झारखंड विधानसभा चुनावों में अवैध बांग्लादेशियों का मुद्दा जोर-शोर से उठा था। इस मामले पर निशिकांत दुबे, हिमंता बिस्वा सरमा समेत कई नेताओं ने इसपर चिंता जाहिर की थी। शेष पृष्ठ 08 पर

विधायक ने ससुर के नाम पर आयोजित कार्यक्रम के लिए डीसी से 20.75 लाख मांगे

प्रातः नागपुरी संवाददाता

बोकारो। विधायक श्वेता सिंह ने अपने ससुर समरेश सिंह के नाम पर आयोजित होने वाले खेल महोत्सव के लिए उपायुक्त से 20.75 लाख रुपये की मांग की है। खेल महोत्सव का आयोजन यूनिक एंड यूनिटी फाउंडेशन द्वारा किया जाना है। उपायुक्त के पत्र के साथ फाउंडेशन द्वारा दिये गये अनुमानित खर्च के ब्योरे को भी संलग्न किया गया है।

विधायक द्वारा उपायुक्त को लिखे गये पत्र में कहा गया है कि यूनिक एंड यूनिटी फाउंडेशन के आवेदन प्राप्त हुआ है। इसमें यह बताया गया है कि अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आठ अप्रैल से 13 अप्रैल तक बोकारो के पूर्व विधायक व झारखंड सरकार में

मंत्री रहे स्वर्गीय समरेश सिंह जी के नाम पर खेल महोत्सव आयोजित करना है। स्वर्गीय समरेश सिंह अपने समय के उत्कृष्ट फुटबाल खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में बोकारो में प्रथम आधुनिक व्यायामशाला बनाने का ऐतिहासिक कार्य किया था। इस महोत्सव में एथलिटिक्स, योग, आर्म रेसलिंग, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, कराटे, राइफल शूटिंग सहित अन्य खेलों का आयोजन किया जायेगा। विधायक ने अपने पत्र में कहा है कि इस आयोजन में करीब 20.75 लाख रुपये की आवश्यकता होगी। अतः इनके आवेदन के आधार पर खेल महोत्सव के सफल संचालन हेतु मांग की गयी राशि उपलब्ध कराने का समुचित निर्णय लें। शेष पृष्ठ 08 पर

युनिक एंड युनिटी नामक संस्था का ब्योरा

मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स के ब्योरे के अनुसार इस संस्था को गठन 24 अगस्त 2023 को किया गया था। कंपनीज ऑफ रजिस्ट्रार के यहां कंपनी निबंधित है।

Page - 02_Page - 02.qxd 13-03-2025 04:07 Page 1

संक्षिप्त

सिल्ली में नौवीं बोर्ड परीक्षा सम्पन्न

सिल्ली। सिल्ली में नौवीं की बोर्ड परीक्षा बुधवार को संपन्न हो गई। प्रखंड के कुल 2039 परिक्षार्थियों में कुल 1935 परिक्षार्थियों ने परिक्षा में शामिल हुए। परिक्षा को लेकर प्रखंड में चार सेंटर बनाए गए थे। जिसमें सिल्ली के एसएस उच्च विद्यालय, प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय एवं मुरी के आरटीसी पब्लिक स्कूल सिंगपुर व उसुर्लाईन उच्च विद्यालय हिंदी मीडियम शामिल है। वहीं आरटीसी स्कूल के सेंटर में आधे घंटे विलम्ब से पहुंचे टीबी रामपुर उच्च विद्यालय के 25 परिक्षार्थियों को विद्यालय के प्राचार्य तुलसी महतो एवं अन्य शिक्षकों द्वारा गहन जांच के बाद परिक्षा केंद में प्रवेश करने दिया गया। कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक दो पालियों में नौवीं बोर्ड की सभी परीक्षाएं ली गई है। परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हो गया।

क्रिकेट मैच में काशीडीह टीम विजयी

सोनाहातू। प्रखंड के जामुदाग पंचायत के चोगा गांव में बुधवार को एक दिवसीय कैनवस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इस क्रिकेट प्रतियोगिता में आठ टीमों ने भाग लिया,जिसमे कांशीडीह के टीम ने 5 रन से चोगा के टीम को पराजित किया।मुख्य अतिथि के रूप में पंचायत समिति सदस्य रूप कुमार साहू उपस्थित हुए और विजेता टीम कांशीडीह को प्रथम पुरस्कार आठ हजार रुपये पुरस्कृत किये एवं उपविजेता टीम चोगा को पांच हजार रुपये पुरस्कृत किये।मौके पर विपिन, राजेश, नीतीश, उपेंद्र,श्रवण, विजय कोइरी, अक्षय, हेमन्त हजाम, मनु जयसवाल, मनोज महतो, आदि मौजूद थे।

विधि विधान के साथ की गई डांडा पूजा

रामगढ़। श्री मारवाड़ी सत्यनारायण मंदिर एवं धर्मशाला संस्था के तत्वाधान में बुधवार को शहर के लोहार टोला स्थित होलिका दहन स्थल पर विधिवत रूप से डांडा पूजन किया गया। पुजारी मदन मोहन शास्त्री ने यजमान बिमल बुधिया, मुरारीलाल अग्रवाल, संजीव बेरलिया, सुनील गोयल, प्रदीप शर्मा के हाथों समस्त पूजन कार्य संपन्न करवाया। इस मौके पर विमल बुधिया ने बताया कि गुरुवार की रात 11 बजे होलिका दहन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि होली के डांडे की विधिवत पूजा की जाती है। होलिका दहन के पहले दो डांडे रोप जाते हैं, इसमें एक डांडा होलिका का प्रतीक होता है और दूसरा भक्त प्रहलाद का। इन दोनों डांडों की पूजा की जाती है। इस अवसर पर महेश अग्रवाल, सुरेश पी अग्रवाल, महावीर खंडेलवाल, जगदीश गोयल, पीयूष बरेलिया, अरविंद गोयल, विजय अग्रवाल, हरीश चौधरी, ओमप्रकाश खंडेलवाल, मनोज चौधरी, अभिशेष अग्रवाल, राजू शर्मा, मनोज मित्तल, संजू गोयनका, प्रवीण अग्रवाल, राजेश गोयल, नरेश अग्रवाल, रतन अग्रवाल, हरि शर्मा आदि उपस्थित थे।

अपराध समीक्षा बैठक में एसपी ने सभी थानेदारों को दिया निर्देश, कहा

अपराधियों पर कसें लगाम जनता से करें बेहतर व्यवहार

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ। जिले में अपराधी गतिविधियों को लगाम लगाना है। किसी भी स्तर पर अपराधियों को छोड़ा नहीं जाएगा। साथ ही थाने में आम जनता के साथ बेहतर व्यवहार होना चाहिए। जनता का भरोसा पुलिस पर और मजबूत हो, इसके लिए काम करना है। यह बातें बुधवार को एसपी कार्यालय में क्राइम मीटिंग के दौरान एसपी अजय कुमार ने कही?।

उन्होंने कहा कि क्राइम मीटिंग में लंबित कांडों और अतिसंवेदनशील मामलों के निष्पादन की बात तो की ही गई। लेकिन सबसे बड़ी बात

पुलिस की छवि को लेकर की गई है। हाल के दिनों में कुछ ऐसी घटनाएं थानों में हुई हैं जिसे लेकर पुलिस पदाधिकारी पर कार्रवाई हुई।

एसपी अजय कुमार ने क्राइम मीटिंग के दौरान लंबित मामले, हत्या, पोस्को एक्ट, आगजनी, नक्सली, आपराधिक घटनाएं, महिला उत्पीड़न, साइबर क्राइम, एनडीपीएस एक्ट, लूट, डकैती, चोरी, गृहभेदन पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की। उन्होंने कहा कि टीएसपीसी, पीएलएफआई के सक्रिय सदस्यों का प्रोफाइल तैयार करना है। प्रत्येक दिन थाना और ओपी प्रभारी के द्वारा मॉर्निंग मीटिंग कर टास्किंग की जानी चाहिए। जन शिकायतों से प्राप्त मामलों को तत्काल निष्पादित किया जाना चाहिए। साथ ही कैरेक्टर और पासपोर्ट वेरिफिकेशन का काम समय पर होना चाहिए।

सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में लगना चाहिए सीसीटीवी कैमरा

बैठक के दौरान एसपी अजय कुमार ने बाजार में अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाने की बात कही। उन्होंने कहा कि पहले भी कई बार उन्होंने व्यापारिक संगठनों को पत्र लिखा है। जब तक दुकानदार अपने प्रतिष्ठानों में बेहतर क्वालिटी का सीसीटीवी कैमरा नहीं लगाएंगे, तब तक हिट एंड रन और छिंतई की घटनाओं पर लगाम लगाना आसान नहीं होगा। बैठक में रामगढ़ एसडीपीओ, पतरातु एसडीपीओ समेत सभी थानों के प्रभारी मौजूद रहे।

कार और बाइक की टक्कर में दो युवकों की हुई मौत

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। खूंटी-चाईबासा मुख्य मार्ग पर मुरहू थाना क्षेत्र के जाते गांव के पास बुधवार की देर शाम बाइक और ऑल्टो कार के बीच हुई सीधी टक्कर में बाइक सवार दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में मुरहू थाना क्षेत्र के कोनवा गांव निवासी विपिन बोदरा और सुजीत सोय मुरूम शामिल हैं। मृतक विपिन का सिर धड़ से अलग हो गया। समाचार लिखे जाने तक उसके सिर का पता नहीं चल सका है। पुलिस और ग्रामीण विपिन बोदरा का सिर खोजने में लगे हैं। आशंका जताई जाती है कि सिर चूर-चूर होकर बिखर गया होगा। दोनो शवों का गुरुवार को सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया जाएगा। मामले की सूचना मिलते ही मुरहू थाने की पुलिस दुर्घटनास्थल पर पहुंची, जहां दोनों शवों को लेकर थाना आ गई है। मृतकों के परिजन भी मुरहू थाना पहुंच गये हैं। झामुमो नेता सनिका बोदरा भी परिजनों की मदद में लगे हैं। दुर्घटना के बाद कार चालक अपनी कार को लॉक कर फरार हो गया है।

जानकारी के अनुसार बाइक सवार विपिन बोदरा और सुजीत सोय मुरूम बाइक से अपने गांव कोनवा जा रहे थे। इसी दौरान जाते गांव के पास विपरीत दिशा से आ रही ऑल्टो कार से बाइक की सीधी टक्कर हो गई। दुर्घटना स्थल को देखने के बाद अनुमान लगाया जा रहा है कि कार और बाइक दोनो की रफ्तार काफी तेज रही होगी।

स्कूटी सवार महिला के गले से सोने की चेन छीनकर उच्चके हुए फरार

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ शहर में महिला के गले से सोने का चेन छीनकर उचक्के फरार हो गए। जानकारी के अनुसार बुधवार को छोटकी मुर्रम पतरातू बस्ती निवासी रेणुका सोनार पति रंजीत कुमार प्रसाद अपनी स्कूटी से डेली मार्केट खरीदारी करने के लिए गई थी। वह खरीदारी कर वापस अपने घर जाने के क्रम में बिजुलिया स्थित दुर्गा मंडप के आगे जैसे ही महिला ने अपनी स्कूटी को धीरे कर अपने घर की ओर जाने लगी तभी पीछे से बाइक सवार दो युवकों ने उनके गले में झपटा मारकर सोने का चेन छीन कर तेज रफ्तार से पटेल चौक की ओर फरार हो गए। महिला जब तक समझ पाती तब तक उचक्के वहां से फरार हो चुके थे। घटना के बाद पीड़ित महिला रामगढ़ थाना पहुंचकर मामले की जानकारी दी। इधर, घटना की सूचना पाकर पुलिस छापेमारी तेज कर दी।

बडानी घाटी में गिरा सीमेंट लदा ट्रक

खूंटी। अड़की थाना क्षेत्र के कोरवा-कुचाई मुख्य पथ पर सौड़ीहातू गांव के पास बुधवार को सीमेंट लदा 14 चक्का ट्रक अनियंत्रित होकर बडानी घाटी की एक गहरी खाई में गिर गया। दुर्घटना के बाद चालक और खलासी लापता बताये जाते हैं। पुलिस का कहना है कि दोनो भाग गए या ट्रक के नीचे दबे हुए हैं, यह कहना अभी मुश्किल है। दोनों का मोबाइल फोन भी स्वीच ऑफ है। पुलिस ट्रक को उठाने के प्रयास में जुट गई है। ट्रक (सीजी 04 एनआर 2107) घाटी में गिरने के बाद सीमेंट की बोरियां इधर-उधर बिखरी पड़ीं हैं।

होलिका दहन आज, 15 को मनाई जाएगी होली

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। रंगों का त्यौहार होली खूंटी जिले के लगभग सभी गांवों और शहरों में 15 मार्च शनिवार का मनाई जाएगी।

होलिका दहन 13 मार्च की रात को होगा। बाबा आम्रश्वर धाम परिसर स्थित दुर्गा मंदिर के पुजारी पंडित सच्चिदानंद शर्मा ने बताया कि पंचागों की गणना के अनुसार 13 मार्च गुरुवार को चतुर्दशी तिथि पूर्वाहन 10.02 मिनट तक है। उसी रात भद्रा की समाप्ति के बाद रात 10.57 के बाद होलिका दहन होगा। शुक्रवार 14 मार्च को पूर्णिमा दिन को 11.12 मिनट तक है। उदया तिथि के अनुसार रंगोत्सव होती 15 मार्च को मनाया

जाएगा।कुंजला गांव की बैठक में शनिवार को होली मनाने का सर्वसम्मत निर्णय लिया गया।

ग्राम अध्यक्ष काशीनाथ महतो और बेदेया पाहन की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक मे निर्णय लिया गया कि 13 मार्च को रात्रि को 11 बजे होलिका दहन किया जायेगा और , 15 मार्च को होली का त्यौहार मनाया जायेगा।

गांवों में काटा जाएगा फाग

खूंटी जिले के ग्रामीण इलाकों में होलिका दहन का प्रचलन नहीं है। गांवों में फाग या फगुवा काटा जाता है। कर्रा प्रखंड के बिकुवादाग निवासी दिलीप शर्मा बताते हैं कि गुरुवार को सभी गांवों में फाग काटा जाएगा। उन्होंने बताया गांव के बाहर एक खेत जिसे फगुवा डांड़ कहा जाता है, वहां सेमल की प्रजाति के पेड़ की डाली को लाकर गाड़ देता हैं और शुभ मुहूर्त में मुर्गे की बलि देने के बाद खेर घास से लिपटी डालियों पाहन आंग लगा देता है और गांव के सभी लोग एक-एक कर सभी डालियों को काटकर गिरा देते हैं।

राधा गोविंद विश्वविद्यालय में धूमधाम से मना होली मिलन समारोह

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। राधा गोविंद विश्वविद्यालय प्रांगण में होली मिलन समारोह बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बीएन साह ने सभी को होली की बधाई दी। कहा कि होली भारतीय संस्कृति एकता का त्योहार है। जिसके माध्यम से हमें भाईचारे, आपसी प्रेम तथा सद्भावना की शिक्षा मिलती है। सचिव प्रियंका

कुमारी ने होली के त्यौहार को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बताते हुए हार्दिक बधाई दी। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बीएन साह, फूलमती देवी, सचिव प्रियंका कुमारी, प्रति कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार , डॉ संजय सिंह ने विधिवत विन्ध्वासिनी दुर्गा मंदिर प्रांगण में पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर सभी पदाधिकारी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, व्याख्यात एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी उत्साह के साथ एकत्रित हुए और सभी एक दूसरे को गुलाल लगाकर और गले मिलकर होली की बधाईयां दीं। विद्यार्थियों ने भी इस समारोह में बढ़-चढ़कर भाग लिया, जहां उन्होंने पहले अपने गुरुजनों का आशीर्वाद लिया और फिर एक दूसरे को अबीर और गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय परिसर में नृत्य गीत एवं कीर्तन मंडली का भी आयोजन हुआ जिसमें सभी ने हर्षित और उल्लासित होकर के अपना नृत्य प्रस्तुत किया।

पशु क्रूरता न केवल कानूनी अपराध, बल्कि नैतिकता का भी विषय है : उप विकास आयुक्त

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर बुधवार को जिला स्तरीय एक दिवसीय पशु क्रूरता निवारण कार्यशाला का आयोजन समाहरणालय स्थित सभागार में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ उप विकास आयुक्त श्याम नारायण राम ने किया। कार्यशाला में पशुओं के प्रति क्रूरता रोकने, पशु कल्याण अधिनियम, जागरूकता अभियानों और संबंधित कानूनी प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा हुई।

इस मौके पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि पशु क्रूरता न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि यह सामाजिक नैतिकता का भी विषय है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों से इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने की अपील की। बैठक के पश्चात सभी

संबंधित अधिकारियों ने उपायुक्त से मुलाकात की। इस दौरान समाहरणालय परिसर में पक्षियों के लिए बड्र्स होम एवं ड्रिंकर फीडर लगाने की जानकारी भी दी। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों एवं संगठनों को पशु क्रूरता निवारण को लेकर जिले में बेहतर कार्य करने का निर्देश दिया, जिससे पशु क्रूरता को जड़ से समाप्त किया जा सके। कार्यशाला में विषेषज्ञों द्वारा क्रुएल्टी एक्ट 1960, एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया के तहत किए जाने वाले कार्य, राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड झारखंड के तहत किए जाने वाले कार्यों एवं उत्तरदायित्व से विस्तार से अवगत कराया गया। इस अवसर पर जिला पशुपालन पदाधिकारी, डीएसपी मुख्यालय, विभिन्न संगठनों के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों ने पशु कल्याण को बढ़ावा देने के लिए समन्वित प्रयास करने का संकल्प लिया।

सखी मंडल की दीदियों ने उपायुक्त को हर्बल गुलाल भेंट कर दीं शुभकामनाएं

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी के तहत संचालित सखी मंडल की दीदियों ने बुधवार को उपायुक्त लोकेश मिश्रा को पलाश हर्बल गुलाल भेंट कर होली की शुभकामनाएं

दी। इस मौके पर उपायुक्त ने ग्रामीण महिलाओं के इस प्रयास की सराहना करते हुए स्वदेशी, प्राकृतिक और हर्बल उत्पादों को अपनाने का संदेश दिया, साथ ही जिला प्रशासन की ओर से सभी को होली की शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि जेएसएलपीएस, खूंटी पलाश मार्ट द्वारा गत आठ से 13 मार्च तक खूंटी में पलाश हर्बल गुलाल की विशेष प्रदर्शनी सह बिक्री का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी में विभिन्न रंगों के पलाश हर्बल गुलाल के साथ-साथ ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित अन्य जैविक और पारंपरिक उत्पादों की भी बिक्री की जा रही है। प्रदर्शनी में रागी(मडुवा) से बने स्वादिष्ट नमकीन एवं मीठे व्यंजन, केक, ब्रेड, मिठाइयां और अन्य जैविक उत्पाद भी उपलब्ध हैं। यह सभी उत्पाद स्थानीय महिलाओं द्वारा स्वनिर्मित हैं, जिससे उन्हें आर्थिक सशक्तिकरण का अवसर भी मिल रहा है। जेएसएलपीएस एवं सखी मंडल की दीदियां सभी नागरिकों से आग्रह करती हैं कि वे इस होली पर प्राकृतिक एवं हर्बल गुलाल अपनाकर एक स्वस्थ, सुरक्षित एवं खुशहाल त्योहार मनाएं।

सिल्ली कॉलेज में कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन

सिल्ली। सिल्ली कॉलेज सिल्ली में सात दिवसीय एनएसएस विशेष शिविर के छठे दिन कौशल विकाश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रुडसेट संस्थान के निदेशक संजीत कुमार एवं सीनियर फैकल्टी जगदीश कुमार महतो मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। स्वयं सेवकों ने पारंपरिक रूप से अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संजीत कुमार ने कहा कि हुनरमंद बन एवं कौशलता प्राप्त कर रोजगार पाने से अधिक रोजगार देने की काबिलियत रखें । हुनरमंद व्यक्ति जीवन में कभी असफल नहीं होता। कार्यक्रम का संचालन देवाशीष कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन नकुल चंद्र महतो ने किया। इस मौके पर डॉ मनोज कुमार, वरीय शिक्षक हरेंद्र महतो , योगेंद्र महतो , सावित्री बाला, केशव चंद्र रॉय , सुमित, हुलसी , निखिल , श्यामल डे, पशुपति, लक्ष्मीदास, पूर्णिमा, शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित थे।

दो दिवसीय सेमिनार 12 एवं 13 अप्रैल को

सिल्ली। आगामी 12 एवं 13 अप्रैल को समाज को अनुसूचित जनजाति के सूची में सूचीबद्ध करने एवं पेसा कानून के संबंध में गहराई से विचार विमर्श को लेकर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया है।इसको लेकर प्रदेश संयोजक लालचन महतो ने गोला मुरी रोड भिखारी चौक के समीप शिबू रेस्टोरेंट प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुए कहा कि सिल्ली विलेज रिसोर्ट सुलमजूड़ी में आयोजित इस दो दिवसीय से सेमिनार में कुरमी/कुडमी (महतो) समन्वय समिति झारखंड बंगाल एवं उड़ीसा के प्रतिनिधिमंडल भी हिस्सा लेंगे। जहां पहले दिन 12 अप्रैल को समाज से जुड़े साहित्यकार भाषाविद भाषा विद गाना एवं कलाकारों के साथ-साथ सामान्य समिति के सभी पदाधिकारी प्रभारी एवं समाजसेवी को आमंत्रित किया गया है ।वहीं दूसरे दिन 13 अप्रैल को समाज के सभी जनप्रतिनिधियों सामाजिक संगठनों एवं बुद्धिजीवों को आमंत्रित किया गया है। दो दिवसीय सेमिनार के बाद आंदोलन को तेज किया जाएगा।

सिल्ली कॉलेज का जंगल ट्रेकिंग दल आज होगा रवाना

सिल्ली। सिल्ली कालेज सिल्ली के तत्वावधान में 13 से 16 मार्च तक 4 दिवसीय जंगल ट्रेकिंग का आयोजन किया गया है। 28 सदस्यीय ट्रेकिंग टीम गुरुवार को भूगोल विभाग के प्रोफेसर भवानंद चौधरी के नेतृत्व में रवाना होंगे। टीम चार दिनों में पश्चिम बंगाल पुरुलिया जिला के बाघमुंडी क्षेत्र के मुरगुमा डैम से माथाबूरू तक 38 किमी जंगल ट्रेकिंग करेंगे। कॉलेज के मीडिया प्रभारी श्यामल कुमार दे ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में कॉलेज से 19 छात्र-छात्राएं, 2 कॉलेज कर्मी, 6 ट्रेनर एवं 1 जिला न्यायधीश कृष्णानगर, पश्चिम बंगाल के श्रेयश मुखर्जी हिस्सा शामिल हैं। प्रशिक्षण प्रभारी पार्थ सारथी दत्ता एवं उनके सहयोगी इस टीम को मार्गदर्शन व प्रशिक्षण देंगे। जंगल को लेकर सिल्ली कॉलेज के शासी निकाय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो, सचिव डॉ मुकुंद चन्द्र मेहता, प्रभारी प्राचार्य डॉ अनंत कुमार महतो, परीक्षा नियंत्रक प्रो त्रिभुवन महतो, साबित्री बाला, नकुल चन्द्र महतो, निशीकांत महतो एवं कॉलेज के शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारियों ने सभी प्रतिभागी छात्र छात्राओं को हौसला बढ़ाते हुए शुभकामना दी है।

जरियागढ़ में होली मिलन समारोह आयोजित

खूंटी। कर्रा प्रखंड की जरियागढ़ पंचायत अंतर्गत चोलवा पतरा में बुधवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा कर्रा प्रखंड के तत्वावधान में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया बतौर अतिथि उपस्थित थे। विधायक ने सभी को होली के शुभकामनादी और कहा कि होली रंग एवं हर्ष-उल्लास का पर्व है। इसको आपसी भाइचारे से मिलकर सभी समुदाय के लोग मानते हैं और एक दूसरे से खुशियां बाटते हैं। हम सभी को मिलजुल कर होली पर्व को मानना है। एक दूसरे के प्रति प्रेम भावना बढ़ाना है और एक दूसरे से मिलजुल कर रहना है। होली मिलन समारोह में राहुल केशरी, बिनोद उरांव, छतरी हेमरोम, मार्शल आईंड, लछुवा लोहरा, शंभू शर्मा, सुनीता चोचा, द्वारिका केशरी, पौलुस होरो, शंकर साहू, रोशन उरांव, अमर तिडू, पूनम कोंनगाडी, एडवर्ड होरो, गंदूर, अलबर्ट आदि उपस्थिति थे।

संघर्षों के बावजूद परिवार को संभालती हैं महिलाएं : डीडीसी

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। प्रत्येक घर में महिलाओं के संघर्ष की अपनी-अपनी कहानी है। इसमें महिलाओं का विशेष स्थान होता है, जो परिवार को संभालकर चलती हैं।

गुड गवर्नेंस व लोकतंत्र की मजबूती में महिलाओं की अहम भूमिका है। वर्तमान दौर में महिलाएं कहीं से भी कम नहीं हैं। पुरूषों के बराबर ही महिलाओं की हर कार्य में भागदारी हो रही है, जो समाज के लिए अच्छा संकेत है। महिलाओं की आत्मविश्वास व आगे बढ़ने की ललक से यह प्रतीत होता है कि उन्हें अवसर मिले, तो वे बुलंदियों पर पहुंचेगी। यह बातें उप विकास आयुक्त (डीडीसी) रोबिन टोप्पो ने

बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहीं। डीडीसी रोबिन टोप्पो ने बताया कि रामगढ़ जिले के सभी 6 ब्लॉक में लगभग 1200 महिलाएं जो पारंपरिक रूप से हड़िया-दारू के निर्माण एवं बिक्री की कुप्रथा से जुड़ी हुई थी। उन्हें वैकल्पिक, सम्मानजनक और आजीविका से जोड़ने के लिए फूलों झानों आशीर्वाद अभियान के अंतर्गत आर्थिक सहायता प्रदान की गई। अब वे महिलाएं आजीविका के माध्यम से सम्मानजनक जीवन जी रही है। इस मौके पर फूलो झानो आशीर्वाद अभियान से संबंधित लाभुकों के द्वारा सफलता की कहानी प्रस्तुत कर महिलाओं के विकास की कहानी को प्रदर्शित किया गया और साथ ही साथ नुक्कड़ नाटक का भी प्रदर्शन किया गया। विधायक ममता देवी ने सभी दीदियों को फूलो झानो आशीर्वाद अभियान में शामिल होने की अपील की। उन्होंने बताया कि अभियान के लाभुकों को काफी लाभ हुआ है। इस अभियान से छुटी हुई दीदियो को जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है और अपने जीवन में आगे बढ़कर खुशियां और सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया।

महिलाओं को मिल रहा ब्याज मुक्त रकम

जेएसएलपीएस की डीपीएम रीता सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं को विभिन्न क्षेत्र में बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलायी जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा शराब बिक्री के कार्य में जुड़ी महिलाओं को सम्मानजनक वैकल्पिक स्वरोजगार से जोड़ने के लिए फूलो झानो आशीर्वाद योजना की शुरूआत की गई है। इसके तहत वैसी महिलाओं को 50 हजार रुपए तक एक साथ ब्याज मुक्त ऋण देने का प्रावधान है। रामगढ़ में 1200 महिलाएं इसका लाभ ले रही हैं। इस मौके पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले फूलों झानो लाभुकों को प्रशस्ति पत्र के साथ उपहार देकर सम्मानित किया गया।

Page - 03_Page - 03.qxd 13-03-2025 04:08 Page 1

संक्षिप्त

बाइक चोर गिरोह का खुलासा, छह गिरफ्तार

रांची। रांची पुलिस ने बुधवार को बाइक चोर गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने चोर गिरोह के छह लोगों को पकड़ा है। इनमें सुभाष उरांव, भागीरथ कुमार, संतोष लकड़ा, अमन कुमार के अलावा दो नाबालिग भी शामिल हैं। साथ ही दो नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। इस गिरोह की डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा को गुप्त सूचना मिली थी। इसी के आधार पर पुलिस की टीम ने अरगोड़ा थाना क्षेत्र में छापेमारी की और चोरी की चार बाइक के साथ दो नाबालिग सहित छह को पकड़ा है। पुलिस सभी से पुलिस पूछताछ कर रही है। वहीं गिरफ्तार चोरों की निशानदेही पर डीएसपी हटिया पीके मिश्रा के नेतृत्व में कई टीम का गठन कर छापेमारी की जा रही है।

गैलेक्सी बुक5 सीरीज पीसी लॉन्च

रांची। सैमसंग ने अपने नए एआई-पावर्ड पीसी लाइन-अप- गैलेक्सी बुक5 प्रो, गैलेक्सी बुक5 प्रो 360 और गैलेक्सी बुक5 360 को लॉन्च कर दिया है। एआई पीसी की नई रेंज गैलेक्सी एआई की शक्ति को माइक्रोसॉफ्ट के कोपायलट+ पीसी अनुभव के साथ जोड़ती है, ताकि शानदार उत्पादकता, रचनात्मकता और इंटेलिजेंट वर्कफ्लो मिल सके। गैलेक्सी बुक5 सीरीज पहली बार एआई के साथ आती है। नई सीरीज में एआई कंप्यूटिंग के लिए न्यूरल प्रोसेसिंग यूनिट के साथ-साथ एआई सेलेक्ट और फोटो रीमास्टर जैसे गैलेक्सी एआई फीचर हैं।

9 दिवसीय श्रीराम कथा ज्ञान महायज्ञ 17 से

रांची। रांची गोशाला न्यास के हुटुप गोशाला धाम परिसर में 17 से 25 मार्च तक श्रीराम कथा ज्ञान महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के प्रभारी वासुदेव भल्ला और मुकेश काबरा बुधवार को बताया कि नौ दिवसीय श्रीराम कथा की कथा व्यास संगीता किशोरी दोपहर तीन से छह बजे तक कथा का वाचन करेंगी। उन्होंने कहा कि रांची के हुटुप गोशाला धाम में आयोजित होने वाली श्रीराम कथा न केवल एक धार्मिक अनुष्ठान है, बल्कि यह समाज में सत्य, प्रेम और भाईचारे की भावना को सुदृढ़ करने का एक प्रयास भी है। इस प्रकार के आयोजनों से हमें जीवन में श्रीराम के आदर्शों को अपनाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा मिलेगी। महिलाओं की ओर से 17 मार्च को सुबह कलश यात्रा निकाली जाएगी।

अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

रांची। रांची के तमाड़ थाना पुलिस ने अफीम के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में रविन्द्रनाथ महतो और अजीत अहीर शामिल है। दोनों तमाड़ थाना क्षेत्र के रहने वाले है। इनके पास से 1.4 किलो ग्राम अफीम और एक बाइक बरामद किया गया है। थाना प्रभारी रोशन कुमार ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि तमाड़ थाना के-जिलिंग सेरेंग गांव में बाइक से दो व्यक्ति अफीम लेकर तस्करी करने वाले हैं। सूचना के बाद वाहन चेकिंग शुरू किया गया। सामने से एक बाइक पर दो व्यक्ति को आते देखा गया, जो पुलिस को देखकर भागने लगे। सशस्त्र बल के सहयोग से दोनों को खदेड़ कर पकड़ा गया।

एशिया के सबसे बड़ा साहित्योत्सव में लहराया नागपुरी का परचम

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रांची। नागपुरी भाषा झारखंड की सर्वाधिक लोकप्रिय भाषा है। इस भाषा की मधुरता व सरलता के चलते भाषाविदों ने इसे बांसुरी की भाषा, गीतों की रानी व मांदर की भाषा कह कर सुशोभित किया है। यह बातें रांची विवि के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय में नागपुरी के सहायक प्राध्यापक डॉ बीरेंद्र कुमार महतो ने कही।

वे नई दिल्ली के रवींद्र भवन में बुधवार को आयोजित साहित्योत्सव2025 में बोल रहे थे। साहित्य अकादमी की ओर से 7 से 12 मार्च तक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ बीरेंद्र झारखंड से नागपुरी भाषा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। डॉ महतो ने कहा कि 64वीं इस्वी में छोटानागपुर प्रांत के नागवंशी राजाओं ने नागपुरी भाषा को अपनी राजकाज की भाषा बनाया था। तब से लेकर 1947 तक नागपुरी झारखंड की राजभाषा बनी रही। अंग्रेजों व ईसाई मिशनरियों ने भी अपने धर्म प्रचार के लिए इसे अपनाया। कालांतर में इसे लिखने के लिए कैथी, बांग्ला, उड़िया, मराठी, रोमन व देवनागरी लिपि का प्रयोग किया गया। भाषा विज्ञान की दृष्टिकोण से नागपुरी एक स्वतंत्र भाषा है। वर्तमान में करीब तीन करोड़ लोग इस भाषा का प्रयोग करते हैं, जो इसके पुकारू नाम यथा - सादरी, सदरी, गंवारी, नगपुरिया शब्द का प्रयोग करते हैं। पठन-पाठन के साथ डॉ बीरेंद्र ने नागपुरी व्याकरण और नागपुरी भाषा साहित्य से संबंधित कई पुस्तकों की भी रचना की है। साहित्योत्सव में उन्होंने कहा कि भाषा ही संस्कृति है। संस्कृति ही भाषा है। भाषा और संस्कृति का एक जटिल, समजातीय संबंध है। नागपुरी भाषा की उत्पत्ति और विकास के साथ साथ नागपुरी भाषा की महत्ता व क्षेत्र विस्तार और नागपुरी भाषा के नामकरण व लिखने के लिए समयांतर में प्रयोग किये गए लिपियों की यात्रा पर प्रकाश डाला। साहित्योत्सव 2025 विश्व का सबसे बड़ा साहित्य उत्सव में 100 सत्रों में 50 से अधिक भाषाओं के लगभग 700 प्रतिनिधि हिस्सा लिया। मौके पर डॉ महतो ने सात नागपुरी कविताओं रजागा झारखंडिया, पेयारा खंड, बेयाकुल आहयं, चइल नि सकोना, बह तनी देइर, नावाँ उलगुलान एवं झारखंडक धरती महानर का पाठ किया। इस सत्र में नागपुरी भाषा के अलावा असमिया, मलयालम, पंजाबी, संस्कृत, तमिल व उर्दू भाषा के साहित्यकारों ने भी अपनी अपनी प्रस्तुति दी। बताया कि कार्यक्रम में बहुभाषी कवि और कहानी-पाठ, युवा साहिती, अस्मिता, पूर्वोत्तरी जैसे नियमित कार्यक्रमों के अलावा भारत का भक्ति साहित्य, भारत में बाल साहित्य, भारत की अवधारणा, मातृभाषाओं का महत्व, आदिवासी कवि एवं लेखक सम्मिलन, भविष्य के उपन्यास, भारत में नाट्य लेखन, भारत की सांस्कृतिक विरासत, भारतीयों भाषाओं में विज्ञान कथा साहित्य, नैतिकता और साहित्य, भारतीय साहित्य में आत्मकथाएं, साहित्य और सामाजिक आंदोलन, विदेशों में भारतीय साहित्य जैसे अनेक विषयों पर परिचर्चा और परिसंवाद हुए।

होली को लेकर डीसी ने की केंद्रीय शांति समिति की बैठक, कहा

होली में अफवाहों से रहें दूर

प्रशासन की सोशल मीडिया पर पैनी नजर

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रांची। होली को लेकर केंद्रीय शांति समिति की बैठक बुधवार को उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में बुधवार को हुई।

रांची के समाहरणालय में आयोजित बैठक में उपायुक्त ने कहा कि त्योहारों को लेकर जिला प्रशासन सतर्क है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की सोशल मीडिया पर पैनी नजर है। उपायुक्त ने कहा कि शांति समिति के सदस्यों को विधि व्यवस्था से संबंधित कोई भी जानकारी मिलती है तो इसकी जानकारी दें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले मैसेज फारवर्ड न करें, साइबर सेल की ओर से सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने रांचीवासियों से अफवाहों से भी बचने की अपील की। इसके अतिरिक्त उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने होली के दौरान पानी, बिजली, साफ-सफाई और आवश्यक स्थानों पर एंबुलेंस की व्यवस्था करने की बात कही। बैठक के दौरान शांति समिति के सदस्यों ने रमजान के दौरान होलिका दहन और सांप्रदायिक सौहार्द के साथ होली मनाने की बात कही। समिति के सदस्यों ने आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर कार्रवाई करने, रैश ड्राइविंग पर लगाम लगाने सहित कई बातें रखीं। उक्त बिन्दुओं पर शांति समिति के सदस्यों ने बारी-बारी से सुझाव भी दिये।

शांति समिति के सदस्यों का जारी होगा आई कार्ड

उपायुक्त ने कहा कि केंद्रीय शांति समिति के साथ नये सदस्य भी जुड़ेंगे। जिला प्रशासन की ओर से संबंधित थाना और सीओ को इस संबंध में पत्र दिया गया है। वेरिफिकेशन कराकर समिति से अन्य सदस्यों को जोड़ने का कार्य किया जायेगा। उन्होंने कहा कि शांति समिति के सदस्यों के लिए आई कार्ड भी जारी किया जायेगा। उपायुक्त ने कहा कि समिति से महिलाएं भी जुड़ें।

सौहार्द बिगाड़नेवालों की खैर नहीं : डीआईजी

होली और रमजान को शांतिपूर्वक मनाने को लेकर बुधवार को शांति समिति की बैठक समाहरणालय में हुई। बैठक में डीआईजी-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा ने कहा कि होली और रमजान में समाजिक सौहार्द बिगाड़नेवालों की खैर नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारा देश तुलसी, कबीर, नानक, रसखान का देश है। रांची की संस्कृति में भाईचारा है। हमेशा की तरह इस बार भी रांचीवासी सौहार्दपूर्ण वातावरण में मिलजुल कर होली और रमजान मनायेंगे। उन्होंने कहा कि शांति समिति के सदस्य इस बात का ध्यान रखें कि छोटी बात बड़ी न हो, कम उम्र के बच्चे गलती करते हैं तो उसे बढ़ने न दें। उन्होंने कहा कि सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ पुलिस कड़ाई से निपटेगी। उन्होंने कहा कि होली के दौरान जिला में पर्याप्त सुरक्षा बलों की तैनाती रहेगी, सभी संवेदनशील स्थानों पर पेट्रोलिंग की व्यवस्था होगी। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी सदर और बुंडू, पुलिस अधीक्षक यातायात, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था), जिला नजारत उप समाहर्त्ता संबंधित पुलिस पदाधिकारी एवं शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

होली का तोहफा, रांची के 3 लाख से अधिक लाभुकों को मिले 231 करोड़

लाभुकों के खाते में भेजी गई 7500 रुपये की सम्मान राशि

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रांची। होली से पहले राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी झारखंड मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना के तहत महिलाओं के खाते में सम्मान राशि स्थानांतरित की जा रही है। इस वर्ष योजना अंतर्गत लाभुकों के खाते में एक साथ 3 महीने की सम्मान राशि 7500 रुपये स्थानांतरित की जा रही है। रांची जिला में भी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के 3 लाख 8 हजार 280 लाभुकों के खाते में 7500 रुपये की सम्मान राशि स्थानांतरित की गयी है। डीबीटी के माध्यम से उपरोक्त सभी लाभुकों के खाते में 231 करोड़ 18 लाख 72 हजार 500 रुपये सीधे उनके बैंक खाते में ट्रांसफर किये गये हैं। रांची जिला के सभी लाभुकों के खाते में जनवरी, फरवरी एवं मार्च महीने की सम्मान राशि एक साथ स्थानांतरित की गयी है, इनमें कुछ लाभुक ऐसे भी हैं जिनके आवेदन फरवरी माह में स्वीकृत हुए थे।

पुलिस ने दो डकैतों को किया गिरफ्तार

रांची। दशम फॉल थाना पुलिस ने डकैती का खुलासा करते हुए दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए डकैतों की पहचान शिबा नायक उर्फ लम्बु और दाउद नाग के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से दो बाइक, छह हजार रुपये और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं।थाना प्रभारी प्रशांत गौरव ने बुधवार को बताया कि दो मार्च को दशम फॉल थाना क्षेत्र के ग्राम सरजमडीह में पांच-छह अज्ञात अपराधियों ने हथियार के बल पर डकैती की वारदात को अंजाम दिया था। अपराधियों ने पीड़ित तुलसी भगत से करीब एक लाख रुपये नकद और एक सैमसंग मोबाइल लूट लिया था।

रिम्स का 14 और 15 मार्च को बंद रहेगा ओपीडी

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रांची। रिम्स का ओपीडी 14 और 15 मार्च को बंद रहेगा। रिम्स प्रशासन ने बुधधार को एक सूचना जारी कर यह जानकारी दी है। जारी सूचना के मुताबिक, इस दौरान ईमरजेंसी सेवा, फोरेंसिक मेडिसिन, रेडियोलॉजी विभाह और पाकशाला अन्य दिनों की तरह की खुला रहेगा।जारी सूचना के मुताबिक, होली को लेकर 14 मार्च को छुट्टी घोषित है। इसलिए ओपीडी सेवाएं बंद रहेंगी। जबकि 15 मार्च को भी ओपीडी सेवा बंद

रखने का फैसला लिया गया है। दोनों दिन ओपीडी के अलावा निदेशक कार्यालय, चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय, सभी विभाग, पुस्तकालय, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, पैथोलॉजी विभाग, जीव रासायन विभाग, एमआरडी और सेंट्रल पैथोलॉजी विभाग बंद रहेगा।

एसबीयू के विद्यार्थियों ने किया उषा मार्टिन लिमिटेड का दौरा

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) के बीटेक (छठे और आठवें सेमेस्टर), डिप्लोमा (छठे सेमेस्टर) तथा ईईई एवं ईसीई के विद्यार्थियों ने औद्योगिक भ्रमण के तहत रांची स्थित उषा मार्टिन लिमिटेड का दौरा किया।

इस भ्रमण के दौरान छात्रों को कंपनी के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। 1960 में स्थापित इस कंपनी ने अपनी अत्याधुनिक निर्माण सुविधाओं और वैश्विक वितरण केंद्रों में आधुनिक तकनीक को अंगीकृत कर सशक्त वैश्विक

उपस्थिति दर्ज की है। दुनिया की सबसे बड़ी वायर रोप निर्माण इकाइयों में से एक ऊषा मार्टिन कंपनी सौ एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली हुई है। अत्याधुनिक और उच्च-क्षमता वाली मशीनों से सुसज्जित इस कंपनी में उत्पादित वायर रोप्स का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों जैसे ऑयल एंड ऑफशोर, माइनिंग, क्रेन, लिफ्ट, एरियल रोपवे, निर्माण, मछली पकड़ने आदि में किया जाता है। भ्रमण के दौरान उषा मार्टिन लिमिटेड के जीएम-कापोरेंट अफेयर्स, सीएसआर और ईएसजी एवं मीडिया रिलेशंस डॉ. मयंक मुरारी, डिप्टी जीएम-एचआरडी अरविंद कुमार और सुरक्षा प्रमुख अरमान ने छात्रों को कंपनी की प्रोफाइल, वैश्विक उपस्थिति, निर्माण प्रक्रिया और सीएसआर गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। विजिट के दौरान एसबीयू के विद्यार्थियों के साथ विवि के डॉ. दुर्गेश कुमार, डॉ. शुभम सहाय, डॉ. राहुल प्रकाश और ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट के अमित नाथ चरण उपस्थित रहे। नित नए बदलते औद्योगिक परिप्रेक्ष्य और तकनीक के संदर्भ में विद्यार्थियों को अद्यतन जानकारी देने के लिए एसबीयू द्वारा समय-समय पर विवि के विद्यार्थियों को औद्योगिक विजिट करवाया जाता रहा है। ऐसे दौरों से विवि का उद्देश्य विद्यार्थियों को कॉरपोरेट वर्ल्ड से रूबरू होने का बेहतर अवसर प्रदान करना है। एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, कुलपति प्रो. सी. जगनाथन एवं राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने विजिट के आयोजन पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

आश्रम हत्या कांडः मुख्य आरोपित ने पुलिस की पिस्टल छीनने का किया प्रयास, गोली लगने से घायल

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रांची। रांची के चान्हो थाना क्षेत्र स्थित आनंद मार्ग आश्रम में छह मार्च की रात हुई डकैती के दौरान साधु मुकेश साह और राजेंद्र यादव की हत्या के मामले में मुख्य आरोपित मो. प्रिंस को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) आरएन चौधरी ने बुधवार को बताया कि रांची पुलिस ने मंगलवार देर रात बीआईटी थाना क्षेत्र से प्रिंस को पकड़ा था। उसकी निशानदेही ही पर पुलिस हत्या में प्रयुक्त हथियार का खोजबीन कर रही थी,

इसी दौरान प्रिंस पुलिस की अभिरक्षा से भगाने के उद्देश्य से हथकड़ी पकड़े सिपाही को धक्का देकर चान्हो थाना प्रभारी का पिस्टल छिनने का प्रयास किया।

डीएसपी ने बताया कि इस दौरान पिस्टल से गोली चलने से अपराधी प्रिंस के बांये पैर में गोली लगी। इसके बाद पुलिस की टीम के जरिये उसे घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डीएसपी ने बताया कि इस घटना में शामिल चार अपराधियों को पुलिस ने सात मार्च को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं एक अपराधी ने बीते 10 मार्च को पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया था। गिरफ्तार आरोपितों में मो. प्रिंस, गुलाम गौस, जितेन्द्र यादव, अरविंद यादव, सूरज पाहन और अफरोज अंसारी शामिल हैं। इनके पास से पुलिस ने एक 12 हजार रुपये नकद, एक चांदी की सिकड़ी, एक देशी पिस्तौल, तीन जिंदा गोली, दो मैगजीन लगा पिस्टल, एक स्कार्पियों सहित अन्य सामान बरामद किये गये हैं। डीएसपी ने बताया कि सभी अपराधियों ने पातकोई जंगल में बैठकर आश्रम में लूटपाट करने की योजना बनाई थी, इसके बाद सभी आश्रम पहुंचे। इसके बाद अपराधियों ने साधु मुकेश साह और राजेंद्र यादव की गोली मारकर हत्या कर दी। राजेंद्र को तीन गोली मारी गई है, जबकि मुकेश को एक गोली मारी गई है। राजेंद्र यादव कुछ दिनों से आश्रम में साधु मुकेश साह के साथ ही रहता था।

विशाखापटनम- पटना स्पेशल ट्रेन चलेगी 16 से

रांची। होली सहित अन्य पर्वों पर अधिक भीड़ को देखते हुए ट्रेन संख्या 08537/ 08538 विशाखापटनम पटना - विशाखापटनम स्पेशल ट्रेन (वाया - रांची) चलाएगी। यह ट्रेन, ट्रेन संख्या 08537 विशाखापटनम झ पटना स्पेशल (वाया झ रांची), 16, 23 और 30 मार्च को कुल तीन ट्रिप चलेगी, जो विशाखापटनम से खुलेगी। यह ट्रेन विशाखापटनम से रविवार की शाम 7.30 बजे खुलेगी और यह ट्रेन रायगड़ा में रात के 10.15 बजे पहुंचेगी, टीटलागढ़ में रात 1.05 बजे, संबलपुर में अगले दिन सुबह 3.35 बजे, राउरकेला के सुबह 7.35 बजे, हटिया में दोपहर 12.15 बजे और रांची में दोपहर 12.35 बजे पहुंचेगी।

महेश कुमार मनीष बने श्री महावीर मंडल कांके प्रखंड लक्ष्मण चौक के अध्यक्ष

रांची। श्री महावीर मंडल कांके प्रखंड, लक्ष्मण चौक का पुनर्गठन बुधवार को संस्थापक मदन कुमार महतो की अध्यक्षता में किया गया। इसमें कांग्रेस पार्टी के वरीय नेता महेश कुमार मनीष को अध्यक्ष चुना गया। आलोक बैठा और सीताराम मुंडा कार्यकारी अध्यक्ष, राहुल यादव, अरविंद महतो और सूरज लिंडा महासचिव, रोहित साहू सचिव, सूरज महतो उप सचिव, संजय महतो, फागू मुंडा, नसीबलाल महतो, दिलीप बैठा उपाध्यक्ष, विवेक साहू कोषाध्यक्ष, हीरा लोहरा प्रचार मंत्री, तरुण वर्मा भोजन प्रभारी, पंडित सुभाष द्विवेदी पूजा प्रभारी, अशोक मिश्रा अखाड़ा प्रभारी, सुनील गुप्ता और राम मनोहर मिश्र मीडिया प्रभारी बनाए गए। तीन अप्रैल को रामनवमी के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय अस्त्र- शस्त्र चालन प्रतियोगिता के निर्णायक मंडली में जलेश्वर महतो, अजय महतो, पंकज कुमार और प्रवीण केसरी को रखा गया है। हीरालाल महतो स्वागत अध्यक्ष बनाए गए हैं। इस पूरे कार्यक्रम का आयोजन मुख्य संरक्षक पंकज सिंह, संस्थापक सदस्य बिनोद साहू, सुनील गुप्ता, गौरीशंकर महतो, अशोक महतो, सहदेव मुंडा, मुख्य संयोजक मिथिलेश तिवारी, शालिग्राम महतो, संयोजक मुकेश मुंडा, अरविंद राम, राधा नायक, राजकुमार महतो, संरक्षक पंकज वर्मा, अशोक गोप, चंदन बैठा, राजू दूबे, शिवधन मुंडा, सुखलाल चौधरी, आलोक मंडल विक्की की देखरेख में भव्य ढंग से आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जेपीएससी अध्यक्ष ने की शिष्टाचार भेंट

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के अध्यक्ष एल खियांग्ते ने बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। यह शिष्टाचार भेंट कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में हुई। उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

उल्लेखनीय है कि पूर्व मुख्य सचिव एल खियांग्ते को 27 फरवरी को जेपीएससी का नया अध्यक्ष बनाया गया था। राज्य सरकार ने एल. खियांग्ते के नाम का प्रस्ताव भेजा था, जिस पर तत्काल निर्णय लेते हुए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने इस पर मुहर लगा दी थी। जेपीएससी अध्यक्ष का पद छह माह से खाली था। 22 अगस्त 2024 को डॉ मेरी नीलिमा केरकेट्टा के रिटायर होने के बाद जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हुई थी। एल खियांग्ते झारखंड कैडर के 1988 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी हैं। उन्होंने 1987 में यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा पास की थी। मूल रूप से मिजोरम के रहने वाले एल खियांग्ते आदिवासी समुदाय से आते हैं। वह झारखंड के मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) रह चुके हैं। इसके अलावा कई प्रमुख पदों पर भी उन्होंने काम किया है।

मारवाड़ी भवन में अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन

कवियों ने कविताओं से गुदगुदाया, ठहाकों से सराबोर हुई रांची

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रांची। होली के पावन अवसर पर 12 मार्च, 2025 को हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन में अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कवि सम्मेलन आयोजन समिति,रांची के तत्वावधान में कार्यक्रम हुआ। शिरकत करने वाले कवियों ने रांची के लोगों को अपनी रचनाओं पर ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया। कवि सम्मेलन आयोजन समिति के अध्यक्ष अशोक नारसरिया एवं मुख्य संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल ने

कहा कि उत्साह एवं उमंग के पावन पर्व होली पर आयोजित कवि सम्मेलन में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त कवि शामिल हुए। सुप्रसिद्ध हास्य कवि सुनील पॉल (लाफ्टर चैलेंजर), ठहाको के सरदार जानी बैरागी, हास्य व्यंग कवि रमेश मुस्कान, इटावा वीर रस के कवि गौरव चौहान, श्रृंगार रस की प्रसिद्ध कवयित्री श्रीमती डॉ. भुवन मोहिनी एवं हास्य-व्यंग्य के कवि शशिकांत यादव ने अपनी रचनाएं सुनाई। हास्य रस, वीर रस, श्रृंगार रस, व्यंग कविता कवि-कवित्रि प्रस्तुत कर फगवा के मौसम में श्रोताओं को हंसी के ठहाके की बौछार के साथ-साथ तीखे बाण व्यंग्य का मधुर संगम से सराबोर किया। कवि सम्मेलन का उद्घाटन प्रसिद्ध समाजसेवी राजेंद्र भुजानिया, मुख्य अतिथि रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ एवं विशिष्ट अतिथि सहायक समिति के पूर्व अध्यक्ष सुरेश चंद अग्रवाल ने किया। कवि सम्मेलन मे पूर्णतया प्रवेश निःशुल्क था। लगभग 3000 श्रोताओं के बैठने की व्यवस्था थी। महिलाओं के बैठने की विशेष व्यवस्था थी। दर्शकों के लिए एलईडी भी मैदान में लगाए गये थे। आयोजन में सुरेश चंद्र अग्रवाल, ललित कुमार पोद्दार, विनोद कुमार जैन, अशोक कुमार नारसरिया, पवन शर्मा, पवन पोद्दार, मनोज बजाज, अनिल अग्रवाल, किशोर मंत्री, कमल जैन, अनूप अग्रवाल, पुनीत अग्रवाल, पुनीत पोद्दार, रतन मोर, राजेश भारतीय, अंजय सरावगी, हरि कनोडिया, निर्भय शंकर हरित, चंद्रप्रकाश धेलिया ने सक्रिय योगदान दिया।

Page - 04_Page - 04.qxd 13-03-2025 04:09 Page 1

संक्षिप्त

ट्रेन से कटकर युवक की हुई मौत

लोहरदगा। रांची-लोहरदगा टोरी रेलखंड पर बुधवार को आरपीएफ तथा कुडू पुलिस ने थाना क्षेत्र के नामुदाग गांव के समीप पोल नंबर 508/13 के समीप रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया। शव की पहचान नहीं हो पाई है। शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेज दिया है ।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सासाराम से चलकर रांची जा रही रांची-सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस टोरी से निर्धारित समय पर लोहरदगा के लिए खुली थी। टोरी तथा लोहरदगा रेलवे स्टेशन के बीच कुडू थाना क्षेत्र के नामुदाग गांव के समीप एक युवक ट्रेन से गिरकर रेलवे पटरी पर आ गया तथा ट्रेन से कटकर उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। नामुदाग के ग्रामीणों ने इसकी सूचना कुडू पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस व आरपीएफ ने शव को कब्जे में करते हुए पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेज दिया है। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मृतक के पास किसी तरह का कागजात तथा ट्रेन का टिकट नहीं मिल पाया है। शव की पहचान के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल में रखा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कुएं में गिरे हिरण को किया गया रेस्क्यू

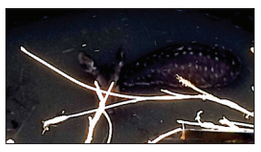

चतरा। टंडवा वन क्षेत्र के रक्सी गांव में गहरे कुआं में गिरे हिरण को टंडवा वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर बचा लिया। बुधवार को उसे वाइल्ड लाइफ सेंचुरी हजारीबाग में ले जाकर छोड़ दिया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वन प्रक्षेत्र अंतर्गत मिश्रोल के रक्शी गांव हिरण पहुंचा और वह भागने के दौरान कुआं में गिर गया। घटना की सूचना मिलते ही रेंजर मुक्ति प्रकाश पन्ना ने त्वरित संज्ञान लेते हुए एक टीम को स्थल पर भेजा। टीम द्वारा ग्रामीणों के सहयोग से सुरक्षित हिरण को कुआं से निकाल लिया गया। टीम में प्रभारी वनपाल सुनील उरांव, वनरक्षी सत्यनारायण रविदास, चालक इंद्रदेव आर्य समेत अन्य शामिल थे।

टाटा स्टील के झरिया डिवीजन ने वार्षिक खदान सुरक्षा पखवाड़ा में जीते कई पुरस्कार

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। खनन सुरक्षा महानिदेशालय (सेंट्रल जोन) के तत्वावधान में आयोजित वार्षिक खदान सुरक्षा पखवाड़ा 2024 का समापन समारोह आज झारखंड के झरिया स्थित डिगवाडीह फुटबॉल ग्राउंड में हुआ। इस कार्यक्रम में खनन सुरक्षा महानिदेशालय के महानिदेशक उज्जवल ताह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

13 से 25 जनवरी 2025 तक, सभी प्रतिभागी खदानों में व्यापक निरीक्षण किया गया, जिसमें ट्रेड टेस्ट सहित विभिन्न सुरक्षा पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया। इस निरीक्षण में टाटा स्टील, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल), स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) और वेस्ट बंगाल पावर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (डब्ल्यूबीपीडीसीएल) सहित कई प्रमुख कंपनियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत सुरक्षा ध्वज फहराकर की गई और प्रदर्शनी स्टॉलों का निरीक्षण किया गया। जिसके बाद दीप प्रज्वलन हुई। उपस्थित सभी लोगों ने सुरक्षा शपथ लेकर सुरक्षित कार्यप्रणाली को प्राथमिकता देने और अपने साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ हुईं, और अंत में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। साथ ही, दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि देने के लिए कुछ क्षण के लिए मौन रखा गया। टाटा स्टील ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई प्रतिष्ठित पुरस्कार अपने नाम किए। सिजुआ कोलियरी ने ह्यग्रुप एह्ल श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ खदान का खिताब जीता, जो 50केटी से अधिक उत्पादन करने वाली भूमिगत खदानों के लिए सर्वोच्च सम्मान है। जामाडोबा का ग्रुप वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर ह्यग्रुप जीह्ल श्रेणी में शीर्ष स्थान पर रहा, जो खनन सुरक्षा और कौशल विकास में इसकी अहम भूमिका को दशार्ता है। वहीं, जामाडोबा का सेंट्रल वर्कशॉप ने ह्यग्रुप जेह्ल श्रेणी में क्षेत्रीय कार्यशालाओं के बीच श्रेष्ठता साबित करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा, भेलाटांड अमलगमेटेड कोलियरी ने सतह और भूमिगत दोनों श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा प्रदर्शन और यांत्रिक स्थापना के लिए प्रथम स्थान प्राप्त किया। साथ ही, माइन प्लानिंग और माइन सर्वेक्षण के रखरखाव में द्वितीय स्थान हासिल किया। सिजुआ कोलियरी ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया, माइन एनवायरनमेंट श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विस्फोटकों के भंडारण एवं संचालन, ब्लास्टिंग, सुरक्षा प्रदर्शन और विद्युत स्थापना सहित कई अन्य श्रेणियों में दूसरा स्थान हासिल किया। इन उपलब्धियों ने खनन क्षेत्र में टाटा स्टील की सुरक्षा मानकों और परिचालन उत्कृष्टता को लगातार बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है।

सर्वश्रेष्ठ स्टाल श्रेणी में, टाटा स्टील ने पहली स्थिति प्राप्त की, जबकि बरौरा क्षेत्र बीसीसीएल ने दूसरी स्थिति हासिल की। डी. बी. सुंदरा रामम, वाईस प्रेसिडेंट, रॉ मैटेरियल्स, टाटा स्टील; संजय राजोरिया, जेनरल मैनेजर, झरिया डिवीजन; सुब्रत दास, चीफ, जामाडोबा ग्रुप, झरिया डिवीजन; विकास कुमार, चीफ, सिजुआ ग्रुप, झरिया डिवीजन; नरेंद्र कुमार गुप्ता, चीफ क्वैरी एस ई, वेस्ट बोकारो डिवीजन, टाटा स्टील सहित टाटा स्टील के वरिष्ठ अधिकारी, यूनियन प्रतिनिधि और अन्य प्रतिभागी कंपनियों के उच्च अधिकारी इस भव्य आयोजन के साक्षी बने। कार्यक्रम का संचालन टाटा स्टील और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया के संयुक्त प्रयासों से हुआ।

सेंट्रल जेल में डीसी-एसपी ने की छापेमारी

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। पलामू के मेदिनीनगर सेंट्रल जेल में नक्सलियों और अपराधियों को वीआईपी ट्रीटमेंट मिलता है। इसका खुलासा जिले के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में बुधवार को की गई छापेमारी के दौरान हुआ।

दोनों अधिकारियों ने टीम बनाकर सेंट्रल जेल में रेड मारी। इस क्रम में जेल प्रशासन का सहयोगात्मक रवैया नहीं रहा। इस पर प्रशासनिक पदाधिकारी ने नाराजगी जताई है और जेल सुपरिंटेंडेंट भागीरथ करजी से स्पष्टीकरण मांगने एवं उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। कुख्यात गैंगस्टर अमन साव की मंगलवार को एनकाउंटर में मौत होने के बाद अचानक सेंट्रल जेल में छापेमारी की गई। जेल में छापामारी करने के लिए उपायुक्त और एसपी के अलावा सदर एसडीओ, सीडीपीओ एवं कई प्रशासनिक पदाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी अलग-अलग टीम बनाकर मौके पर पहुंचे। दो घंटे तक छापेमारी की गई। इस क्रम में पीएलएफआई के सुप्रीमो दिनेश गोप को वीआईपी ट्रीटमेंट दिए जाने की जानकारी सामने आई। दिनेश को कई कमरे दिए गए थे। पूजा करने के लिए स्पेशल कमरा दिया गया था। उसने ब्रांडेड कपड़े पहन रखे थे। इसी तरह एक अपराधी भी वीआईपी ट्रीटमेंट पाते मिला।

उपायुक्त ने इस पर नाराजगी जताई। जांच के दौरान नशीली दवाई और लोहे की कील भी बरामद होने की सूचना है। उल्लेखनीय है कि कुख्यात अपराधी अमन साव की मुठभेड़ में मौत के बाद राज्य के पुलिस महानिदेशक ने कहा था कि जेल से अपराधिक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। जेल में जांच के दौरान अलल अलग वार्ड के साथ-साथ सेल की तलाशी ली गई। इस क्रम में जेल में कैदियों के जरिये खाने-पीने की सामग्री की शिकायत की गई। बताया गया कि दो तरह की खाद्य सामग्री जेल में बनाई जाती है। आम कैदियों को घटिया भोजन दिया जाता है, जबकि बड़े अपराधियों और नक्सलियों को क्वालिटी भोजन कराया जाता है।

तबीयत बिगड़ने के कारण पुलिस जवान की हुई मौत

सरायकेला। सिनी ओपी में पदस्थापित टाईगर मोबाईल के जवान अनील झा का बुधवार को ड्यूटी के दौरान मौत हो गयी है। डॉक्टरों द्वारा अनुमान लगाया जा रहा है कि मृतक को प्रेशर की बीमारी थी। जिसके कारण ब्रेन हेमरेज से मौत हो गई है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही क्लियर हो पाएगा। बताया जा रहा है कि अनिल झा की

तबीयत अचानक बिगड़ जाने के कारण सरायकेला अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार मृतक का परिवार जमशेदपुर के कदमा में रहता है। झारखंड पुलिस में सिपाही के पद पर उनकी बहाली हुई थी। वे कपाली ओपी में टाइगर जवान के रूप में 2 से 3 साल रहे थे उसके बाद उनका ट्रांसफर सीनी क्षेत्र में हुआ था। घटना के बाद जिला पुलिस महकमा में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। इधर सूचना मिलते ही परिजन सरायकेला सदर अस्पताल पहुंच गए हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस लाइन में मृतक जवान को गार्ड ऑफ ऑनर देने के बाद शव परिजन को सौप जाएगा।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने की बैठक

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

पश्चिम सिंहभूम। चाईबासा विधानसभा क्षेत्र निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह सदर अनुमंडल पदाधिकारी अर्णव मिश्रा के कार्यालय वेश्म में सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों संग बुधवार को बैठक हुई।

इसमें निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने कहा कि झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सह सचिव के दिशा-निर्देशों के तहत राजनीतिक दलों के साथ बैठक करनी जरूरी है। इस निमित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों संग बैठक की गई। इसके परिणाम स्वरूप प्रतिवेदन तैयार कर अग्रसारित किया जाएगा। बैठक के दौरान चुनाव संबंधित विषयों पर चर्चा कर और प्रतिवेदन एकत्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। उन्होंने यह भी बताया कि इसका प्रतिवेदन तैयार करके जिला निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय पश्चिम सिंहभूम को भेजा जाएगा। बैठक में कांग्रेस के त्रिशानु राय ने कहा कि चाईबासा विधानसभा क्षेत्र के पांच गांव क्रमशः पेटापेटी, रांगामाटी, छोटा बंकाऊ, बड़ा बंकाऊ और कुरजुली के हजारों मतदाता पूर्व में उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय पेटापेटी में मतदान किया करते थे। गत वर्ष के चुनाव में मतदान केंद्र बरकेला में बनाया गया था जोकि पूर्व के मतदान केंद्र से काफी दूर है, इसलिए हजारों की संख्या में स्थानीय लोगों ने मतदान नहीं किया था।

छापेमारी में अवैध गैस गोदाम का खुलासा

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। उपायुक्त शेखर जमुआर के निर्देश पर एसडीएम संजय कुमार की विधि व्यवस्था को लेकर एहतियातन कार्रवाई जारी है। बुधवार को उन्होंने सहिजना के एक अवैध गैस गोदाम पर छापेमारी की।

गढ़वा ब्लॉक के पास स्थित पेट्रोल पंप में बोतल में दिए जा रहे डीजल-पेट्रोल को रंगे हाथ पकड़ा। एसडीओ के निर्देश पर बाजार से अवैध रूप से पटाखा भंडारण और बिक्री मामले में कुछ लोगों को पुलिस ने पकड़ा। चिनिया रोड से एक ओवरलोड वाहन चालक का लाइसेंस जब्त किया गया। एसडीएम ने त्योहारों के मद्देनजर पनीर और खोआ को लेकर सघन जांच अभियान चलाने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी को निर्देश दि?या। प्रतिदिन रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया। गोपनीय सूचना मिलने पर एसडीओ ने सहिजना में एक निजी घर में संचालित हो रहे अवैध गैस गोदाम पर छापेमारी कर मकान मालिक एवं गोदाम संचालक को पुलिस के हवाले कर दिया। यहां पर अवैध रूप से डेढ़ सौ से अधिक घरेलू गैस सिलेंडर पाए गए। संजय कुमार ने कहा कि पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है कि यह अवैध भंडार गोदाम संचालक को किन-किन एजेंसियों के यहां से किस आधार पर गैस प्राप्त हुए। तथ्य सामने आने पर संबंधित एजेंसी संचालकों पर भी कंठोर कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ी तो एजेंसियों के नियमानुसार लाइसेंस निरस्तीकरण की अनुशंसा भी की जाएगी। कचहरी रोड स्थित पेट्रोल पंप में बोतलों में दिए जा रहे डीजल-पेट्रोल का मामला रंगे हाथ पकड़ने के बाद संचालक को नोटिस जारी किया है। नोटिस का संतोषजनक उत्तर नहीं रहने पर पेट्रोल पंप के लाइसेंस के निरस्तीकरण की दिशा में कार्रवाई की जाएगी। तत्काल सभी पेट्रोल संचालकों, थाना प्रभारियों एवं अंचल अधिकारियों को लिखित आदेश निर्गत किया कि किसी भी पेट्रोल पंप में बोतल, गैलन आदि में ईंधन नहीं दिया जाए। यह जन सामान्य की सुरक्षा के दृष्टिकोण से बेहद खतरनाक है।

इसके अलावा ओवरलोडिंग को लेकर भी एसडीओ की तरफ से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। बाईपास और चिनिया रोड में ओवर लोडिंग को लेकर जांच की गई, जिसमें एक वाहन चालक का औपबंधिक रूप से लाइसेंस जब्त किया गया।ध्वनि प्रदूषण को देखते हुए मंगलवार देर रात एक डीजे सेट को भी वाहन सहित जब्त किया गया है।

ट्रैफिक पुलिस ने दस दिनों में ही 9 लाख 24 हजार 500 रुपये का वसूला जुर्माना

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सरायकेला। जिले में यातायात नियमों की अनदेखी लगातार बढ़ती जा रही है। पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाए जाने और सख्त जांच के बावजूद लोग नियमों का पालन करने से बच रहे हैं। नतीजतन, यातायात पुलिस ने बीते दस दिनों में ही 9 लाख 24 हजार 500 रुपये का जुमार्ना वसूल किया है।

नियमों का पालन न करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई: ट्रैफिक प्रभारी

यातायात प्रभारी अजय कुमार तिवारी ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वाहन चालकों को चाहिए कि वे हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करें, गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें और सभी जरूरी दस्तावेज अपने पास रखें।

इस अवधि में सबसे अधिक मामले बिना सीट बेल्ट कार चलाने से जुड़े सामने आए, जिसमें 323 वाहन चालकों का चालान काटा गया। इसके अलावा, 168 वाहन बिना प्रदूषण प्रमाणपत्र के पाए गए, जबकि 127 मामलों में लोगों ने प्रशासनिक आदेशों का उल्लंघन किया। वहीं, 78 वाहन चालक बिना इंश्योरेंस, 51 लोग बिना हेलमेट और 49 लोग मोबाइल फोन पर बात करते हुए गाड़ी चलाते पकड़े गए. इसके अलावा, 14 वाहन चालक बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाते हुए मिले। इधर एसपी के निर्देश पर बुधवार को जिले के अलग- अलग चेकपोस्ट पर ट्रैफिक पुलिस ने ड्रंक एंड ड्राइव अभियान चलाते हुए कुल 20 हजार रुपए का जुमार्ना वसूला। ट्रैफिक प्रभारी ने बताया कि होली को लेकर विशेष निर्देश के आलोक में यह कार्रवाई की गई। अगले तीन दिनों तक सभी ट्रैफिक पोस्ट पर विशेष रूप से कर्मियों की तैनाती की गई है।

पारसनाथ पर्वत पर अतिक्रमण के खिलाफ प्रदर्शन

गिरिडीह। पारसनाथ पर्वत - सम्मेद शिखर मधुबन में एक फिर अलग आदिवासी संगठनों ने बुधवार को पर्वत पर अतिक्रमण किये जाने के खिलाफ बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया ।विरोध प्रदर्शन में हजारों कि संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग महिला - पुरुष पारम्परिक तीर -धनुष, ढोल नगाड़ो के साथ शामिल हुए । प्रदर्शनकारी झारखंड के कई जिलों से आए थे। इनके हाथों में मारंग बुरु जुग जाहेर हमारा है। इसे खाली करों । जैसे स्लोगन लिखे थे ।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पारसनाथ पहाड़ पर संताल समाज के प्राचीन मारंग बुरू जुग जाहेर थान पूजन स्थल हैं। इस दौरान आदिवासी समाज के पुजारियों.के साथ कई लोगो ने आज भी पूजा अर्चना किया ।समाज के लोग मांदर के थाप पर मधुवन बाजार का भ्रमण कर जैन समाज को अतिक्रमण पर रोक लगाने अल्टीमेटम संकेत दिया ।

होली-रामनवमी में दंगा नियंत्रण के लिए मॉक ड्रिल, पुलिस ने तैयारियों को परखा

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। होली-रामनवमी के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करने के लिए बुधवार को मेदिनीनगर पुलिस लाइन मैदान में दंगा नियंत्रण मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास में पुलिस बल ने भीड़ नियंत्रण, आंसू गैस, वाटर कैनन और लाठीचार्ज जैसी तकनीकों का प्रदर्शन एवं अभ्यास किया। पुलिस ने इसके माध्यम से अपनी तैयारियों को परखा एवं घटना के अनुसार तैयार रहने की बात कही। मॉक ड्रिल के दौरान पुलिस केंद्र के पदाधिकारी और जवानों के साथ मिलकर जांच और अभ्यास किया गया। स्थिति से कैसे निपटना है और घटना के दौरान क्या-क्या करना होता है आदि पर अभ्यास किया गया। जवानों को विशेष रूप से जानकारी दी गई की विधि व्यवस्था संधारण के दौरान कब और किस परिस्थिति में क्या कार्रवाई करनी होती है। मौके पर मौजूद पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि विधि विरुद्ध जमाव, दंगा आदि की स्थिति से निपटने की कवायद की गई। इस अभ्यास में दंगा रोधी उपकरणों, वाटर कैनन ट्रक, रोयट कंट्रोल व्हीकल, एंबुलेंस के साथ टियर गन, स्मोक सेल, चिल्ली ग्रेनेड आदि के उपयोग का भी अभ्यास किया गया। आगामी होली, रामनवमी एवं अन्य आयोजनों में किसी तरह की आपात स्थिति से निपटने के लिए पलामू पुलिस तैयार है। मॉक ड्रिल में परीक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक राजीव रंजन एवं राजेश यादव, परिचारी विमल कुमार चंद्रवंशी, मेरी खलका, नागेंद्र चौधरी एवं आईआरबी 10 के जवान शामिल थे।

गढ़वाः मंडल कारा में देर रात छापेमारी, वार्डों की ली तलाशी

गढ़वा। उपायुक्त शेखर जमुआर के निर्देश पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार के नेतृत्व में मंगलवार देर रात मंडल कारा में औचक

छापेमारी और तलाशी की गई। तलाशी अभियान में कई दंडाधिकारी एवं पुलिस के पदाधिकारियों सहित भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी रही। उल्लेखनीय है कि विधि व्यवस्था के दृष्टिकोण से मंडल कारा के सभी वार्डों में समय-समय पर औचक जांच तथा निरुद्ध कैदियों की विधिवत तलाशी की कार्रवाई की जाती है। इसी क्रम में मंगलवार मध्य रात्रि को मंडल कारा के सभी वार्डों की सघन तलाशी छापामारी दल द्वारा की गई। उक्त छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नीरज कुमार, बीडीओ गढ़वा कुमार नरेंद्र नारायण, सीओ मेराल यशवंत नायक, प्रशिक्षु उपसमाहर्ता रविकांत शर्मा, थाना प्रभारी गढ़वा बृज कुमार, थाना प्रभारी मेराल विष्णुकांत, महिला थाना प्रभारी सहित थाना प्रभारी स्तर के कई पदाधिकारियों सहित लगभग 200 से अधिक पुलिस बल की मौजूदगी थी। छापामारी के लिए गठित अलग-अलग टीमों द्वारा महिला वार्ड सहित सभी वार्डों में गहन तलाशी ली गई। उक्त तलाशी का कार्य रात्रि लगभग 10:30 बजे से आरंभ हुआ जो लगभग मध्यरात्रि तक चला। अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि उक्त छापेमारी के दौरान कोई भी ऐसी संवेदनशील या आपत्तिजनक सामग्री जेल के अंदर या कारा वार्डों में नहीं मिली, जो कि जेल मैनुअल के नियमों के प्रतिकूल हो। उन्होंने कहा कि यह रूटीन छापेमारी थी। इस प्रकार की औचक छापेमारी आगे भी जारी रहेगी।

टोयबो पुलिया निर्माण में गड़बड़ी का आरोप

उच्चस्तरीय जांच की मांग

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

चक्रधरपुर। झारखंड सरकार राज्य में विकास कार्यों को लेकर काफी गंभीर है लेकिन यहां के भ्रष्ट अधिकारी और ठेकेदार आपसी सांठगांठ से सरकार के आदेशों की धज्जियां उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

इसका जीता-जागता उदाहरण ग्रामीण विकास विषेश प्रमंडल से चक्रधरपुर प्रखंड गुलकेड़ा पंचायत के गुड़ासाई गांव में बन रहे टोयबो पुलिया है। समय-समय पर ग्रामीणों के शिकायत के बाद भी जिला प्रशासन और विभाग कुंभकर्ण की निद्रा में सोये हुए है। परिणाम स्वरूप अब पुलिया में हो रहे घटिया निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीण भी अब एकजुट हो गए हैं। मंगलवार को प्रख्यात झारखंड आंदोलनकारी समाजसेवी मानसिंह बांकिरा, समाजसेवी दयासागर केराई और युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रीतम बांकिरा के नेतृत्व में ग्रामीण कार्यस्थल पर पहुंचे। कार्यस्थल पर पाया गया कि पुलिया निर्माण कार्य के नाम पर सिर्फ लीपापोती किया जा रहा है। गार्डवाल निर्माण करने के दौरान ही धंस गया है। गार्डवाल में नदी का पत्थर और बालू का इस्तेमाल किया जा रहा है। पुलिया में भी इस्टीमेट के अनुसार छड़ भी नहीं लगाया जा रहा है, जिससे अब पुलिया की मजबूती को लेकर भी सवाल उठने लगा है।

उपस्थित सभी ग्रामीणों ने फैसला किया कि पुलिया के पूरे निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय जांच अधिकारियों द्वारा की जाए। उसके बाद ही पुलिया का निर्माण कार्य होना चाहिये। सभी ग्रामीणों ने ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय के नाम हस्ताक्षर युक्त आवेदन भी लिखा। आवेदन पत्र की प्रतिलिपि सांसद, विधायक, उपायुक्त और संबंधित विभाग के आलाधिकारियों को देने की बात कही।

झारखंड आंदोलनकारी सह समाजसेवी मानसिंह बांकिरा ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण पुलिया निर्माण कार्य को लेकर ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों को बारंबार अवगत करवाया गया है। इसके बावजूद भी ठेकेदार ने गांव के लोगों को डरा धमकाकर घटिया निर्माण कार्य जारी रखा। यह पुलिया तीन पंचायत के हजारों लोगों की लाइफलाइन है। बावजूद इसके ठेकेदार निम्न स्तर के निर्माण कार्य कर रहा है। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने फोन पर ही विभाग के पदाधिकारियों से पुलिया निर्माण से संबंधित जानकारी लेनी चाही, लेकिन अधिकारी ने कहा कि उन्हें पुलिया से संबंधित कोई जानकारी नहीं है। समाजसेवी दयासागर केराई ने कहा कि पुलिया निर्माण कार्य के जांच के लिए उपायुक्त को भी ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन इस दिशा में कभी कोई प्रयास नहीं किया गया। इसलिए अब ग्रामीणों के साथ मिलकर ही इस लड़ाई को लड़ने का फैसला किया गया। मौके पर ग्रामीण मुंडा युगसिंह जामुदा, रामराई, गंगाराम, अमन, साहुराम जामुदा सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

होली मिलन का हुआ आयोजन

पलामू। जिले के सुदुरवर्ती सीमांत प्रखंड हुसैनाबाद के प्रसिद्ध पंच सरोवर गईता पोखरा में राजद व गंठबंधन के होली मिलन समारोह हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन हुसैनाबाद विधायक

संजय कुमार सिंह यादव ने किया। उन्होंने कहा कि होली हिन्दुओं का महान पर्व है। बुराइयों पर अच्छाइयों का प्रतीक है। इस पर्व को मिल जुलकर मनायें। साथ ही, पाक माह रमजान भी चल रहा हुए है। अतः एक दूसरे की भावनाओं का कद्र करते हुये हर्षोल्लास के साथ पर्व मनाये। मंच संचालन राजद नेता राज अली ने किया। इस कार्यक्रम में भोजपुरी गायिका पुष्पा राणा ने अपनी टीम के साथ गीत संगीत प्रस्तुत की। मौजूद लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी। इस मौके पर राजद के शीर्षस्थ नेताओं के साथ अजाप्टा प्रखंड अध्यक्ष जुबैर अंसारी, सचिव निर्मल कुमार, विनोद प्रसाद, अंगद प्रसाद, हैदरनगर प्रखंड अध्यक्ष अरुण कुमार चौधरी, रविंद्र पासवान, संजय कुमार, जितेंद्र राम, शंकर पासवान, मनोज कुमार चौधरी, प्रमोद पासवान, महेंद्र बैठा सहित अन्य उपस्थित थे। इसके पूर्व आवास पर मुलाकात के दरम्यान कहा कि होली बाद विधानसभा में ध्यानाकर्षण द्वारा एमएसीपी लाया जायेगा।

Page - 05_Page - 05.qxd 13-03-2025 04:10 Page 1

संक्षिप्त

किड्डेन प्लेग्रुप में होली मिलन का आयोजन

बोकारो। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर 4 एफ में स्थित किड्डेन प्लेग्रुप में बुधवार को होली मिलन का आयोजन किया गया। राधा कृष्ण की होली थीम पर आधारित इस होली मिलन कार्यक्रम में बच्चों ने मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुति से सभी को आनंदित किया। राधा कृष्ण के रूप में सभी बच्चों ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत कर सबकी तालियां बटोरी। एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाया और जमकर मस्ती भी की। संस्थापिका श्रीमती मधुलिका ने बच्चों और उनके अभिभावकों को होली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सभी शिक्षिकाएं उपस्थित थीं।

खदान में कूदकर युवक ने दी जान

बोकारो। मां के निधन के गम में चीराचास के कुंज विहार निवासी संतोष पांडेय (40) ने बुधवार को घर के पास स्थित पत्थर खदान में कूदकर अपनी जान दे दी। युवक की मौत के बाद परिवार में गम का माहौल है। इस संबंध में चीराचास थाना प्रभारी चंदन पांडेय ने बताया कि उक्त घटना दोपहर करीब 12.30 की है। संतोष की मां का निधन होने के बाद उसका चास स्थित श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। इसमें परिवार के सभी पुरुष सदस्य शामिल हुए। सभी अंतिम संस्कार कर घर लौटे तो संतोष अपनी मां को याद कर काफी रोने लगे। इस दौरान उन्होंने परिवार के सदस्यों के सामने ही मां के साथ जाने की बात करने लगे। यह देखकर परिवार के सदस्यों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, साथ ही उन्हें रोकने लगे। लेकिन वह मां के गम में आवेश में आ गया और पत्थर खदान की ओर भागा। यह देखकर उसकी पत्नी भी पीछे-पीछे गई और खदान में कूदने से पहले उन्हें पकड़ लिया। पत्नी ने उनका पैर पकड़कर लाख समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह खुद को छुड़ाकर खदान में कूद गया।

तीन माह बाद भी नहीं हुई फटी पाइपलाइन की मरम्मत

तीसरी पाइप फटी, तो बंद करना होगा पावर प्लांट

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल के निशन हाट पुलिया से मुर्गी फार्म होकर नूरी नगर स्थित डीवीसी के ऐश पॉन्ड को जाने वाली फटी पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य तीन माह बाद भी गोविंदपुर के रैयतों के विरोध के कारण नहीं किया जा सका है।

इस बीच, एक सप्ताह पूर्व मुर्गी फार्म के समीप पाइपलाइन की एक और पाइप फट गई है, जिसकी मरम्मत का कार्य भी नहीं करने दिया जा रहा है। डीवीसी प्रबंधन का मानना है कि यदि एक और पाइप फट गई तो मजबूरन 500 मेगावाट वाले ए पावर प्लांट को बंद करना पड़ जाएगा। उक्त पाइपलाइन की एक पाइप 10 दिसंबर को फट गई थी और फटी पाइप से धान के खेतों में ऐश (छाई) का बहाव हो गया था, जिससे खेतों में छाई जमा हो गई थी तथा धान की फसल को भी नुकसान पहुंचा था। फटी पाइप की मरम्मत को लेकर गोविंदपुर के रैयतों एवं डीवीसी प्रबंधन के बीच जारी गतिरोध को समाप्त करने के लिए कई दौर की वार्ता हुई, परंतु कोई समाधान नहीं निकल सका। बाद में मामला बेरमो एसडीएम मुकेश मछुआ एवं बोकारो डीसी के संज्ञान में भी गया था। बेरमो एसडीएम की अध्यक्षता में डीवीसी प्रबंधन एवं रैयतों के बीच हुई वार्ता का भी कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला। एसडीएम द्वारा घोषित मुआवजे की राशि को भी रैयतों ने स्वीकार नहीं किया। नतीजतन, मामला विगत तीन माह से लंबित है। इस बीच, पाइपलाइन की एक और पुरानी पाइप मुर्गी फार्म के समीप फट गई, परंतु रैयतों ने उसकी मरम्मत का कार्य भी रोक दिया। यदि पुरानी हो चुकी पाइपलाइन की तीसरी पाइप फटती है, तो डीवीसी प्रबंधन को मजबूरन पावर प्लांट बंद करना पड़ सकता है। विभागीय डीजीएम एन. मुरस्कर ने भी ऐसी संभावना जताते हुए लिखित पत्र एचओपी को भेजा है। इस संबंध में डीजीएम बी. जी. होलकर से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि तीन माह बीतने के बाद भी पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य पूरा नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि डीवीसी ने पाइपलाइन के लिए जमीन सीसीएल प्रबंधन से ली थी, जबकि उस जमीन पर गोविंदपुर के रैयत अपना दावा कर रहे हैं।

बोकारो : ओएनजीसी के हास्य कवि सम्मेलन में कवियों ने गुदगुदाया

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। ओएनजीसी की सीबीएम परिसम्पत्ति इकाई की ओर से मंगलवार देर शाम सेक्टर-5 स्थित आशालता केन्द्र में हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आमंत्रित कवियों ने एक से बढ़कर एक काव्य रचनाएं सुनाकर श्रोताओं को खूब गुदगुदाया और हंसते-हंसते लोटपोट होने को विवश कर दिया। आमंत्रित कवियों में चिराग जैन, मनीषा शुक्ला, अभिनव शंकर अनिकुल, महेन्द्र अजनबी और रमेश मुस्कान ने काव्य-फुहारों की बौछार की। विशेषकर अभिनव शंकर ने कविताओं के साथ-साथ शेरो-शायरी की झड़ी लगाकर सबकी भरपूर सराहना बटोरी। क्यों जायका बिगाड़े हम कुछ खराब पी के, कौन बोतल छूए इन लबों की शराब पी के..., धर्म से, अधर्म से और मानवता के मर्म से, मंच के कथ्य से, ओझल नेपथ्य से, और कविताएं चुराता हूँ मै उस अंतिम सत्य से... आदि सुनाकर समां बांधा दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ओएनजीसी की स्थानीय इकाई के कार्यकारी निदेशक, परिसम्पत्ति प्रबंधक आदित्य जौहरी ने साहित्य की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उक्त आयोजन की महत्ता बताई।

पांच लाख रुपये तक प्रति डिसमिल बेची जा रही सीसीएल की अधिग्रहित जमीन

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो थर्मल। सीसीएल कथारा एरिया अंतर्गत सीसीएल गोविंदपुर परियोजना की अधिग्रहित जमीन इन दिनों दो से पांच लाख रुपये प्रति डिसमिल की दर से बेची जा रही है। आश्चर्यजनक रूप से, यह खरीद-फरोख्त महज नॉटरी के एफिडेविट या आपसी समझौते के आधार पर की जा रही है।

चूंकि यह जमीन सीसीएल द्वारा अधिग्रहित की गई थी, इसलिए इसकी विधिवत रजिस्ट्री नहीं हो सकती। बावजूद इसके, जमीन की खरीद-फरोख्त के बाद उस पर घरों का निर्माण भी धड़ल्ले से किया जा रहा है। बताया जाता है कि सीसीएल ने इस भूमि का अधिग्रहण कर रैयतों को नौकरी एवं मुआवजा प्रदान कर दिया था। जिन लोगों की जमीन अधिग्रहित हुई थी, वे या तो सीसीएल से नौकरी करके सेवानिवृत्त हो चुके हैं या दिवंगत हो चुके हैं। अब उनके परिजन सीसीएल की खाली पड़ी जमीन, जिसमें से कोयले की निकासी अंडरग्राउंड माइंस के माध्यम से की जा चुकी है, को बेचने का कार्य कर रहे हैं।

क्या कहते हैं खान प्रबंधक

सीसीएल गोविंदपुर के खान प्रबंधक अंजनी कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि जब भी उन्हें या पूर्व प्रबंधकों को जमीन बेचे जाने या बेची गई जमीन पर घर बनाए जाने की सूचना मिली, उन्होंने स्थानीय थाना में लिखित आवेदन देकर मामला दर्ज करवाने का प्रयास किया। हालांकि, थाना द्वारा मामला दर्ज नहीं किए जाने की स्थिति में ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाई जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस एवं प्रशासन से सहयोग न मिलने के कारण ही सीसीएल की अधिग्रहित जमीन की खरीद-फरोख्त बिना रजिस्ट्री के जारी है।

संस्कार भारती बोकारो जिला इकाई का होली मिलन आयोजित

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। भारतीय साहित्य व ललित कलाओं को समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती की बोकारो जिला इकाई द्वारा मंगलवार की शाम होली मिलन का आयोजन सेक्टर 4 डी स्थित शिव-हनुमान मंदिर परिसर में किया गया।

संस्कार भारती के बोकारो जिला इकाई के महामंत्री स्वरूप शेखर पाण्डेय ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अबीर लगाकर एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कलाकारों ने होली गीत, भजन व नृत्य प्रस्तुत कर सबको आनंदित किया। कार्यक्रम की शुरूआत संस्कार भारती के ध्येय गीत के समवेत गायन से हुई। तत्पश्चात कवि, गायक व संस्कार भारती, बोकारो जिला इकाई के साहित्य प्रमुख अरुण पाठक ने होली कनक भवन में खेलत सिया रघुवीर व बिरज में होली खेलत नंदलाल की सुमधुर प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रभा मोहनन, रजनी पाढ़ी, रुपक पांडेय आदि ने भी होली गीतों व भजनों की सुमधुर प्रस्तुति से सभी को आनंदित कर दिया। हारमोनियम पर शुभम, तबले पर रेवंत जे पाढ़ी व बासुरी पर मुकेश दास ने अच्छी संगति की। उसके बाद नृत्य प्रमुख रजनी पाढ़ी के निर्देशन में श्रुति, आदित्य, नाहिद, जयश्री, प्रियांशु, ऋषभ, सान्वी, अन्वी, प्रणवी, पिहु व अन्य बच्चों ने होली पर मनोहारी नृत्य प्रस्तुत कर सबकी तालियां बटोरी। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए स्वरूप शेखर पांडेय ने आयोजन में सहयोग के लिए मंदिर के प्रमुख पंडित के के एन तिवारी सहित सभी आगंतुकों के प्रति आभार जताया। इस मौके पर मुख्य रूप से संस्कार भारती झारखंड इकाई के सह चित्रकला प्रमुख, सरोज कुमार मिश्रा, बोकारो चित्रकला प्रमुख नागेंद्र सिंह आदि उपस्थित थे।

राज्यपाल से मिलकर सुनील महतो ने की स्वलिखित पुस्तक भेंट

- आदिवासी कुड़मी की ऐतिहासिक प्रमाणिकता की गाथा है पुस्तक

प्रातः नागपुरी संवाददाता

जमशेदपुर। आदिवासी कुड़मी समाज के केंद्रीय महासचिव सुनील कुमार गुलियार जी द्वारा लिखित बृहद छोटा नागपुर के आदि बुनियाद नामक पुस्तक झारखंड के महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार को भेंट दी गई।

इस पुस्तक के अंतर्गत बृहद छोटा नागपुर के आदिवासी कुड़मियों के साथ क्या-क्या षड्यंत्र किया गया है, इस बृहत छोटा नागपुर के कौन सबसे पुराना आदिवासी हैं, जनजाति, अनुसूचित जनजाति, और आदिवासी में क्या अंतर है इसकी पूरी व्याख्या की गई है। इस पुस्तक के अंतर्गत सीएनटी एक्ट 1908 के पूर्व किस एक्ट के तहत कुड़मयों की जमीन की सुरक्षा दी गई थी? सीएनटी एक्ट की उत्पत्ति कैसे हुई? किन लोगों के लिए बनाई गई थी? सीएनटी एक्ट1908 में कब-कब छेड़छाड़ की गई है? इन सभी बातों का जिक्र किया गया है। आदिवासी कस्टम क्या है? पैतृक संपत्ति में महिलाओं को हिस्सेदार क्यों नहीं बनाया जाता है? इन सभी बातों का भी उल्लेख है। संविधान लागू होने के साथ ही आदिवासियों की जनसंख्या को कम क्यों दिखाया गया? आदिवासियों का धर्म का कॉलम को क्यों हटाया गया? जिस जनजाति को 1950 के पूर्व आदिवासी नहीं माना जाता था, उन्हें भी एसटी सूची में क्यों डाला गया? इन सभी बातों का उल्लेख इस पुस्तक में की गया है। यह पुस्तक सभी लोगों के लिए उपयोगी साबित होगी। महामहिम को यह पुस्तक भेंट देते समय साथ में उच्च न्यायालय के अधिवक्ता हरेंद्र कुमार महतो जी अधिवक्ता अहिल्या महतो जी एवं आदिवासी कुरमी समाज के पदाधिकारी मणिलाल महतो जी उपस्थित थे।

होली के पहले बच्चों ने पूल लंच में की मस्ती

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। रंगोत्सव होली के पहले डीपीएस बोकारो के नन्हे छात्र-छात्राओं पर मस्ती का रंग खूब चढ़ा। मौका था पूल लंच का, जिसमें विद्यार्थियों ने खेल-खेल में शेयरिंग और केयरिंग के साथ-साथ आपसी एकजुटता बनाए रखने का पाठ सीखा।

बुधवार को विद्यालय की प्राथमिक इकाई में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने साथ खेला-कूदा, पूरे उत्साह के साथ अपने-अपने घरों से लाए भांति-भांति के व्यंजनों का आनंद लिया तथा गीत-संगीत पर जमकर धमाल मचाया। इस अवसर पर विद्यालय की सभी कक्षाओं को बच्चों और शिक्षकों ने मिलकर रंग-बिरंगे गुब्बारों और आकर्षक कलाकृतियों से सजाया। गीत-संगीत के बीच पूरा वातावरण उत्सवमय बना रहा। साथ मिलकर बिताए गए खुशियों के इस पल में विद्यार्थियों के शिक्षक भी शरीक हुए। खास तौर से प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने विभिन्न कक्षाओं में बच्चों संग मिलकर केक काटे और उन्हें इस अवसर की बधाई दी। छात्र-छात्राओं ने भी अपने प्राचार्य का गर्मजोशी से स्वागत किया तथा उन्हें अपने हाथों से तैयार पूल लंच के शुभकामना पत्र भेंट किए। प्राचार्य डॉ. गंगवार ने कहा कि बच्चों में पढ़ाई का तनाव और दबाव न हो तथा उन्हें जीवन में आनंदयुक्त भाव से रहने की प्रेरणा दी जाय, इस दिशा में पूल लंच जैसे आयोजन काफी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां न केवल आनंद और उल्लास लाती हैं, बल्कि आपसी संबंधों को भी मजबूत बनाती हैं। इस आयोजन ने यह गहरी सीख दी कि एकता में ही वास्तविक सार्थकता है और सामूहिकता में जीवन का पूर्ण आनंद मिलता है।

डीवीसी के मेंबर टेक्निकल का बोकारो थर्मल दौरा

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो थर्मल। डीवीसी के मेंबर टेक्निकल एस. के. पांडा बुधवार की दोपहर बोकारो थर्मल के दौरे पर पहुँचे। उनके साथ ईडी सिस्टम दिनेश कुमार सिंह, वरीय जीएम ट्रांसमिशन जयंतो दत्ता सहित अन्य अभियंता भी थे।

बोकारो थर्मल आगमन पर डीवीसी के निदेशक भवन में एचओपी सुशील कुमार अरजरिया ने उन्हें बुके देकर स्वागत किया। इसके बाद मेंबर टेक्निकल पावर प्लांट पहुँचे और एचओपी, जीएम ओ एंड एम, जीएम विद्युत, डीजीएम प्रशासन सहित सभी वरीय अभियंताओं के साथ 630 मेगावाट वाले स्क्रैप पावर प्लांट के कटिंग स्थल का निरीक्षण किया। कार्य कर रही कंपनी राधा स्मेल्टर्स का कार्य वर्तमान इलेक्ट्रिकल के मेन कंट्रोल रूम के कारण बाधित हो रहा है, जिसे लेकर स्थान बदलने की योजना बनाई गई। इस संबंध में निरीक्षण भी किया गया। इसके पश्चात, डीवीसी पावर प्लांट के तकनीकी भवन स्थित सभागार में एचओपी सहित सभी अधिकारियों एवं अभियंताओं के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में बोकारो थर्मल में नए पावर प्लांट को लेकर चर्चा की गई, जिसमें कहा गया कि वर्तमान में सर्वे का कार्य जारी है। सर्वे पूरा होने के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

रोटरी ने बेसहारा बच्चों के साथ मनाई होली, बिखेरी मुस्कान

बोकारो। रोटरी क्लब, चास के सदस्यों ने सहयोग विलेज में बच्चों के साथ होली मनाई। रोटरी क्लब के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा सहयोग विलेज के बच्चों के साथ होली मनाना एक बहुत ही नेक और खुशी देने वाला कार्य है। इससे न सिर्फ बच्चों को खुशी मिलती है, बल्कि आपके अंदर भी संतोष और आनंद का एहसास होता है। रोटरी क्लब चास के सचिव मुकेश अग्रवाल ने कहा कि गुलाल से बच्चों के साथ रोटरी सदस्यों ने होली खेली तथा बच्चों ने आपस में एक दूसरे को अभी लगाकर उत्साह का प्रदर्शन किया। दीवा बैद के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में बच्चों के लिए स्वादिष्ट खाने एवं मिठाई के पैकेट के साथ कॉपी, पेन, चॉकलेट और बिस्किट के पैकेट वितरित किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में ललिता चोपड़ा, पूजा बैद, डिंपल कौर, ज्योति अग्रवाल, भाग्यश्री बैद, श्रुति बैद, मनोज सिंह, विजय अग्रवाल, प्रेम शंकर सिंह, अर्चना सिंह, नरेंद्र सिंह, डॉ श्रवण, किरण कुमार, पूर्वी केजरीवाल, रितु अग्रवाल का सराहनीय योगदान रहा।

मारपीट के आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा, तो पांच घंटे घेर लिया थाने

बोकारो। धनघरी के तीन युवकों से मारपीट के विरोध में बुधवार को दर्जनों लोगों ने हरला थाना का घेराव किया। लोग नारेबाजी करते हुए सुबह करीब 10 बजे हरला थाना पहुंचे और मारपीट के आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ कार्रवाई की मांग कर रहे थे। मारपीट से धनघरी का एक युवक जख्मी है, जिसका इलाज सेक्टर-9 के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। जख्मी का नाम मुश्ताक बताया जा रहा है। वहीं, मारपीट का आरोप सेक्टर-9 के खटाल निवासी आधे दर्जन युवकों पर लगाया गया है। इस दौरान थाना में गतिरोध जारी रहा। सूचना मिलते ही सिटी डीएसपी आलोक रंजन आसपास के कई थाना के पुलिस पदाधिकारियों के साथ हरला थाना पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित लोगों को शांत रहने को कहा। लेकिन लोग हरला थाना परिसर में बैठ गए और आरोपी युवकों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। काफी समझाने व कार्रवाई का आश्वासन देने पर करीब पांच घंटे के बाद दोपहर करीब तीन बजे लोग वापस लौटे। इस संबंध में सिटी डीएसपी ने कहा कि मामले की जांच जारी है।

वर्ष 1822 से बदरंग है दुर्गापुर गांव के लोगों की जिंदगी

विश्वास या अंधविश्वास : 12 टोलों की 25 हजार आबादी के लिए फीका रहता है रंगों का त्योहार, गांव छोड़ दूसरी जगह खेलते हैं होली

- होली का नाम सुनते ही सिहर उठती है जान

डीके वत्स

बोकारो। रंग और उमंग के त्योहार होली का उत्साह इन दिनों एक बार फिर चहुं ओर है। लेकिन, बोकारो जिले के कसमार का दुगार्पुर एक ऐसा गांव है, जहां वर्ष 1822 से लेकर आज तक लोग होली खेलते ही नहीं।

उनके लिए रंगों का उत्साह आज भी फीका ही रहता है। 12 टोलों के हजारों लोगों की आबादी वाले इस गांव के लोग आज भी रंग-गुलाल को हाथ तक नहीं लगाते। इसके पीछे वजह है बड़राव बाबा की नाराजगी। अब इसे विश्वास कहें या अंधविश्वास, ईश्वर या हमारे आराध्य क्या कभी नाराज होते हैं? बड़राव बाबा इस गांव के लोगों के आराध्य हैं। उनके प्रति ग्रामीणों में अगाध आस्था है। ऐतिहासिक घटनाओं को लेकर लोगों में आज भी मान्यता है कि होली मनाने से बड़राव बाबा नाराज हो जाते हैं। उनकी नाराजगी गांव के लोगों के लिए अशुभ न हो जाय और कोई विपदा न आन पड़े, इसी खौफ में आज भी सदियों पुरानी अवधारणा आज भी लोगों में बनी है। इस खौफ से लोग गांव में रंग-अबीर को हाथ तक नहीं लगाते। हालांकि, गांव से बाहर दूर परदेस में लोग लोग होली जरूर मनाते हैं।

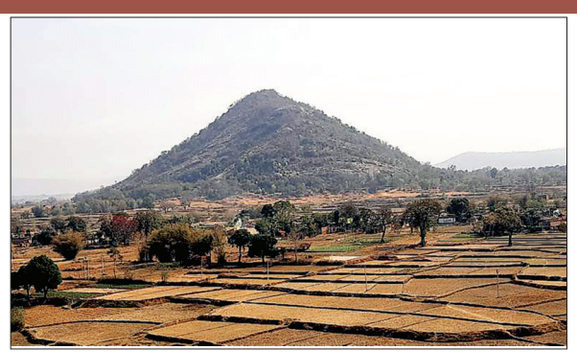

मान्यता... बाबा को धूल-रंग पसंद नहीं, होती है अनहोनी

108 एकड़ में फैली ऐतिहासिक दुर्गा पहाड़ी की तलहटी में बसे दुगार्पुर गांव में पहाड़ी पर बड़राव बाबा पूजे जाते हैं। लोगों की मान्यता है कि बड़राव बाबा रंग और धूल पसंद नहीं करते। यही कारण है कि उनके नाम पर पूजा में बकरा और मुर्गा भी सफेद रंग का ही चढ़ाया जाता है। बड़राव बाबा की इच्छा के विपरीत गांव में रंग-अबीर का उपयोग करने पर उनके क्रोध का सामना गांव वालों को करना पड़ता है। विभिन्न प्रकार की अनहोनी गांव में होती है।

दूसरे गांवों या परदेस जाकर कुछ लोग मनाते हैं होली

होली नहीं खेलना या मनाना सिर्फ दुगार्पुर गांव की सीमा तक ही होता है। ऐसा नहीं कि गांव वाले दूसरी जगह होली नहीं खेल सकते। अगर कोई चाहे तो दूसरे गांव में जाकर होली मना सकते हैं और कुछ लोग मनाते भी हैं। कोई ससुराल, कोई मामा घर, तो कोई मित्र के यहां तो कोई किसी अन्य रिश्तेदार के घर जाकर होली का आनंद उठाते हैं। गांव के दर्जनों युवाओं ने कहा कि वे लोग मुंबई, बेंगलुरु या गुजरात समेत कई राज्यों में काम करते हैं। पिछले तीन वर्ष पूर्व बाहर में रहकर ही खूब होली खेली। इस बार गांव आए हैं। यहां नहीं होली खेलेंगे, यह आस्था की बात है।

अनहोनी की दो कहानियां आज भी खौफ का कारण

कहानी- 1 - ग्रामीणों ने कहा कि मौजा दुगार्पुर में राजा हुआ करते थे, जिनका नाम दुर्गा प्रसाद देव था। होली के दिन उनकी हत्या हो गई थी। प्रामाणिकता के साथ ऐसी मान्यता है कि मगध के राजा बिंबिसार की 500 रानियों में एक रानी वर्धमान की थी। जब उसके पुत्र अजातशत्रु ने रानियों और उसके पुत्रों को मार डाला, तो एक यही रानी मगध से भागने में सफल रही। वह उस समय गर्भवती थी। उसी रानी ने एक पुत्र को जन्म दिया था, जिसका नाम दुर्गा प्रसाद देव था। फागुन पूर्णिमा होली के दिन रामगढ़ के राजा ने आक्रमण कर राजा दुर्गा प्रसाद को मार दिया था। होली के दिन मारे जाने से यहां के लोगों में इस दिन शोक मनाए जाने की परंपरा बन गई है।

कहानी- 2 - दूसरी किंदवंती है कि एक बार 1875-76 में बिरहोर डेरा नामक स्थान में मल्हार परिवार की ओर से होली खेली गई थी। इसमें मल्हार परिवार के 10 लोगों की मृत्यु हो गई थी तथा गांव में पशुओं की महामारी फैल गई। उनकी मृत्यु के बाद ही मल्हार परिवार किसी तरह दुगार्पुर सीमा से दूसरे गांव की ओर निकल पड़े। जो लोग होली के दिन गांव में रहते हैं, वे रंग व गुलाल को हाथ तक नहीं लगाते हैं। वे केवल विधिवत पूजा-अर्चना करते हैं और पकवानों का आनंद लेते हैं।

होली के दिन रहता है सन्नाटा

आबादी के दृष्टिकोण से कसमार प्रखंड के सबसे बड़ा गांव दुगार्पुर है। इस गांव के 12 टोलों में डुण्डाडीह, कारूजारा, ललमटिया, हरलाडीह, चडरिया, बूटीटांड़, परसाटाड़, कुसमाटांड़, कमारहीर, तिलयतरिया, बरवाटोला और मानयमोहा शामिल हैं। यहां अमूमन हर दिन चहल- पहल रहती है, परंतु होली के दिन एक सन्नाटा पसर जाता है। दूर-दूर तक रंग-अबीर, पिचकारी नजर नहीं आती।

Page - 06_Page - 06.qxd 13-03-2025 04:11 Page 1

डिजिटल होली में रमती-बसती हमारी युवा पीढ़ी!

सुनील कुमार महला

आज तकनीक का बाजार हमारी संवेदनाओं का अतिक्रमण कर रहा है। आपस में सौहार्द और सद्भावना के साथ मिलकर होली खेलने में जो आनंद है, उस आनंद की अनुभूति वर्चुअल वर्ल्ड में कभी भी संभव नहीं हो सकती है, भले ही तकनीक के क्षेत्र में हम कितनी भी प्रगति और तरक्की क्यों न कर लें। वास्तव में हमें हमारी सनातन संस्कृति, परंपराओं का निर्वहन करते हुए पुनः सात्विक, सादगी भरे त्योहार मनाने की ओर लौटना होगा, तभी हमारी सनातन संस्कृति, संस्कार व त्योहारों को मनाने का सही अर्थ होगा और हम स्वयं को अधिक आनंदित, उल्लास से पूर्ण महसूस कर सकेंगे।

होली रंगों का त्योहार है। इस बार 13-14 मार्च को होली है। हर साल होली का त्योहार चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। होलिका दहन के दिन को छोटी होली के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में होलिका दहन किया जाता है। पाठक जानते होंगे कि हिरण्यकश्यपु के कहने पर होलिका भक्त प्रह्लाद को मारने के लिए अपनी गोद में बैठाकर अग्नि मंय प्रवेश कर गई, लेकिन भगवान विष्णु की कृपा से भक्त प्रह्लाद तो बच गया और होलिका जल गई। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि होली प्राकृतिक व कृत्रिम रंगों से खेली जाती है, समय के साथ होली खेलने के स्वरूप में भी बदलाव आए हैं। समय बदला तो होली त्योहार मनाने का ढंग व स्वरूप भी बदल गया। पहले फाल्गुन के महीना शुरू होते ही चंग, बांसुरी, डफ, ढ़ोल, नगाड़ा, स्वांग निकालना, होली पर धमाल गीत, हुड़दंग बाजी, हंसी-ठिठोली होती थी, आज भी होती है लेकिन पहले की तुलना में काफी कम है। आज का युग सोशल नेटवर्किंग साइट्स का युग है, इंटरनेट, मल्टीप्लेक्स, एंड्रॉयड मोबाइल फोन, लैपटॉप-कंप्यूटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) या यूं कहें कि सूचना क्रांति, तकनीक और नवाचारों को अपनाने का युग है। ऐसे युग में वर्तमान में हमारी युवा पीढ़ी होली के दिन नशा करने, देर रात्रि तक डीजे पर डांस करने, और फूहड़ तथा पाश्चात्य संस्कृति के गीतों पर एंजॉय करने में ही अपनी वाहवाही समझते है। आज के समय में हमारा देश तेजी से डिजीटलीकरण की ओर अग्रसर हो रहा है। अब होली के दूसरे दिन यानी कि धुलंडी के दिन (रंग खेलने का दिन) भी अपने घरों से बाहर नहीं निकलते हैं। न पहले जैसी हुड़दंग बाजी रही है, न हंसी-ठिठोली और न ही रंग डालने, स्वांग रचने, धमाल गीत गाने जैसी परंपराएं ही अब रहीं हैं। डिजिटल प्रगति के साथ इन सबमें अभूतपूर्व कमी आई है और हमारे तीज-त्योहार भी अब कहीं न कहीं इस अंधी डिजीटलीकरण व्यवस्था में रच-बस से गये हैं। आज सोशल मीडिया जैसे वाटसअप, फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम पर ही अपने यार-दोस्तोंन, रिश्तेदारों और परिजनों को गुलाल-अबीर (रंग) और रंग-बिरंगी पिचकारी भेज कर होली का डिजिटल आनंद लेते हैं। और तो और किसी मैसेज की भांति ही अब तो तीज-त्योहारों के अवसरों पर मिठाई तक भी सोशल नेटवर्किंग साइट्स के जरिए ही भेज दी जाती है। होली पर भी ऐसा ही कुछ हो रहा है, किया जा रहा है। पाठकों को यह जानकर कोई आश्चर्य नहीं होगा कि अब तो धुलंडी का दिन (रंग खेलने का दिन) बीतने के बाद नहाने तक के लिए साबुन, शैंपू और पानी की बाल्टियां, टब तक भी डिजीटली ही भेजे जाने लगे हैं। यह बात सुनने में अजीब लग सकती है, लेकिन यह एक कटु सत्य है कि आजकल के सोशल मीडिया और इंटरनेट वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बढ़ते चलन के साथ, अब ऑनलाइन होली(डिजिटल होली) मनाना आम बात सी हो गई है। आज के समय में रचनात्मक प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया एडिटिंग ऐप रंगों और खुशियों के त्यौहार होली के मौके पर खास स्टिकर्स, ब्रश तथा रिप्ले जारी करने लगे हैं। पिक्स आर्ट अनेक प्रकार के होली स्टीकर्स जारी कर रहा है। आज तो होली खेलने के अनेक एप्स बिखरे पड़े हैं। कोरोना काल में लोग एक दूसरे से दूरी बनाकर मिलने के लिये मजबूर क्या हुए, होली खेलने के अनेक एप्स बाजार में आ गए। आज लोग इन एप्स और स्टिकर्स के जरिये एक दूसरे को डिजिटल अबीर-गुलाल से सराबोर कर रंगों का त्योहार ऐसे मना सकते हैं, जो शायद पहले कभी नहीं मनाया होगा। आज लोग खास मौकों पर डिजिटल माध्यम के जरिये अपने प्रियजनों को बधाई व शुभकामनाएं देने में अपनेपन का एहसास महसूस करने लगे हैं। पिक्सआर्ट के स्टिकर्स, रिप्लेज, मास्क और ब्रश के जरिये रंगों से बिना कोई जोखिम उठाये होली का त्योहार मना सकते हैं। रंगों के इस त्यौहार पर कोई भी अपने प्रियजनों, रिश्तेदारों को अपनी पसंद के रंगीन स्टिकर्स भेजकर, पिचकारी व डिजिटल मिठाई भेजकर होली की बधाई दे सकते हैं। इसका सीधा सा मतलब यह है कि आज के समय में डिजिटल तकनीकों ने सूदूर निवास करने वाले अपने प्रियजनों, रिश्तेदारों के लिए बिना उनसे शारीरिक रूप से(फिजीकली) मिले ही होली के रंग खेलना, शुभकामनाएं व मिठाई भेजना और हंसी-ठिठोली करना संभव बना दिया है। कहना गलत नहीं होगा कि पिक्सआर्ट के साथ आज के इस डिजिटल समय में हम अपनी कल्पनाशीलता से कोई भी तरह का रंगीन डिजाइन बनाकर खुशी, उमंग व पूरे उत्साह व उल्लास के साथ घर बैठे ही होली मना सकते हैं। सच तो यह है कि आज होली ही नहीं हमारे देश के त्योहारों पर सोशल नेटवर्किंग साइट्स का आक्रमण हो चुका है। आज होली खेलने के लिए न घर से बाहर कहीं मैदान या गली मोहल्लों में जाने की आवश्यकता रही है और न ही कहीं सूदूर क्षेत्र की यात्रा करने की ही आवश्यकता रही है। आज घर पर बैठे-बैठे ही एंड्रॉयड मोबाइल, लैपटॉप हाथ में लेकर होली खेली जा सकती है। सच तो यह है कि डिजिटल क्रांति के इस युग में त्योहार तो क्या हर रिश्ते को एंड्रॉयड मोबाइल, लैपटॉप पर ही निपटा दिया है। डिजिटल क्रांति के इस युग में न तो अब कपड़े धोने का झंझट रहा है और न ही रंगों से स्किन खराब होने का भय। पहले होली के दिन रंग खेलने के लिए लोग सिर्फ अपनी गली मोहल्ले तक ही सीमित थे। आज इंस्टाग्राम, वाट्सएप एवं फेसबुक(सोशल नेटवर्किंग साइट्स) के इस युग में वे घर पर बैठे-बैठे ही मोहल्ला छोड़िए, पूरी दुनिया संग इको फ्रेंडली के साथ-साथ पाकेट फ्रेंडली होली भी मनाने लगे हैं। न हींग लगे और न ही फिटकरी। डिजिटल होली लोगों को असली होली की तुलना में पसंद आने लगी है, लेकिन ऐसा करके हम हमारी त्योहारी संस्कृति, परंपराओं, हमारे सांस्कृतिक विरासत से कहीं न कहीं दूर होते चले जा रहे हैं। आज होली के रंग डिजीटलीकरण में उड़ रहें हैं, वास्तव में धरातल पर नहीं। या यूं कहें कि ग्राउंड में होली कम खेलने को तवज्जो दी जा रही है। बहरहाल, यहां यह कहना बिलकुल भी गलत नहीं होगा कि हमारे आधुनिक जीवन में प्रवेश करने वाली रचनात्मक तकनीक ने हमारे तीज-त्योहारों को मनाने के हमारे तरीकों को भी आज काफी हद तक बदल दिया है। आज डिजिटल रंगोलियां सजाई जाती हैं। वर्चुअली रंग खेले जा रहे हैं, वास्तविक रंगों को स्थान बहुत कम रह गया है। सच तो यह है कि आज के सूचना क्रांति और तकनीक के इस युग में होली के पर्व पर जितनी डिजीटल पिचकारियां चल रही हैं, धरातल पर उसका प्रतिशत बहुत ही कम रह गया है। संक्षेप में कहें तो आज एआई युग में होली जैसे बड़े व पावन त्योहार पर हर कोई असलियत में रंगों से भरी पिचकारी से खेलें या नहीं खेलें, लेकिन सोशल मीडिया पर पिचकारी भर कर अपनों पर खूब रंग बिखेर रहे हैं। अंत में यही कहूंगा कि अगर हमें अपने त्योहारों की पवित्रता बचानी है तो हमें कम से कम इन्हें बाजार पैसे के मकड़जाल, आधुनिकता से बचाकर रखना होगा। त्योहार हमारे देश की संस्कृति और परंपराओं से जुड़े हुए हैं। समय के साथ बदलाव कुछ हद तक ठीक कहें जा सकते हैं लेकिन ये इतने अधिक न हों कि त्योहारों का कोई औचित्य या अर्थ ही न रह जाए। होली के त्योहार पर एक दूसरे के यहां प्रत्यक्ष जाकर आपसी मेलजोल, सौहार्द, सद्भावना, प्रेम, प्यार और रिश्तों की धुरी पर जो रंग लगाए जाते हैं, वे सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर जाकर कभी भी नहीं लगाए जा सकते हैं। वर्चुअल वर्ल्ड, आखिर वर्चुअल वर्ल्ड ही होता है, वहां भावनाएं नहीं होतीं हैं। कहना गलत नहीं होगा कि त्योहार हमारे सांस्कृतिक, पारंपरिक जीवन को हरा-भरा करते हैं। ये हमारी सनातन भारतीय संस्कृति, परंपराओं का अभिन्न हिस्सा ही नहीं, बल्कि हमारी धार्मिक, सामाजिक और राष्ट्रीय एकता के भी प्रतीक हैं। पर्व किसी भी धर्म या संप्रदाय का क्यों न हो, हम सभी भारतवासी उसे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। एक-दूसरे को बधाइयां और शुभकामनाएं देते हैं। प्रत्यक्ष बधाई व शुभकामनाएं देना, रंग लगाना एक अलग बात है और वर्चुअली रंग लगाना एक अलग बात है, हमें इस बात को समझना चाहिए। हमें यह याद रखना चाहिए कि घर के बने पकवान और मिष्ठान से जो स्वागत-सत्कार हो सकता है, वह वर्चुअली भेजी गई मिठाई से कभी संभव नहीं हो सकता है। वर्चुअल वर्ल्ड पर बनावटीपन दिखता है, वह वास्तविक वर्ल्ड नहीं है। आज तकनीक का बाजार हमारी संवेदनाओं का अतिक्रमण कर रहा है। आपस में सौहार्द और सद्भावना के साथ मिलकर होली खेलने में जो आनंद है, उस आनंद की अनुभूति वर्चुअल वर्ल्ड में कभी भी संभव नहीं हो सकती है, भले ही तकनीक के क्षेत्र में हम कितनी भी प्रगति और तरक्की क्यों न कर लें। वास्तव में हमें हमारी सनातन संस्कृति, परंपराओं का निर्वहन करते हुए पुनः सात्विक, सादगी भरे त्योहार मनाने की ओर लौटना होगा, तभी हमारी सनातन संस्कृति, संस्कार व त्योहारों को मनाने का सही अर्थ होगा और हम स्वयं को अधिक आनंदित, उल्लास से पूर्ण महसूस कर सकेंगे।

संपादकीय

ठेंगे पर आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने दैनिक वेतनभोगियों को नियमित करने के मामले में हाई कोर्ट के आदेश का अनुपालन न करने के मामले में जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों की खिंचाई की। इसे हठधर्मिता बताते हुए इस निष्क्रियता को प्रथम दृष्टया अवमाननापूर्ण बताया। अधिकारियों ने मई, 2007 के उच्च न्यायालय के सरल आदेश का अनुपालन करने में 16 साल लगा दिए। पीठ ने हाई कोर्ट की खंड़पीठ द्वारा लगाए गए पच्चीस हजार रुपये के जुमार्ने में हस्तक्षेप करने से भी इंकार करते हुए इसे प्रतीकात्मक ठहराया। ग्रामीण विकास विभाग में 14 से 19 सालों तक काम करने वाले दैनिक वेतनभोगियों को नियमित करने का हाई कोर्ट ने आदेश दिया था। शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा- हमें केवल दशकों की देरी की चिंता नहीं है, बल्कि यह निर्विवाद तथ्य भी है कि गरीब प्रतिवादी, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी होने के कारण याचिकाकताओं द्वारा बारझबार परेशान किए गए। अदालत ने जुमार्ने को नजीर बताते हुए अधिकारियों पर भारी जुमार्ना लगाने का आदेश दे कर बड़ी चेतावनी दी। कुछ दिन पहले ही श्रीनगर के लाल चौक पर भी दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया था। तमाम नियमों व कानूनों के बावजूद दैनिक वेतनभोगियों व मजदूरों को भुगतान संबंधी दिक्कतों से न केवल जूझना पड़ता है बल्कि उनकी कोई सुनवाई भी नहीं होती। अदालती कार्रवाई में लगने वाले वक्त और धन के कारण भुक्तभोगी आजिज आ जाते हैं। सरकारी लापरवाही और अधिकारियों का रवैया सालों-साल खराब ही होता जा रहा है। बात सिर्फ जम्मू-कश्मीर की नहीं है। इन्हीं हालात से देश भर के दिहाड़ी श्रमिक व कर्मचारी गुजर रहे हैं। केंद्रीय व राज्य श्रम आयोगों के कामकाज व रवैये को लेकर कर्मचारियों में हमेशा रोष नजर आता है, जो अपना कर्त्तव्य निभाने में असफल साबित हो रहे हैं। उस पर अदालतों के आदेशों को लेकर प्रशासन व अधिकारियों की उपेक्षा सरकार के सान्निध्य में आपसी मिली-भगत से जारी रहती है। अधिकारियों पर सरकार का वरदहस्त न हो तो वे अदालत के आदेश को चुनौती देने का साहस नहीं कर सकते। चुनावी भाषणों में दैनिक मजदूरों-कर्मचारियों, बेरोजगारों और रोजगार की तलाश में ठोकरे खाने वालों के पक्ष में घड़ियाली आंसू बहाने वाले राजनेता देश भर के नागरिकों को मात्र दिवास्वप्न दिखाते रहते हैं। यही कारण है कि जनता का विश्वास अब सिर्फ न्याय व्यवस्था पर ही रह गया है।

चिंतन-मनन

जीव परमेश्वर की परा शक्ति

जीव परमेश्वर की परा प्रकृति (शक्ति) है। अपरा शक्ति तो पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, मन, बुद्धि तथा अहंकार जैसे विभिन्न तत्वों के रूप में प्रकट होती है। भौतिक प्रकृति के ये दोनों रूप-स्थूल (पृथ्वी आदि) तथा सूक्ष्म (मन आदि) अपरा शक्ति के ही प्रतिफल हैं। जीव जो अपने विभिन्न कार्य के लिए अपरा शक्तियों का विदोहन करता रहता है, स्वयं परमेश्वर की परा शक्ति है और यह वही शक्ति है जिसके कारण सारा संसार कार्यशील है। इस दृश्य जगत में कार्य करने की तब तक शक्ति नहीं आती, जब तक परा शक्ति अर्थात जीव द्वारा यह गतिशील नहीं बनाया जाता। शक्ति का नियंत्रण सदैव शक्तिमान करता है, अतः जीव सदैव भगवान द्वारा नियंत्रित होते हैं। जीवों का अपना कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है। वे कभी भी सम शक्तिमान नहीं, जैसा कि बुद्धिहीन मनुष्य सोचते हैं। श्रीमद्भागवत में जीव तथा भगवान के अन्तर को इस प्रकार बताया गया है- ह्र्ऍ परम शात! यदि सारे देहधारी जीव आप ही की तरह शात एवं सर्वव्यापी होते तो वे आपके नियंत्रण में न होते। किन्तु यदि जीवों को आपकी सूक्ष्म शक्ति के रूप में मान लिया जाए, तब वे सभी आपके परम नियंत्रण में आ जाते हैं। अतः वास्तविक मुक्ति आपकी शरण में जाना है और इस शरणागति से वे सुखी होंगे। परमेश्वर कृष्ण एकमात्र नियन्ता हैं और सारे जीव उन्हीं के द्वारा नियंत्रित हैं। सारे जीव उनकी पराशक्ति हैं, क्योंकि उनके गुण परमेश्वर के समान हैं, किन्तु वे शक्ति की मात्रा के विषय में समान नहीं हैं। स्थूल व सूक्ष्म अपरा शक्ति का उपभोग करते हुए परा शक्ति (जीव) को अपने वास्तविक मन तथा बुद्धि की विस्मृति हो जाती है। इसका कारण जीव पर जड़ प्रकृति का प्रभाव है। माया के प्रभाव में अहंकार सोचता है, मैं ही पदार्थ हूं और सारी भौतिक उपलब्धि मेरी है किंतु जब वह सारे भौतिक विचारों से मुक्त हो जाता है, तो उसे वास्तविक स्थिति प्राप्त होती है।

भगवंत मान के लिए जी का जंजाल बनता किसान आंदोलन

पंजाब-हरियाणा के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर किसान एक साल से धरने पर हैं और अब पंजाब के सीएम भगवंत मान की टेंशन बढ़ रही है। हालात अब किसान और पंजाब सरकार के बीच टकराव के स्तर पर पहुंच गई है। आम आदमी पार्टी ने किसान आंदोलन को केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ इस्तेमाल किया मगर अब इन्हीं अन्नदाताओं ने पंजाब सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सीएम भगवंत मान का कहना है कि किसानों ने पंजाब को धरने वाला राज्य बना दिया है। पिछले सोमवार को वह किसान नेताओं की मीटिंग को बीच में ही छोड़कर चले आए। अरविंद केजरीवाल भी इन दिनों पंजाब में विपश्यना कर रहे हैं मगर किसानों की मांगों पर चुप हैं। दिल्ली चुनाव में हार के बाद हालात इतनी तेजी से बदले कि किसानों को दिल्ली में धरने के लिए निमंत्रण देने वाली आम आदमी पार्टी की मान सरकार ने किसानों को चंडीगढ़ में एंट्री नहीं दी।

पंजाब के किसान एमएसपी की गारंटी समेत अन्य मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा की कई मांगें केंद्र के साथ राज्य सरकार से भी है। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर किसानों का धरना एक साल से जारी है। माना जाता है कि पंजाब सरकार आप ने किसानों को दिल्ली का रास्ता दिखाकर आंदोलन को हवा दी थी। आप को उम्मीद थी कि किसान एक बार फिर दिल्ली पहुंचेंगे और केंद्र सरकार की मुसीबत बढ़ जाएगी मगर हरियाणा सरकार ने दोनों बॉर्डर को बंद कर दिया। जानकारों का कहना है कि अगर हरियाणा में सत्ता बदल जाती तो सियासी खेल आसान हो जाता मगर हरियाणा में भाजपा ने हैट्रिक लगा दी और बॉर्डर बंद ही रहा। किसान अभी भी पंजाब की सीमा के भीतर टेंट लगाकर अभी बैठे हैं। अब यह दांव उल्टा पड़ रहा है। किसान कुछ लिए बिना जाना नहीं चाहते, इसलिए किसान केंद्र से पहले पंजाब में किए गए वादों को पूरा करने की मांग कर रहे हैं हालांकि किसानों की केंद्रीय मंत्रियों से भी बातचीत जारी है।

3 मार्च को सीएम भगवंत मान के साथ 40 किसान नेताओं की मीटिंग भी हुई थी जिसमें गन लाइसेंस रिन्यू करना, एग्रीकल्चर पॉलिसी समेत प्रीपेड इलेक्ट्रिक मीटर समेत 18 मांगों पर चर्चा होनी थी। ये सारे मुद्दे पंजाब सरकार से जुड़े हैं। मीटिंग में माहौल इतना तल्ख हो गया कि सीएम भगवंत मान बीच में ही मीटिंग छोड़कर निकल गए। सूत्रों के अनुसार, सीएम मान ने तल्ख अंदाज में कहा कि पहले भी जो मांगे माने गई हैं, वह भी अब रद्द हो गई हैं। बातचीत फेल होने के बाद किसानों ने बुधवार को चंडीगढ़ कूच का ऐलान किया और पंजाब सरकार से चंडीगढ़ के सेक्टर 34 में प्रदर्शन करने की मांग की। दिल्ली में धरने की वकालत करने वाली आम आदमी पार्टी ने किसानों को चंडीगढ़ में एंट्री की इजाजत नहीं दी। प्रदर्शन के दौरान कई किसान नेता गिरफ्तार किए गए। इसके बाद पंजाब में किसानों ने सीएम भगवंत मान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। किसानों ने आरोप लगाया है कि भगवंत मान सरकार भी वैसा ही व्यवहार कर रही है जैसा केंद्र सरकार करती आ रही है।

सर्व विदित है कि फरवरी 2024 में जब किसानों ने दोबारा दिल्ली मार्च शुरू किया तो अरविंद केजरीवाल ने उनका हर संभव समर्थन किया था। जब उनसे पूछा गया कि किसान दिल्ली ही क्यों जाते हैं तो उन्होंने जवाब दिया था कि किसान दिल्ली नहीं तो क्या लाहौर जाएंगे? उन्होंने दिल्ली कूच के मद्देनजर बवाना स्टेडियम को अस्थायी जेल बनाने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव को भी ठुकरा दिया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने हरियाणा से दिल्ली तक किलेबंदी की और किसान दिल्ली नहीं आ पाये।

जानकारों का कहना है कि पांच साल पहले जब 2020 में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल सिंघु बॉर्डर पहुंचे थे। तब उन्होंने कहा था कि वह किसानों के बीच मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं बल्कि सेवादार बनकर आए हैं। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने आंदोलन कर रहे किसानों को बिजली, पानी समेत तमाम सुविधाएं दिलाने का वादा किया था और सुविधाएं दी भी थी। राजनीतिक दलों के समर्थन के कारण 2020-21 के बीच किसान 379 दिनों तक दिल्ली में जमे रहे। ट्रैक्टर मार्च निकाला और लाल किले में उपद्रव भी हुए। यह बात अलग है कि इस किसान आन्दोलन से जनता को भारी परेशानियां होने के साथ साथ अरबों रुपयों का नुकसान भी हुआ था। 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को दिल्ली में किसानों की सेवा का फल भी मिला। पार्टी शहरी क्षेत्रों के अलावा ग्रामीण इलाकों में विजयी रही हालांकि इस जीत में मुफ्त बिजली, किसानों को लोन माफी और महिलाओं को 1000 रुपये देने जैसे वादों का भी बड़ा रोल रहा था. बताया जा रहा है कि इन वादों को पूरा करने के लिए पंजाब सरकार आज भी बजट का इंतजाम नहीं कर पाई है। अब भगवंत मान सरकार के लिए चुनावी वादे ही गले की हड्डी बन गए हैं। किसानों की मीटिंग से निकलने के बाद भगवंत मान ने कहा कि उनकी सरकार को सिर्फ किसानों का ही नहीं बल्कि सभी 3.5 करोड़ पंजाबियों के हितों का भी ध्यान रखना है। उनका कहना था कि प्रदर्शनों से व्यापारियों, व्यवसायियों, छात्रों, कर्मचारियों एवं आमजन को अत्यधिक परेशानी हो रही है। पंजाब की अर्थव्यवस्था रसातल में जाने के साथ -साथ इसकी पहचान धरने वाले स्टेट की बनकर रह गई है। उनका कहना है कि वे किसानों से बातचीत करने को तैयार है लेकिन उन्हें(किसानों को) अराजकता फैलाने की छूट नहीं दी जा सकती। जानकारों की माने तो दिल्ली में जब अरविंद केजरीवाल की सरकार थी, तब किसान आंदोलन के लिए उन्होंने दिल्ली को केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ मंच की तरह इस्तेमाल किया था। अब दिल्ली में सरकार बदल चुकी है। हरियाणा सरकार ने भी रास्ता बंद कर दिया है. ऐसे में किसानों के पास चंडीगढ़ में ही आंदोलन का नया स्टेज बनाने की मजबूरी है। अगर चंडीगढ़ में एक बार किसानों का धरना शुरू हो गया तो केंद्र के बजाय भगवंत मान सरकार निशाने पर आ जाएगी। वहां आम लोगों के लिए आंदोलन से होने वाली दिक्कतों का बोझ उठाना भी आसान नहीं है। अब किसान आंदोलन को पहले जैसा राजनेताओं का समर्थन हासिल नहीं है. पंजाब में चुनावी साल होने के कारण किसान आंदोलन का लम्बे समय तक चलना मान सरकार के लिए किसी भी स्तर पर हितकर नहीं है। वैसे भी दिल्ली में आम आदमी की सरकार नहीं रहने से समय - समय पर चिल्लाने वाले नेताओं की आवाज अब बंद हो गई है। यही नहीं, केन्द्र सरकार को कोसने के बहाने जो पार्टियां आप नेताओं को प्रोटेक्शन देती थी, उनके सुरों में भी परिवर्तन देखा जा रहा है। ऐसे में जो कुछ करना होगा, भगवंत मान को ही करना होगा।

– रामस्वरूप रावतसरे

शांत और परोपकारी स्वभाव सुखी जीवन का मूल मंत्र

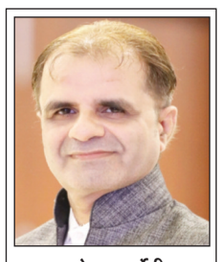

मनोज चतुर्वेदी

भारतीय संस्कृति, सभ्यता के बारे में हमने साहित्य और इतिहास के माध्यम से और भारत माता की गोद में रहकर पारिवारिक संस्कृति, मान सम्मान, रीति- रिवाजों से इसे प्रत्यक्ष महसूस भी कर रहे हैं। परंतु हमारे बड़े बुजुर्गों के माध्यम से हमने कई बार सतयुग का नाम सुने हैं,जिसका वर्णन वेस्वर्गलोक के तुल्य करते हैं। याने इतनी सुखशांति, अपराध मुक्ति, इमानदारी, शांति सरोवर तुल्य, कोई चालाकी चतुराई गलतफहमी या कुटिलता या भ्रष्टाचार नहीं, बस एक ऐसा युग कि कोई अगर कुछ दिन, माह के लिए बाहर गांव जाए तो अपने घरों को ताला तक लगाने की जरूरत नहीं !अब कल्पना कीजिए कि अपराध बोध मुक्त युग!मेरा मानना है कि हमारी पूर्व की पीढ़ियों ने ऐसा युग जिए होंगे तब यह बोध आगे की पीढ़ियों में आया,जिसे सतयुग के नाम से जरूर जाना जाता है।

साथियों बात अगर हम वर्तमान युग पर बड़े बुजुर्गों में चर्चा की करें तो इस इसे कलयुग नाम देते हैं, याने सभी प्रकार के अपराध बोध से युक्त संसार। हर तरह की बेईमानी, भ्रष्टाचार कुटिलता से भरा हुआ युग !आज भी बुजुर्गों का मानना है कि वह सतयुग फिर आएगा,याने आज की तकनीकी भाषा में अपराध मुक्त, भ्रष्टाचार बेईमानी कुटिलता मुक्त पारदर्शिता और अनेकता में एकता वाले भारत की परिकल्पना का युग।

साथियों बात अगर हम अपराध, भ्रष्टाचार, बेईमानी, कुटिलता से भरे जग की करें तो मेरा मानना है कि इसका मुख्य प्रवेश द्वार क्रोध, उत्तेजित स्वभाव व लालच है जिसमें आपराधिक बोध प्रवृत्ति का जन्म होता है और व्यक्ति क्रोध में हिंसा, अपराध, लालच, भ्रष्टाचार, बेईमानी और कुटिलता के अमानवीय कृति और अन्य गलत कार्यों की ओर मुड़ जाता है और आगे बढ़ते ही चले जाता है जब जीवन के असली महत्व का पता चलता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। क्रोध की अभिव्यक्ति हमारे अंदर की कुंठा, हिंसा व द्वेष के कारण भी हो सकती है। वर्तमान काल में अपराधों के बढ़ने का एक प्रमुख कारण भीषण क्रोध ही है।क्रोध से उत्पन्न हुएअपराधों के औचित्य को सिद्ध करने के लिए क्रोधी व्यक्ति कुतर्क कर दूसरे को ही दोषी सिद्ध करता है। एक दोष को दूर करने के लिए अनेक कुतर्क पेश करता है। क्रोध में व्यक्ति आपा खो देता है। क्रोध में अंततः बुद्धि निस्तेज हो जाती है और विवेक नष्ट हो जाता है। क्रोध का विकराल रूप जुनून है। आदमी पर जुनून सवार होने पर वह जघन्य से जघन्य अपराध कर बैठता है। जुनून की हालत में उसे मानवीय गुणों का न बोध रह पाता है और न ही ज्ञान। क्रोध मानव का सबसे बड़ा शत्रु है, बहुत बड़ा अभिशाप है।

साथियों बात अगर हम शांत, परोपकारी स्वभाव ही जीवन का मूल मंत्र की करें तोअभिभावकों, शिक्षकों को बच्चों को यह शिक्षा देना है और हम बड़ों को यह स्वतः संज्ञान लेना है कि माचिस की तीली बनने की बजाय शांत सरोवर बनना होगा, जिसमें कोई अंगारा भी फेंके तो स्वयं ही बुझ जाए, बस! यह भाव अगर हम मनीषियों के हृदय में समाहित हो जाए तो यह विश्व फिर सतयुग का रूप धारण करेगा जहां किसी तरह का कोई अपराध बोध या गलत काम का भाव नहीं होगा। सभी मनीषी जीव परोपकारी भाव से युक्त होंगे भाईचारा, प्रेम, सद्भाव की बारिश होगी जहां बिना ताले घरबार छोड़ कहीं भी जाने के भाव जागृत होंगे और हमारे बुजुर्गों का सतयुग रूपी सपना साकार होगा। साथियों बात अगर हम स्वयं को माचिस की तीली याने क्रोधित होने पर विपरीत परिणामों की करें तो, क्रोध मनुष्य को बर्बाद कर देता है और उसे अच्छे बुरे का पता नही चलने देता, जिस कारण मनुष्य का इससे नुक्सान होता है। क्रोध मनुष्य का प्रथम शत्रु होता है। क्रोधी व्यक्ति आवेश में दूसरे का इतना बुरा नहीं जितना स्वयं का करता है। क्रोध व्यक्ति की बुद्धि को समाप्त करके मन को काला बना देता है।

साथियों बात अगर हम क्रोध को नियंत्रित कर समाप्त करने की तकनीकी की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अनुसार क्रोध के नकारात्मक प्रभाव पूरे इतिहास में देखे गए हैं। प्राचीन दार्शनिकों, धर्मपरायण व्यक्तियों और आधुनिक मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रतीत होने वाले अनियंत्रित क्रोध का मुकाबला करने की सलाह दी गई है। आधुनिक समय में, क्रोध को नियंत्रित करने की अवधारणा को मनोवैज्ञानिकों के शोध के आधार पर क्रोध प्रबंधन कार्यक्रमों में अनुवादित किया गया है। क्रोध प्रबंधन क्रोध की रोकथाम और नियंत्रण के लिए एक मनो-चिकित्सीय कार्यक्रम है। इसे क्रोध को सफलतापूर्वक तैनात करने के रूप में वर्णित किया गया है। क्रोध अक्सर हताशा का परिणाम होता है,या किसी ऐसी चीज से अवरुद्ध या विफल होने का अनुभव होता है जिसे विषय महत्वपूर्ण लगता है। अपनी भावनाओं को समझना क्रोध से निपटने का तरीका सीखने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है। जिन बच्चों ने अपनी नकारात्मक भावनाओं को क्रोध डायरी में लिखा था, उन्होंने वास्तव में अपनी भावनात्मक समझ में सुधार किया, जिससे बदले में कम आक्रामकता हुई। जब अपनी भावनाओं से निपटने की बात आती है, तो बच्चे ऐसे उदाहरणों के प्रत्यक्ष उदाहरण देखकर सबसे अच्छा सीखने की क्षमता दिखाते हैं, जिनके कारण कुछ निश्चित स्तर पर गुस्सा आया। उनके क्रोधित होने के कारणों को देखकर, वे भविष्य में उन कार्यों से बचने की कोशिश कर सकते हैं या उस भावना के लिए तैयार हो सकते हैं जो वे अनुभव करते हैं यदि वे खुद को कुछ ऐसा करते हुए पाते हैं जिसके परिणामस्वरूप आमतौर पर उन्हें गुस्सा आता है, इसके साथ ही एकांत में जाकर ध्यान के माध्यम से क्रोध के विकारों को नष्ट करने का प्रयास करें तो ऋणात्मक ऊर्जा को मोड़कर हम सकारात्मक ऊर्जा से विवेक सम्मत निर्णय लेने में सक्षम हो सकते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि शांत, परोपकारी स्वभाव सुखी जीवन का मूल मंत्र है !स्वयं को माचिस की तीली बनने की बजाए शांति सरोवर बनाएं, जिसमें कोई अंगारा भी फेंके तो स्वयं ही बुझ जाए।क्रोध,उत्तेजित स्वभाव,अपराधिक बोध प्रवृत्ति का मुख्य प्रवेशद्वार है अपराध मुक्त भारत के लिए मनीषियों को क्रोध त्यागना प्राथमिक उपाय है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

Page - 07_Page - 07.qxd 13-03-2025 04:11 Page 1

राग-रंग का लोकप्रिय पर्व होली

होली भारत का प्रमुख त्योहार है। होली जहाँ एक ओर सामाजिक एवं धार्मिक त्योहार है, वहीं रंगों का भी त्योहार है। बाल-वृद्ध, नर-नारी सभी इसे बड़े उत्साह से मनाते हैं। इसमें जातिभेद-वर्णभेद का कोई स्थान नहीं होता। इस अवसर पर लकड़ियों तथा कंडों आदि का ढेर लगाकर होलिकापूजन किया जाता है फिर उसमें आग लगायी जाती है। पूजन के समय मंत्र उच्चारण किया जाता है।

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय और नेपाली लोगों का त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। रंगों का त्योहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है। यह प्रमुखता से भारत तथा नेपाल में मनाया जाता हैं। यह त्यौहार कई अन्य देशों जिनमें अल्पसंख्यक हिन्दू लोग रहते हैं वहां भी धूम-धाम के साथ मनाया जाता हैं। पहले दिन को होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते है। दूसरे दिन, जिसे प्रमुखत : धुलेंडी व धुरड्डी, धुरखेल या धूलिवंदन इसके अन्य नाम हैं, लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं, ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं और घर-घर जा कर लोगों को रंग लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि होली के दिन लोग पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते हैं और फिर से दोस्त बन जाते हैं। एक दूसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है। इसके बाद स्नान कर के विश्राम करने के बाद नए कपड़े पहन कर शाम को लोग एक दूसरे के घर मिलने जाते हैं, गले मिलते हैं और मिठाइयाँ खिलाते हैं।

राग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व वसंत का संदेशवाहक भी है। राग अर्थात संगीत और रंग तो इसके प्रमुख अंग हैं ही पर इनको उत्कर्ष तक पहुँचाने वाली प्रकृति भी इस समय रंग-बिरंगे यौवन के साथ अपनी चरम अवस्था पर होती है। फाल्गुन माह में मनाए जाने के कारण इसे फाल्गुनी भी कहते हैं। होली का त्योहार वसंत पंचमी से ही आरंभ हो जाता है। उसी दिन पहली बार गुलाल उड़ाया जाता है। इस दिन से फाग और धमार का गाना प्रारंभ हो जाता है। खेतों में सरसों खिल उठती है। बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और मनुष्य सब उल्लास से परिपूर्ण हो जाते हैं। खेतों में गेहूँ की बालियाँ इठलाने लगती हैं। बच्चे-बूढ़े सभी व्यक्ति सब कुछ संकोच और रूढ़ियाँ भूलकर ढोलक-झाँझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूब जाते हैं। चारों तरफ़ रंगों की फुहार फूट पड़ती है। होली के दिन आम्र मंजरी तथा चंदन को मिलाकर खाने का बड़ा माहात्म्य है।

विशिष्ट उत्सव

भारत में होली का उत्सव अलग-अलग प्रदेशों में भिन्नता के साथ मनाया जाता है। ब्रज की होली आज भी सारे देश के आकर्षण का बिंदु होती है। बरसाने की लठमार होली काफ़ी प्रसिद्ध है। इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएँ उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। इसी प्रकार मथुरा और वृंदावन में भी 15 दिनों तक होली का पर्व मनाया जाता है। कुमाऊँ की गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की गोष्ठियाँ होती हैं। यह सब होली के कई दिनों पहले शुरू हो जाता है। हरियाणा की धुलंडी में भाभी द्वारा देवर को सताए जाने की प्रथा है। बंगाल की दोल जात्रा चैतन्य महाप्रभु के जन्मदिन के रूप में मनाई जाती है। जलूस निकलते हैं और गाना बजाना भी साथ रहता है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र की रंग पंचमी में सूखा गुलाल खेलने, गोवा के शिमगो में जलूस निकालने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा पंजाब के होला मोहल्ला में सिक्खों द्वारा शक्ति प्रदर्शन की परंपरा है। तमिलनाडु की कमन पोडिगई मुख्य रूप से कामदेव की कथा पर आधारित वसंतोतसव है जबकि मणिपुर के याओसांग में योंगसांग उस नन्हीं झोंपड़ी का नाम है जो पूर्णिमा के दिन प्रत्येक नगर-ग्राम में नदी अथवा सरोवर के तट पर बनाई जाती है। दक्षिण गुजरात के आदिवासियों के लिए होली सबसे बड़ा पर्व है, छत्तीसगढ़ की होरी में लोक गीतों की अद्भुत परंपरा है और मध्यप्रदेश के मालवा अंचल के आदिवासी इलाकों में बेहद धूमधाम से मनाया जाता है भगोरिया, जो होली का ही एक रूप है। बिहार का फगुआ जम कर मौज मस्ती करने का पर्व है और नेपाल की होली में इस पर धार्मिक व सांस्कृतिक रंग दिखाई देता है। इसी प्रकार विभिन्न देशों में बसे प्रवासियों तथा धार्मिक संस्थाओं जैसे इस्कॉन या वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में अलग अलग प्रकार से होली के श्रृंगार व उत्सव मनाने की परंपरा है जिसमें अनेक समानताएँ और भिन्नताएँ हैं।

आधुनिकता का रंग

होली रंगों का त्योहार है, हँसी-खुशी का त्योहार है, लेकिन होली के भी अनेक रूप देखने को मिलते है। प्राकृतिक रंगों के स्थान पर रासायनिक रंगों का प्रचलन, भांग-ठंडाई की जगह नशेबाजी और लोक संगीत की जगह फ़िल्मी गानों का प्रचलन इसके कुछ आधुनिक रूप हैं। लेकिन इससे होली पर गाए-बजाए जाने वाले ढोल, मंजीरों, फाग, धमार, चैती और ठुमरी की शान में कमी नहीं आती। अनेक लोग ऐसे हैं जो पारंपरिक संगीत की समझ रखते हैं और पर्यावरण के प्रति सचेत हैं। इस प्रकार के लोग और संस्थाएँ चंदन, गुलाबजल, टेसू के फूलों से बना हुआ रंग तथा प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की परंपरा को बनाए हुए हैं, साथ ही इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रहे हैं। रासायनिक रंगों के कुप्रभावों की जानकारी होने के बाद बहुत से लोग स्वयं ही प्राकृतिक रंगों की ओर लौट रहे हैं। होली की लोकप्रियता का विकसित होता हुआ अंतर्राष्ट्रीय रूप भी आकार लेने लगा है। बाज़ार में इसकी उपयोगिता का अंदाज़ इस साल होली के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान केन्ज़ोआमूर द्वारा जारी किए गए नए इत्र होली है से लगाया जा सकता है।

होलिका दहन पर भद्रा का साया और होली पर चंद्र ग्रहण, जानिए कब क्या करें?

होलिका दहन के बाद दूसरे दिन होली खेली जाती है जिसे धुलेंडी कहते हैं। धुलेंडी यानी रंगवाली होली। इस बार होलिका दहन और धुलेंडी पर भद्रा के साथ ही चंद्र ग्रहण का योग भी बन रहा है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि होलिका दहन की पूजा कब करें और कब होली खेलें। हिंदू पंचांग अनुसार 13 मार्च 2025 गुरुवार को होलिका दहन होगा और 14 मार्च शुक्रवार को धुलेंडी रहेगी लेकिन क्या है होलिका दहन का मुहूर्त और कब खेलें होली।

पूर्णिमा तिथि प्रारम्भ- 13 मार्च 2025 को सुबह 10 :35 बजे से प्रारंभ।

पूर्णिमा तिथि समाप्त- 14 मार्च 2025 को दोपहर 12 :23 बजे समाप्त।

भद्रा पूंछ- शाम को 06ः57 से रात्रि 08ः14 तक।

भद्रा मुख- रात्रि 08ः14 से रात्रि 10ः22 तक।

दिनांक 14 मार्च 2025 शुक्रवार को सुबह 09 :29 बजे से दोपहर 03 :29 बजे तक यह पूर्ण चंद्र ग्रहण लगेगा। होलिका दहन और होली पर भारत में चंद्र ग्रहण का प्रभाव नहीं रहेगा क्योंकि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। होली पर चंद्र ग्रहण और सूतक काल का कोई प्रभाव नहीं रहेगा इसलिए धुलेंडी का पर्व मनाया जा सकता है।

13 मार्च 2025 को रात्रि में भद्रा के पूंछ काल में होलिका दहन कर सकते हैं। यदि भद्रा को छोड़ना है तो होलिका दहन श्रेष्ठ मुहूर्त- मध्यरात्रि 11 :26 से 12 :30 के बीच। इसके बाद दूसरे दिन रंग वाली होली खेल सकते हैं।

होली खेलने से पहले इन बातों का रखें ध्यान!

रंगों और खुशियों के त्योहार होली के रंग में सराबोर होने के लिए घर से निकलने से पहले आपको त्वचा और बालों की सुरक्षा के संबंध में कुछ बातों का ख्याल जरूर रखना चाहिए, जिससे आपको किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े. त्वचा विशेषज्ञ ने होली खेलने निकलने से पहले त्वचा की देखभाल के संबंध में ये सुझाव दिए हैं -

- कुछ लोग होली खेलने के पहले बाल यह सोचकर नहीं धुलते हैं कि रंग खेलने से बाल गंदे होने ही हैं, लेकिन पहले से गंदे बाल में रंग लगने से आपके बालों को और नुकसान पहुंच सकता है और बाल रुखे हो सकते हैं, इसलिए बाल धुलकर, सुखाने के बाद बालों में अच्छी तरह से तेल लगाकर ही होली खेलने निकलें.
- होली खेलने निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम लगाना नहीं भूलें, क्योंकि तेज धूप में आपकी त्वचा झुलस सकती हैं और रंग काला पड़ सकता है.
- बाजार में उपलब्ध सिंथेटिक रंगों में हानिकारक केमिकल और शीशा भी हो सकता है, जिससे आपकी त्वचा और आंखों को नुकसान पहुंच सकता है. इसलिए त्वचा और बालों पर अच्छे से तेल लगाएं और हो सके तो प्राकृतिक रंगों या घर पर बने टेसू के फूल वाले रंग से होली खेलें. कानों के पीछे, उंगिलयों के बीच में भी तेल अच्छे से लगाएं और नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाना नहीं भूलें. बालों में नारियल तेल डालकर अच्छे से मसाज करें, इससे आपके बाल रूखे भी नहीं होंगे.
- शरीर के अधिकांश हिस्सों को रंगों से बचाने के लिए पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें, सूती रंग के ही कपड़े पहनें, क्योंकि भीगने पर सिंथेटिक कपड़े शरीर से चिपक जाते हैं और आपको उलझन महसूस हो सकती है.
- फलों और सब्जियों के छिलकों को सुखाकर उसमें टेल्कम पाउडर और संतरे के सूखे छिलकों के पाउडर को मिलाकर होली खेलना एक अच्छा विकल्प है. इसमें हल्दी पाउडर, जिंजर रूट पाउडर व दालचीनी पाउडर भी मिलाए जा सकते हैं, जो आपकी त्वचा के लिए हानिकारक साबित नहीं होंगे, लेकिन इन पाउडर को जोर से त्वचा पर मले नहीं, क्योंकि इससे लालिमा, खरोंच या दानें पड़ सकते हैं और त्वचा में जलन हो सकती है.
- होली खेलने के बाद सौम्य फेसवॉश या साबुन का ही इस्तेमाल करें, क्योंकि हार्श साबुन से त्वचा रूखी हो सकती है, नहाने के बाद मॉइश्चराइजर और बॉडी लोशन जरूर लगाएं.
- बालों को सौम्य हर्बल शैम्पू से अच्छी तरह से धुलें, ताकि अभ्रक युक्त और केमिकल वाले रंग बालों से अच्छी तरह से निकल जाएं, शैम्पू के बाद बालों का रूखापन दूर करने के लिए एक मग पानी में एक नींबू का रस मिलाकर धुलें या फिर बीयर से भी बाल धुला जा सकता है, इससे आपके बाल मुलायम रहेंगे.

क्या है होली और राधा-कृष्ण का संबंध

होली के पर्व का जिक्र आते ही मन रंगों से खेलने लगता है और प्रेम के इस पर्व में हर कोई राधा व कृष्ण हो जाना चाहता है। आप सोच रहे होगे कि राधा व कृष्ण का होली से क्या नाता है तो आइये जानते हैं। होली और राधा-कृष्ण का क्या संबंध है।

भगवान विष्णु ने जितने भी अवतार धारण किये हैं चित्रों के माध्यम से उन्हें सांवले रंग का दिखाया जाता है और भगवान श्री कृष्ण का तो नाम ही श्याम लिया जाता है। लेकिन उनका यह श्याम रंग बनने की कहानी है। दरअसल जब श्री कृष्ण के मामा कंस ने राक्षसी पुतना को जन्माष्टमी के दिन जन्मे शीशुओं को स्तन से विषपान करवाकर मरवाने के लिये भेजा तो श्री कृष्ण ने विषपान तो किया लेकिन भगवन का क्या बिगड़ना था, पुतना तो मारी गई लेकिन बाल गोपाल विषपान करने से श्याम वर्ण के हो गये। अब उन्हें यह चिंता सताने लगी कि इस श्याम रंग के साथ प्रिय सखी राधा सहित अन्य गोपियां उन्हें भाव नहीं देंगी। गौर वर्णीय राधा को जब भी वे देखते उन्हें स्वयं का श्याम वर्ण होना अखरने लगता। वे इसकी शिकायत अपनी मैया यशोदा से करते हैं वो गीत तो आपने भी सुना होगा यशोमति मैया से बोले नंदलाला, राधा क्यों गौरी मैं क्यूं काला। तो माता उन्हें प्रसन्न करने के लिये सुझाव देती हैं वह भी राधा के मुख पर वैसा ही रंग लगा दे जैसा वे चाहते हैं। बस माता की शय मिलने की देर थी, नटखट श्याम राधा सहित सभी गोपियों को रंगने लग जाते हैं। धीरे-धीरे उनकी यह शरारत फैलने लगती है और ऋतुराज वसंत के इस प्यार भरे मौसम में एक दूसरे पर रंग डालने की यह लीला एक प्रेममयी परंपरा के रूप में हर साल फाल्गुन के महीने में निभायी जाने लगती है। होली के दिनों में मथुरा वृंदावन का नजारा तो आज भी देखते ही बनता है।

क्या है महत्व

वैसे यह श्री राधा व भगवान श्री कृष्ण की होली पर खेली गई यह प्रेम लीला एक प्रतीक भर है कि यह रंग कोई भौतिक रंग नहीं है बल्कि भक्ति का रंग है। भगवान का रंग है, सद्भावना का रंग है, विश्वास का रंग है जिनसे होली खेली जाती है। और जो होली जलाई जाती है वह संदेह की, अंहकार की, वैरभाव की, ईर्ष्या की होली जलाई जाती है जिसके उपरांत ही निष्काम प्रेम की कामना पूर्ण होती है और अपने आराध्य श्री कृष्ण की अपने ठाकुर जी की कृपा प्राप्त होती है।

तेजस्वी बोले- लॉ-एंड-ऑर्डर फेल, मुख्यमंत्री इस्तीफा दें

सदन में नीतीश और राबड़ी में बहस, पूर्व सीएम बोलीं दूसरों के कहने पर महिलाओं का अपमान करते हैं

पटना। बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के 9वें दिन सदन में खूब हंगामा हुआ। विधानसभा के अंदर और बाहर लॉ-एंड-ऑर्डर को लेकर आज सरकार और विपक्ष में जमकर बयानबाजी हुई। विधान परिषद में सी.एम नीतीश कुमार और राबड़ी देवी के बीच बहस हुई। राबड़ी ने लॉ-एंड-ऑर्डर को लेकर सवाल उठाया तो सी.एमअपनी सीट पर खड़े हो गए और RJD के शासन काल पर हमला बोला। सी.एम नीतीश ने कहा- 'पहले क्या होता था, महिलाओं की क्या स्थिति थी, महिलाएं कितनी पढ़ी लिखी थी, हमने महिलाओं के लिए काफी काम किया है।'सदन में विपक्ष से महिलाएं बोल रही थीं कि हमारा

हमेशा अपमान होता है, ये गलत बात है। कहीं से उचित नहीं है। इस पर सी.एम ने कहा- 'महिलाओं के लिए पहले कोई काम हुआ था। हमने कितना काम किया है। पहले महिलाओं को कोई पढ़ाता था? अब महिलाएं आगे हैं। पांचवीं क्लास तक महिलाएं पढ़ती थीं। आज महिलाएं कितनी आगे हैं। इन लोगों के चक्कर में चली गई हो तो कुछ नहीं जानती हो। पहले पूरी बात जानिए।' नीतीश बोले- इसलिए मैंने इन लोगों का साथ छोड़ा 'पति हट गए तो पत्नी को बना दिया, ये लोग गड़बड़ कर रहे थे। इसलिए इनका साथ छोड़ दिया हमने। आप लोग छपवा दीजिए कि हम अब इधर-उधर नहीं होंगे। यह लोग पहले मुसलमान को कितना पीटते थे और फिर वोट लेते रहते हैं। हम लोगों ने मुसलमान के लिए काफी काम किया है। हम अब जिसके साथ हैं,उसी के साथ रहेंगे कहीं इधर-उधर नहीं जाएंगे।' तेजस्वी ने मांगा सी.एम नीतीश का इस्तीफा वहीं सदन से बाहर निकले नेता तेजस्वी यादव ने भी जमकर सीएम नीतीश पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में लॉ एंड ऑर्डर खत्म हो चुका है। सरकार कानून बदलवाकर अपराधियों को जेल से बाहर निकाल रही है। नीतीश कुमार ने अपराधियों के आगे सरेंडर कर दिया है। राबड़ी देवी और नीतीश कुमार की नोक-झोंक पर तेजस्वी बोले- 'नीतीश कुमार सिर्फ महिलाओं पर बोल सकते हैं। वे राज्य की पहली महिला सीएम पर बोल रहे हैं। लालू यादव और नीतीश कुमार में कोई तुलना नहीं है। नीतीश कुमार के पास कोई नीति और विचारधारा नहीं है । लालू यादव ने विचारधारा से समझौता नहीं किया विधानसभा परिसर में राजद विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने कहा कि, हमारी एकता और संविधान को तोड़ता है, उसे उल्टा टांग देना चाहिए। चाहे वह बचौल हो या फिर कोई और हो। उन्होंने कहा कि, चुनाव से पहले तमाम बाबाओं को भेजा जा रहा है। केंद्र से मंत्री आ रहे हैं। सब घबराहट है। अब सब आएंगे।

विजय चौधरी के जवाब पर ठहाके

जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी के बयान पर सदन में ठहाका लगा। दरअसल, बेगूसराय विधायक कुंदन कुमार ने सवाल पूछा था कि बेगूसराय के बरौनी और अन्य प्रखंड में कृषि योग्य भूमि पर जल जमाव है। इसका जवाब देते हुए मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि, बाढ़ के पानी से खेत की उत्पादकता बढ़ती है। विजय चौधरी के बयान के बाद सदन में बैठे विधायक हंसने लगे।

हाजीपुर में दो किशोरों की डूबने से मौत

वैशाली। में दो किशोर की मौत हुई है। सहदेई थाना क्षेत्र के बाजीतपुर चकस्तूरी में एक पोखर में नहाते समय दो किशोरों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान शिवम कुमार (13) और आदित्य कुमार (17) के रूप में हुई है। घटना उस समय हुई जब चार दोस्त पशुओं के लिए चारा लेने गए थे। इसके बाद वे पोखर में नहाने चले गए। नहाते समय चारों दोस्त डूबने लगे। स्थानीय लोगों की मदद से दो युवकों - शिवा कुमार और संजीव कुमार को बचा लिया गया। लेकिन शिवम और आदित्य गहरे पानी में चले गए और डूब गए। स्थानीय

लोगों ने तुरंत खोजबीन शुरू की, लेकिन दोनों के शव नहीं मिले। अगले दिन SDRF की टीम ने शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है।

शिवम कुमार देसरी स्थित एक निजी स्कूल में पढ़ता था और दो भाइयों में सबसे छोटा था।

अफेयर के शक में पत्नी और 3 बेटियों को मार-डाला

छत्तीसगढ़। के जांजगीर-चांपा जिले में पति ने अपनी पत्नी और 3 बेटियों को फावड़े से मार डाला। कोर्ट के मुताबिक हत्यारे ने अफेयर के शक में वारदात को अंजाम दिया। अब कोर्ट ने हत्यारे को चारों हत्याओं के केस में 4 बार उम्र कैद की सजा सुनाई है। वारदात बलौदा थाना क्षेत्र के देवरी गांव की है। जानकारी के मुताबिक, हत्यारे का नाम देशराज कश्यप (49) है। मरने वालों में पत्नी मोंगरा बाई (40) और 3 बेटियां पूजा (16), भाग्य लक्ष्मी (10) और याचना (6) शामिल है। हत्यारा पिछले 10 साल से मानसिक बीमारी का इलाज करवा रहा था। घटना वाले दिन

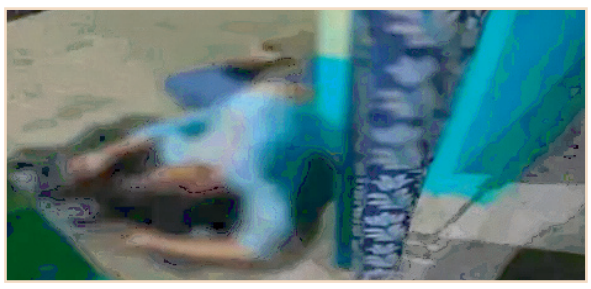

यानी 31 जुलाई 2023 को वह घर लौटा था।दरअसल, 31 जुलाई 2023 की रात खाना खाने के बाद मां और तीनों बेटियां कमरे में सो रही थी। आधीरात में हत्यारा देशराज उठा। घर में रखे फावड़े से पत्नी और तीनों बेटियों पर वार कर दिया, जिससे चारों ने मौके पर दम तोड़ दिया।1 और 2 अगस्त को दिनभर लोगों ने परिवार के किसी भी सदस्य को नहीं देखा। ऐसे में उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। पड़ोसियों ने सरपंच को मामले की जानकारी दी। सरपंच ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घर का दरवाजा खुलवाया। घर के अंदर पत्नी मोंगरा बाई और तीनों बेटियों की लाश लहूलुहान हालत में पड़ी थी। कमरे और घर में खून ही खून फैला हुआ था। एक लाश दरवाजे के पास पड़ी थी। बेटी की लाश जमीन पर थी। पुलिस 2 अगस्त को ही आरोपी को बलौदा बस स्टैंड से गिरफ्तार किया था।

लोक अभियोजक संदीप सिंह बनाफर के अनुसार, जांच में सामने आया था कि हत्या का कारण पत्नी पर चरित्र शंका थी। मामला कोर्ट में चल रहा था। जिला एवं सत्र न्यायाधीश शक्ति सिंह राजपूत ने चारों हत्याओं के लिए अलग-अलग 4 बार आजीवन कारावास और 1-1 हजार जुमार्ना लगाया है।

पिता ने नाच-गाकर पैसा कमाने बेटी को बिहार भेजा

दुर्ग । 6 दिन पहले बिहार के रोहतास जिले में स्थित रेड लाइट एरिया में छापेमारी के दौरान छत्तीसगढ़ की 41 नाबालिग लड़कियां देह व्यापार के धंधे में लिप्त मिलीं। इनमें तीन दुर्ग जिले की हैं। दुर्ग पुलिस की टीम रोहतास जाकर बच्चियों से मिल चुकी है। पूछताछ में बच्चियों ने बताया कि उनके साथ कोई देह व्यापार नहीं कराया जा रहा था। वे नाचने गाने का काम करते हैं। पैसा कमाने के लालच में उनके माता पिता ने बिहार नाचने के लिए भेजा था। पुलिस ने सभी लड़कियों अपने कब्जे में लेकर उन्हें वहां एक NGO के पास रखवाया है। इनके साथ एक नाबालिग लड़का भी है। इन सभी लड़कियों को लेने के लिए छत्तीसगढ़ के अलग-अलग थानों से पुलिस की

टीम गई है।दुर्ग पुलिस की टीम अभी शासापुर पहुंची हैं। कल टीम रोहतास पहुंचेगी। वहां वो लोग रोहतास पुलिस औ महिला बालविकास विभाग की टीम की मदद से तीनों बच्चियों को अपनी सुपुर्दगी में लेकर दुर्ग लाएगी। ऐसा कहा जा रहा है कि टीम बच्चियों को लेकर 13 मार्च की रात तक पहुंच जाएगी। डांस ग्रुप के ठिकानों पर रेड के दौरान मिली बच्चियां 9 मार्च को रोहतास जिले के नटवार थाना पुलिस ने नटवार बाजार में 2 डांसर ग्रुपों के ठिकाने पर छापेमारी की थी। दोनों ठिकानों से छत्तीसगढ़ से आई 41 नाबालिग लड़कियों को बरामद किया गया। इनके साथ चार लड़कों को भी बरामद किया गया। पुलिस ने इस कार्रवाई में पांच लोगों को हिरासत में लेकर मामला दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक रोहतास जिले की बाल कल्याण समिति ने सभी लड़कियों को बरामद किया। समिति ने बताया कि ज्यादातर लड़कियां गरीब परिवारों से हैं। इन लड़कियों के माता-पिता ने 30 से 50 हजार रुपए में अपनी बेटी का सौदा कर दिया था। पहले इन्हें ऑर्केस्ट्रा में डांस करने के लिए लाया गया, फिर जबरन गलत काम करवाया जाने लगा। इससे होने वाली कमाई का कुछ हिस्सा लड़कियों के माता-पिता को भी भेजा जाता था। छत्तीसगढ़ के इन जिलों की लड़कियां हुई बरामद बिहार के रेड लाइट इलाके से रेस्क्यू की गई लड़कियां छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, रायपुर, राजनांदगांव, बिलासपुर, दुर्ग समेत अन्य जिलों की हैं। छत्तीसगढ़ पुलिस की कई टीमें रोहतास भेजी गई हैं।

बारात से लौट रहे ऑर्केस्ट्रा संचालक की पीट-पीट कर हत्या

छपरा। के दाउदपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार रात एक ऑर्केस्ट्रा संचालक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान एकमा थाना क्षेत्र के कोहारगर गांव निवासी शनिदेव राम के रूप में हुई है। शनिदेव अपने भाई ब्रजेश राम के साथ मांझी थाना क्षेत्र के मेहंदीगंज गांव में एक बारात से लौट रहे थे। रास्ते में बदमाशों ने स्कॉर्पियो से उनकी बाइक को टक्कर मार दी। मृतक के भाई ने बताया कि टक्कर के बाद शनि कुमार गिर गए। आरोपियों ने लाठी-डंडे और रॉड से हमला कर उनकी हत्या कर दी। बता दें कि मृतक युवक के

प्राथमिकी संख्या 28/24 एकमा थाना में दर्ज है। झंडा वाले विवाद पर जानकारी देते हुए एकमा थानाध्यक्ष ने बताया कि 20 जनवरी 2024 को कोहरगड दलित बस्ती में राम का धार्मिक झंडा लगाने को लेकर विवाद हुआ था। जिसमें 4 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया था।

पेज एक के शेष

होली और ईद को लेकर शरारती तत्वों पर सख्ती बरतने के दिए निर्देश...

उन्होंने कहा कि जुलूस मार्गों का भौतिक सत्यापन किया जाए और जहां आवश्यक हो, वहां दंडाधिकारियों और सुरक्षाबलों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पर्वों के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह या उत्तेजना फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जाए और उन पर तुरंत कड़ी कार्रवाई की जाए।

आपातकालीन व्यवस्थाएं और सुरक्षा बलों की तैयारी

मुख्यमंत्री ने हेमंत सोरेन ने पर्व-त्योहारों के दौरान आपातकालीन चिकित्सा, सुरक्षा बलों के भोजन, आवासन, पानी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही दंगा रोधी उपकरण, वाहन, वॉटर कैनन, और एंटी रॉयट कंट्रोल ड्रिल की भी तैयारी की जांच करने को कहा। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि संवेदनशील स्थानों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम, रोशनी की व्यवस्था तथा संयुक्त नियंत्रण कक्ष की स्थापना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि क्विक रिस्पॉन्स टीम की तैनाती के साथ हर जिले में पुलिस बल सतर्कता से ड्यूटी करें।

अवैध गतिविधियों पर सख्त निगरानी

मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट कहा कि अवैध शराब, मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए छापामारी अभियान चलाया जाए। साथ ही डीजे या अन्य साउंड सिस्टम से भड़काऊ गानों के प्रसारण पर रोक लगाने के लिए भी सख्त कार्रवाई की जाए।

बैठक में ये रहे मौजूद

इस उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव अलका तिवारी, अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल, पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता, आईजी स्पेशल ब्रांच प्रभात कुमार, आईजी अभियान ए०वी० होमकर, आईजी सीआईडी असीम विक्रांत मिंज और आईजी मुख्यालय मनोज कौशिक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने मुख्यमंत्री को राज्य में अपराध नियंत्रण को लेकर चल रहे अभियानों और तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी।

आगामी पर्व-त्योहारों के मद्देनजर मुख्यमंत्री हेमंत ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश

1. आगामी पर्व-त्योहार (होली, ईद, रामनवमी, सरहुल) के मद्देनजर अपेक्षित निरोधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।
2. विधि-व्यवस्था संधारण हेतु दण्डाधिकारी/बलों की उपलब्धता और प्रतिनियुक्ति करें।
3. धार्मिक स्थलों के आस-पास की सुरक्षात्मक कार्रवाई और सीसीटीवी का अधिष्ठापन तथा इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की व्यवस्था की जाए।
4. जुलूस मार्गों का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें।
5. जुलूस मार्गों में पड़ने वाले संवेदनशील स्थानों और अन्य संवेदनशील स्थानों में दण्डाधिकारी/बलों की प्रतिनियुक्ति तथा विडियोग्राफी/ड्रोन द्वारा एरियल सर्विलांस की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।
6. जुलूस के साथ दण्डाधिकारी/बलों की प्रतिनियुक्ति और दफ्फर इत्यादि की व्यवस्था की जाए।
7. जुलूस मार्गों में लगातार प्रकाश/पब्लिक संबोधन सिस्टम की व्यवस्था की जाए।
8. संयुक्त नियंत्रण कक्ष तथा आपातकालीन योजना सुनिश्चित की जाए।
9. जिला स्तरीय थाना द्वारा स्तरीय शांति समिति की बैठक की जाए।
10. जिलों में दंगा रोधी सुरक्षा उपकरणों, दंगा रोधी वाहन, वॉटर कैनन की उपलब्धता का सत्यापन और एंटी रॉयट कन्ट्रोल ड्रिल की व्यवस्था की जाए।
14. अवैध मादक पदार्थों/शराब के खिलाफ छापामारी की जाए।
15. डीजे/अन्य साउण्ड सिस्टम द्वारा उत्तेजक भड़काऊ गानों के प्रसारण पर रोक के लिए अपेक्षित कार्रवाई की जाए।
16. सुरक्षा बलों के लिए भोजन/आवासन/पानी आदि की व्यवस्था की जाए।
17. पर्व-त्योहार के दौरान आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था की उपलब्धता रहे।

मुख्यमंत्री ने अमन साहू एनकाउंटर मामले पर मांगी रिपोर्ट...

अमन साहू एनकाउंटर मामले पर जांच जारी

जब पत्रकारों ने उनसे अमन साहू एनकाउंटर मामले पर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच चल रही है। एटीएस को जांच के लिए भेज दिया गया है। जब पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट आ जाएगी तब ही हमलोग यह बता पाएंगे कि कहां और कैसे क्या हुआ। मंगलवार को गैंगस्टर अमन साहू को एटीएस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया था। उन्हें रायपुर से रांची पूछताछ के लिए लाया जा रहा था। उसी वक्त उन्होंने वाहन में सवार हवालदार का राइफल छिनकर भागने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में उसे मार गिराया।

झारखंड को मिले 162 नये डॉक्टर, मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने सौंपा नियुक्ति पत्र...

हर पंचायत में हेल्थ कॉटेज बनाने की व्यवस्था होगी। एआई टेक्नोलॉजी से इलाज की व्यवस्था होगी। जल्द ही रोबोटिक टेक्नोलॉजी से इलाज शुरू हो जायेगा। 108 एंबुलेंस का विस्तार होगा। रिमोट एरिया में बाइक एंबुलेंस की व्यवस्था होगी।

एयर एंबुलेंस का लाभ ले रहे हैं लोग- इरफान अंसारी

इरफान अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रयास से झारखंड के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में एयर एंबुलेंस सेवा की शुरूआत की गयी। इस सुविधा का लाभ लोगों को मिल रहा है। गंभीर रूप से बीमार मरीजों की जान बचाने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि इसी तर्ज पर हर जिले में हेलीकॉप्टर एंबुलेंस सेवा देने पर विचार हो रहा है।

सीएसआर फंड से स्वास्थ्य क्षेत्र में काम करें कंपनियां

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि झारखंड की बड़ी कंपनियों को सीएसआर फंड से स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने का निर्देश दिया जा रहा है। प्राइवेट हॉस्पिटल्स को मरीजों की मौत पर उनका बकाया बिल माफ करने का भी निर्देश दिया गया है, ताकि मरीज के परिजनों को दुख की घड़ी में परेशान न होना पड़े। उन्होंने कहा कि इस निर्देश का सख्ती से पालन करना होगा।

मरीजों का बेहतर तरीके से करें इलाज- अजय कुमार

स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार ने नवनियुक्त चिकित्सकों को बधाई दी। कहा, ह्यअब आपलोग जीवन के दूसरे पड़ाव में कदम रख रहे हैं। पढ़ाई खत्म करके प्रोफेशनल बनने जा रहे हैं। डॉक्टर होने के नाते आपकी भूमिका महत्वपूर्ण है। लोग आपकी तरफ आशा भरी निगाहों से देखेंगे। आपके पास जो भी मरीज इलाज कराने आयें, आप उनको बेहतर ट्रीटमेंट दें, ताकि वे स्वस्थ होकर घर जायें।

होलिका दहन आज, 15 मार्च को मनेगी होली...

धुरड्डी (छरेन्डी) जिसे शुद्ध रूप से होलिका विभूति धारण कहा जाता है, वह शनिवार को मनाना ही धर्मसम्मत है। 16 मार्च को द्वितीया तिथि सूर्योदय से सायंकाल पांच बजे तक रहेगी इसलिए भाई दूज का पर्व 16 मार्च रविवार को मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 14 मार्च को होली के दिन चंद्र ग्रहण लगेगा। इस ग्रहण का प्रभाव भारत में नहीं होने की वजह से यहां पर ग्रहण का सूतक काल मान्य नहीं होगा। यह ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा। इसलिए यहां ग्रहण को लेकर नियम नहीं मान्य होगा।

अमन साहू गिरोह के तीन अपराधी हथियार के साथ गिरफ्तार...

इस दौरान अमन साहू मारा गया। एफआईआर के अनुसार, एटीएस को 38 राउंड गोलियां चलानी पड़ीं। इस दौरान उनका एक जवान भी घायल हो गया।

अमन साहू को होटवार जेल शिफ्ट करने का मिला था आदेश

एटीएस इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने एफआईआर में बताया कि अभियुक्त अमन साहू को होटवार जेल शिफ्ट करने का आदेश मिला था। इसी क्रम में 9 मार्च को सुबह 11:00 बजे एटीएस की टीम रांची के धुर्वा कैंप से रायपुर के लिए रवाना हुई। 10 मार्च को रात 8:30 बजे रायपुर सेंट्रल जेल से अमन साहू को एटीएस को सौंपा गया। अमन साहू को स्कॉर्पियो गाड़ी में बैठाया गया था और दो गाड़ियां आगे-पीछे स्कॉट कर रही थीं। पूरी टीम रायपुर, अंबिकापुर, रामानुजगंज और रमकंडा होते हुए रांची आ रही थी। जब 11 मार्च को एटीएस की टीम पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के अंधारी ढोढा के पास पहुंची, तो 6-7 अज्ञात अपराधियों ने पूर्व दिशा की तरफ से उनकी गाड़ी पर बम से हमला किया। इस दौरान अपराधियों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी भी की। हमलावरों का इरादा हथियार छीनने और सभी की जान लेने का था। इस बीच जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई में फायरिंग की।

अब मयंक और राहुल संभालेगा गिरोह...

दो दिन पहले हुए एनकाउंटर के बाद से अमन सिंह का शव मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में रखा है। अभी तक पलामू से उनके परिवार का कोई भी सदस्य शव लेने नहीं पहुंचा है।

संथाल परगना को अलग राज्य बनाएं : निशिकांत दुबे....

हालांकि, चुनावों में इस मुद्दे का ज्यादा फायदा नहीं मिला। अब निशिकांत दुबे एक बार फिर से अवैध बांग्लादेशियों का मुद्दा संसद में उठा रहे हैं, जिसमें भाजपा सांसद निशिकांत दुबे झारखंड को अलग राज्य बनाने की मांग भी कर रहे हैं।

विधायक ने ससुर के नाम पर आयोजित कार्यक्रम के लिए डीसी से 20.75 लाख मांगे...

बोकारो डीसी को लिखा गया पत्र

संस्था का आइडेंटिफिकेशन नंबर (उक्ठ) व85420खल2023ठढछ021086 है। संस्था के काम के दायरे के रूप में स्पोर्ट्स और शिक्षा के क्षेत्र का उल्लेख किया गया है। संस्था के पता के रूप में मकान नंबर-2, वास्तु विहार फेज-5, माराफारी कॉलोनी, बोकारो, चास दर्ज है। इस कंपनी के दो निदेशक हैं। इनके नाम विभा कुमारी और अनिल कुमार है। संस्था का ऑथोराइज्ड कैपिटल 2000 रुपये है।

पुलिस ने कहा कि एक व्यक्ति को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान संदीप देसवाल के रूप में हुई है, जो सेनापति जिले के सेनापति-पीएस के अंतर्गत एनएच-2 के टी. खुल्लेन में 17.34 किलोग्राम अफीम ले जा रहा था। सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के लामसांग-पीएस के अंतर्गत तेरा उराक स्थित केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक फार्म हाउस/अस्थायी शिविर से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के सात सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। मणिपुर पुलिस ने बिष्णुपुर जिले से पीआरईपीएके के एक कैडर को गिरफ्तार किया। एक अन्य घटना में सुरक्षा बलों ने केसीपी (ताइबंगनबा) समूह के एक कैडर को गिरफ्तार किया।

तेजस से 'अस्त्र' मिसाइल का सफल परीक्षण...

यह 100 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर स्थित लक्ष्यों को निशाना बनाने में सक्षम है।

क्या खास है अस्त्र मिसाइल में ?

लंबी रेंजः अस्त्र मिसाइल 100 किमी से ज्यादा दूरी पर मौजूद टारगेट को निशाना बना सकती है।

एडवांस्ड गाइडेंसः इसमें लगे एडवांस्ड गाइडेंस और नेविगेशन सिस्टम इसे बेहद सटीक बनाते हैं।

भारतीय वायुसेना में पहले से हो चुकी है शामिल

अस्त्र पहले से ही भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल है। लेकिन अब यह तेजस टड1अ वेरिएंट के लिए भी पूरी तरह तैयार हो गई है। इस सफल परीक्षण के बाद तेजस की मारक क्षमता और बढ़ जाएगी, जिससे भारत की वायु शक्ति को नया बल मिलेगा।

तेजस की बढ़ेगी ताकत

अस्त्र मिसाइल पहले ही भारतीय वायुसेना में शामिल की जा चुकी है। यह सफल टेस्ट छउअ अऋटड1अ वेरिएंट के इंडक्शन की दिशा में एक बड़ा कदम है। तेजस लड़ाकू विमानों में इस मिसाइल के इंटीग्रेशन से भारत की एयर कॉम्बैट क्षमता और मजबूत होगी।

संक्षिप्त डायरी

असली होली नवंबर में होगी, जब फिर एनडीए सरकार आएगी

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पार्टी कार्यालय में बुधवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय मंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि इस बार होली के रंग बिहार में नया इतिहास लिखने जा रहे हैं। यह तो खुशियों के रंगों की बस शुरूआत भर है, असली होली तो नवंबर के महीने में होगी, जब बिहार में एक बार फिर से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार बनेगी। इस मौके पर पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और समर्थक भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक अंदाज में रंग-गुलाल उड़ाए गए और एक-दूसरे को होली की बधाइयां दी गईं। पूरे माहौल में उत्साह और उल्लास देखने को मिला। होली मिलन समारोह में पार्टी कार्यकताओं और नेताओं का भारी उत्साह देखने को मिला। हर कोई एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दे रहा था। मंच पर चिराग पासवान के आते ही कार्यकताओं ने जोरदार नारेबाजी की और पूरे माहौल को जोशीला बना दिया। चिराग पासवान ने सभी बिहारवासियों को होली की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह त्योहार आपसी भाईचारे और प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने बिहार की जनता से अपील की कि वे मिल-जुलकर इस पर्व को मनाएं और प्रदेश की तरक्की के लिए एकजुट रहें।

जमीन के लिए दामाद ने ससुराल में चलाई गोली, गिरफ्तार

पटना। में एक दामाद ने अपनी ससुराल में जमीन हथियाने के लिए फायरिंग कर दी। घटना मंगलवार देर रात ही है। इसका सीसीटीवी बुधवार को सामने आया है। फुटेज में आरोपी को कमर से पिस्टल निकालकर फायरिंग करते हुए दिख रहा है। वहीं, पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी दामाद को गिरफ्तार कर लिया है। सास शकुंतला देवी ने बताया कि आरोपी दामाद रात में घर आया और दरवाजा खटखटाने लगा। जब दरवाजा नहीं खोला गया तो उसने फायरिंग कर दी। उन्होंने कहा कि आरोपी अकबरपुर नया टोला स्थित उनके घर को अपने नाम करवाने का दबाव बनाता है। वह पहले भी कई बार मारपीट कर चुका है।आरोपी की पत्नी प्राइमरी स्कूल में शिक्षिका है। उन्होंने बताया कि उन्हें और उनकी मां को जान से मारने की नीयत से गोली चलाई गई। उन्होंने कहा कि पति अक्सर जान से मारने की धमकी देता है। इस घटना के बाद पूरा परिवार दहशत में है। पहले भी आरोपी ने सास का गला दबाने का प्रयास किया था। पड़ोसी सौरव कुमार ने बताया कि यह पहली बार नहीं है। इससे पहले भी आरोपी ईंट-पत्थर से घर पर हमला कर चुका है। बाढ़ थाना अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने कहा कि आरोपी की पहचान कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार एएसपी राकेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज की जांच की। इसके बाद आरोपी की पहचान कर छापेमारी की गई। फायरिंग करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। जांच में पता चला कि दोनों साढ़ू हैं। आपस में इनका पारिवारिक विवाद चल रहा है, जिसके कारण इस घटना को अंजाम दिया गया है।

दरभंगा में वर्दी में शराब पीते चौकीदार का वीडियो वायरल

दरभंगा। जिले के बहेड़ी थाना के एक चौकीदार का वर्दी में शराब पीते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में चौकीदार विजय पासवान झोपड़ी में बैठकर शराब पीते नजर आ रहा है। थानाध्यक्ष वरुण कुमार गोस्वामी ने बताया कि बहेड़ी थाना के दो चौकीदारों का शराब पीते वीडियो सामने आया है, जिसकी जांच की जा रही है। उन्होंने पुष्टि की कि वीडियो में दिख रहा व्यक्ति विजय पासवान है, लेकिन दूसरे व्यक्ति की पहचान की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वायरल हुए वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि वर्दी में चखना के साथ चौकीदार एक झोपड़ी में शराब पी रहा है। उसे साथ देने में कई और लोग है। वीडियो में कहा जा रहा है कि एक दूसरा चौकीदार भी है।शराबबंदी कानून लागू होने के बाद चौकीदारों को भी इसकी निगरानी की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन इस घटना ने कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ चौकीदारों की मिलीभगत से शराब तस्करी को बढ़ावा मिल रहा है।

'नमाज का समय नहीं बदल सकता, होली रोकी जाए

दरभंगा। की मेयर अंजुम आरा ने जिला प्रशासन से शुक्रवार को जुम्मे की नमाज को देखते हुए होली खेलने पर रोक लगाने की अपील की है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि जुम्मे की नमाज का टाइम आगे जा नहीं सकता है, इसलिए होली पर डेढ़ घंटे का ब्रेक होना चाहिए। मेयर ने ये भी कहा, 'डेढ़ घंटा मस्जिद और नमाज पढ़ने की जगहों से होली खेलने वाले दूरी बना कर रखें।' दरअसल, दरभंगा में जिला प्रशासन की ओर से मंगलवार को होली को देखते हुए शांति समिति की बैठक बुलाई गई थी। बैठक के बाद मेयर ने कहा, 'मैं लोगों से और जिला प्रशासन से अपील करती हूं कि शुक्रवार को दोपहर 12:30 से 2 बजे तक होली को रोका जाए।मेयर का बयान ऐसे समय में आया जब बीजेपी विधायक हरिभूषण बचौल ने दो दिन पहले होली में मुसलमानों को घर से बाहर न निकलने की नसीहत दी थी। बता दें कि अंजुम आरा 2023 में जेडीयू में शामिल हुई थीं। उनके इस बयान के बाद अब पार्टी के नेता ही उनपर निशाना साधा रहे हैं। जदयू नेता और मंत्री अशोक चौधरी ने कहा, 'दरभंगा मेयर को पार्टी से निकाल देना चाहिए। ऐसे बयान बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।' वहीं, मंत्री श्रवण कुमार ने मेयर को ऐसे बयान न देने की नसीहत दी है। मेयर ने कहा, 'त्योहारों पर कोई झगड़ा नहीं चाहता, लेकिन कुछ असामाजिक तत्व माहौल बिगाड़ने की कोशिश करते हैं। पहले भी कई बार होली और रमजान एक ही दिन पड़े हैं। तब भी दोनों त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाए गए थे।'

Page - 09_Page - 09.qxd 13-03-2025 04:12 Page 1

होली से पहले मुजफ्फरपुर जिले में थाने से गायब हो गई जब्त शराब

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। मुजफ्फरपुर जिले में होली से पहले बड़ा कांड हो गया। बेला थाना में जब्त शराब को गायब करने का मामला सामने आया है। मामले में थाने के निजी मुंशी सहित दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है। जांच में थानाध्यक्ष की लापरवाही सामने आने पर उन्हें निलंबित कर दिया है। वहीं अन्य पदाधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। बता दें कि बेला थाना परिसर में शराब विनिष्टीकरण के दौरान करीब एक दर्जन से अधिक कार्टन शराब गायब कर दी गई। शराब गायब करने के खेल में शामिल थाने के निजी मुंशी सुजीत और इलाके के मो. शहादत को गिरफ्तार किया था। शराब लदी एक कार भी जब्त की गई। गिरफ्तार मो. शहादत थाने के शांति समिति सदस्य बताया गया है। उसके एक राजनीतिक दल से भी जुड़े होने की चर्चा है। विदित हो कि हाल ही में बेला थाना क्षेत्र से भारी मात्रा में शराब जब्त की गई थी। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर बेला थाना परिसर में जब्त शराब को विनिष्ट किया जा रहा था। इसी दौरान वहां से शराब के कई कार्टन मजदूरों से गायब करा दिया गया।

दिल्ली पुलिस ने दो दिन में 30 अवैध घुसपैठियों को पकड़कर डिटेंशन सेंटर भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ पुलिस ने पिछले दो दिनों में 30 से ज्यादा अवैध घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है। दक्षिणी दिल्ली से 10 से ज्यादा बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए हैं। पुलिस ने बाहरी जिले में अवैध रूप से रह रहे तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर डिपोर्ट के लिए भेज दिया है। पकड़े गए इन लोगों की पहचान कुरीग्राम निवासी सफरुद्दीन, इब्राहिम और सोराब के रूप में हुई है। उत्तरी जिला पुलिस ने सदर बाजार इलाके में रहने वाले एक बांग्लादेशी और उसके बेटे को भी गिरफ्तार किया है। उनके पास वोटर कार्ड भी मिला है। इनकी पहचान मोहम्मद बिलाल और बेटे फारूक के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तार बांग्लादेशियों को डिपोर्ट के लिए डिटेंशन सेंटर भेज दिया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि जिले की फॉरेन सेल लगातार दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए सत्यापन अभियान चला रही है। इसके तहत 10 मार्च को फॉरेन सेल को कुछ संदिग्धों के पीरागढ़ी इलाके में घूमने की सूचना मिली थी। पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ा दी। पुलिस को तीन व्यक्ति पीरागढ़ी कैंप की तरफ जाते दिखाई दिए। तीनों बंगाली में बात कर रहे थे। पुलिसकर्मियों ने तीनों को हिरासत में ले लिया। पहले तो संदिग्धों ने बताया कि वे पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर तीनों ने खुद को बांग्लादेशी नागरिक बताया। तीनों ने अपना नाम सफरुद्दीन, इब्राहिम और सोराब बताया। पकड़े गए लोगों ने बताया कि वह सत्यापन के चलते इस इलाके में छिपने के लिए झुग्गी-झोपड़ी की तलाश कर रहे थे। पुलिस ने तीनों को डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

लखनऊ के एक होटल के कमरे में मृत मिली उज़्बेकिस्तान की महिला

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित एक होटल के कमरे में 43 वर्षीय एक विदेशी महिला का शव बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि उज्बेकिस्तान की महिला एगंबरडीवा ज़ेबो पिछले दो मार्च को सतनाम नामक युवक के साथ आई और होटल में ठहरी थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सतनाम बाद में वापस चला गया और उसके बाद महिला ही होटल में रुकी थी। पुलिस ने बताया कि आपातकालीन हेल्पलाइन 112 पर एक कॉल प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि विजयंतखंड में होटल अतिथि इन के कमरा 109 में एक महिला बेहोश पड़ी है। सूचना मिलने पर, पुलिस की एक टीम होटल पहुंची और अचेत महिला को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। शुरुवाती जांच में सामने आया है कि ज़ेबो दो मार्च को दिल्ली के सतनाम सिंह (26) नामक एक व्यक्ति के साथ होटल में रुकी थी। सतनाम कथित तौर पर पांच मार्च को होटल से चला गया और इसके बाद महिला कमरे में अकेली ही रह रही थी। विदेशी महिला ने जब कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, तब होटल के कर्मचारी उसके कमरे में घुसे और महिला को बिस्तर पर बेहोश पाया।

इंदौर में एचपीसीएल प्लांट को बम से उड़ाने की धमकी, आतंकी अफजल का ईमेल में जिक्र

इंदौर। इंदौर के मांगलिया स्थित एचपीसीएल प्लांट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बुधवार को ईमेल मिलने के बाद प्रशासन अलर्ट मोड पर है और मामले की जांच शुरू कर दी है। एसडीएम घनश्याम धनगर के साथ बम स्क्वाड की टीम भी मौके पर पहुंच गई है और पड़ताल शुरू कर दी है। एचपीसीएल को बम से उड़ाने की धमकी में आतंकी अफजल के नाम का जिक्र है।

एसडीएम धनगर ने बताया कि मांगलिया इलाके स्थित एचपीसीएल प्लांट को बुधवार सुबह 10.26 बजे एक इमेल पहुंचा। इतना ही नहीं मेल में चौंकाने वाली बात यह है कि इसकी सीसी यानी पाकिस्तान की इस्लामाबाद पुलिस को भेजा गया है।यह इमेल आते ही प्रशासन अलर्ट हो गया और प्लांट पर बाहरी व्यक्तियों के आने-जाने पर प्रतिबंध लगा दिया। पुलिस फोर्स मेन गेट सहित प्लांट के अंदर तैनात कर दिया गया है। प्लांट के हर हिस्से की बारीकी से जांच की जा रही है।

ईमेल में लिखा है कि इस पवित्र दिन पर इंदौर में एचपीसीएल प्लांट एक महत्वपूर्ण घटना का गवाह बनेगा- एक गंभीर पाइप ब्लास्ट घटना। यह कार्य अफजल गुरु की अन्यायपूर्ण फांसी की याद में किया जाता है, इतिहास का एक ऐसा क्षण जो कई लोगों के दिलों पर भारी पड़ता है। हम अपने सर्वशक्तिमान के नाम पर एक बचाव अभियान चलाने का साहस करते हैं।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बदलाव की आहट के बीच बैज और मरकाम ने की शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बड़े बदलाव की आहट है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम के दो दिनों के दिल्ली प्रवास में शीर्ष नेताओं से भेंट मुलाकात यूँ ही अचानक इत्तफ़ाक़ नहीं। बात, मुलाकात की भनक किसी को न लगे इसके लिए दीपक बैज ने कमरा तो बुक कराया छत्तीसगढ़ भवन में, लेकिन ठौर बनाया कहीं और। उन्हें संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल ने बुलाया था। वेणुगोपाल और प्रभारी सचिन पायलट से लंबी लंबी मुलाकात के बाद पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनकी मीटिंग हुई। जाहिर है जब मीटिंग वन टू वन अकेले में हो तो खबरें छन कर ही आती हैं। औपचारिक रूप से कोई बात नहीं करता। सीधे सवालों के सीधे जवाब नहीं मिले तो सूत्र एक्टिव हुए। सूत्रों ने तहकीकात कर जानकारी दी कि आलाकमान दीपक बैज को प्रतिष्ठा पूर्ण तरीके से एड्जस्ट कर छत्तीसगढ़ के लिए नये प्रदेश अध्यक्ष को जिम्मेदारी देना चाहता है। जाहिर है पूर्व

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को एआईसीसी का महासचिव बनाने के बाद पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को पीसीसी की जिम्मेदारी देने पर विचार हुआ था। जैसे ही खबर बाहर आई सूत्रों ने बताया की राज्य के पूर्व कैबिनेट मंत्री शिव डहरिया और अमरजीत भगत ने दिल्ली पहुँच कर नेतृत्व के समक्ष इस बात को रखा कि आदिवासी प्रदेश अध्यक्ष को हटा कर राज घराने के टीएस सिंहदेव को कमान सौंपे जाने पर आदिवासी समाज में अच्छा मैसेज नहीं जायेगा। सूत्रों ने बताया कि दीपक बैज को अभी और समय देने के पक्ष में खुद भूपेश बघेल भी हैं। अब गेंद आलाकमान के पाले में है। सूत्रों ने बताया इसी रीति नीति के तहत छत्तीसगढ़ को लेकर सीरियस विमर्श चल रहा है। पार्टी के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दीपक बैज को अगर कंटिन्यू करने पर अंतिम निर्णय होता है तो दो कार्यकारी अध्यक्ष बनाये जाने पर भी विचार चल रहा है। साथ ही सिंहदेव और मरकाम को क्या जिम्मेदारी दी जा सकती है इस पर भी मंथन चल रहा है। ज्यादा उम्मीद है कि मरकाम को एआईसीसी में किसी प्रकोष्ठ की कमान सौंपी जा सकती है। सिंहदेव को पीसीसी की कमान देकर आदिवासी और ओबीसी को कार्यकारी अध्यक्ष बनाये जाने पर भी विचार जारी है। बहरहाल, बात मुलाकात कर दीपक बैज और मोहन मरकाम रायपुर रवाना हो गए हैं।

नीतीश भांग पीकर आते हैं विधानपरिषद में : राबड़ी देवी

पटना। बिहार विधानपरिषद में बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रतिपक्ष की नेता राबड़ी देवी के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। नोकझोंक के बाद अन्य विपक्षी सदस्यों के साथ सदन के मुख्य द्वार पर धरना देने पहुंची पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार भंगेड़ी हैं और भांग पीकर सदन में आते हैं। वहीं, उनके (राबड़ी देवी के) बेटे और बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव कुमार को मानसिक रूप से अस्थिर बताते हुए उनके इस्तीफा मांग रहे हैं। विधानपरिषद में यह समस्या तब शुरू हुई जब राजद की सहयोगी भाकपा (माले) की सदस्य शशि यादव सदन के समक्ष यह कहने के लिए अपनी कुर्सी से खड़ी हुईं कि वह अपने प्रश्न का सरकार द्वारा दिये गए उत्तर से संतुष्ट नहीं हैं। विधानपरिषद के सदस्य कुमार ने अपनी सीट बैठे-बैठे ही यह टिप्पणी की कि ''सरकार बहुत कुछ कर रही है। पिछली सरकारों ने कुछ नहीं किया।'' कुमार के जवाब से असंतुष्ट राबड़ी देवी ने हस्तक्षेप करते हुए उनसे कहा कि आप दावा करते हैं कि आपके कार्यभार संभालने से पहले कोई काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा, ''कृपया उस अवधि के रिकॉर्ड तलब करें। आप बेहतर तौर पर समझ जाएंगे।

संभल में होली और जुमे की नमाज को लेकर कड़े सुरक्षा इंतजाम

संभल (एजेंसी)। होली और जुमे की नमाज को लेकर संभल में सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं। संभल जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) केके विश्नोई ने बताया कि कुल 49 अतिसंवेदनशील स्थलों को चिन्हित कर लिया गया है। इन सभी स्थानों पर सुरक्षा बलों की तैनाती है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि किसी भी प्रकार की जबरदस्ती को बर्दाश्त नहीं होगी। यदि कोई व्यक्ति जबरन किसी को गुलाल लगाता है या किसी के साथ अभद्रता करता है, तब तुरंत पुलिस चौकी में रिपोर्ट करनी चाहिए। पुलिस इसतरह के मामलों में कड़ी कार्रवाई करेगी और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

एसपी विश्नोई ने जनता से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग त्यौहार को आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि होली का उत्सव दोपहर 2.30 बजे तक मनाया जाए और उसके बाद मुस्लिम समुदाय के लोग जुम्मे की नमाज अदा करें। इससे कोई भी धार्मिक आयोजन प्रभावित नहीं होगा और समाज में शांति व सद्भाव बना रहेगा।

एसपी विश्नाई ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन की मदद से भीड़भाड़ वाले इलाकों पर नजर रखी जाएगी। इसके अलावा, प्रमुख चौक-चौराहों और बाजारों में पुलिस बल की उपस्थिति सुनिश्चित की गई है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

एसपी ने जिले के दोनों समुदायों से अपील की कि वे एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। अगर किसी को कोई भी शंका या समस्या होती है, तब वे तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

संभल प्रशासन की ओर से सुनिश्चित किया जा रहा है कि त्यौहारों के दौरान सभी आवश्यक कदम उठाए जाए। फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस, और अन्य आपातकालीन सेवाओं को भी अलर्ट पर रखा गया है ताकि किसी भी स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कर सके। पुलिस अधिकारियों की पेट्रोलिंग लगातार जारी रहेगी और हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। एसपी विश्नोई ने सभी नागरिकों से अनुरोध कर कहा कि वे प्रशासन का सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

वन नेशन वन इलेक्शन कराने को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ हुए पूर्व सीजेआई गोगोई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद एवं पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई वन नेशन वन इलेक्शन कराने के प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के रुख के खिलाफ है। दरअसल, वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर बनाए जाने वाले कानून से पहले जस्टिस गोगोई ने यह राय दी है। इस प्रस्तावित कानून से संबंधित विधेयक संसद की संयुक्त संसदीय समिति के पास है। इसको लेकर हुई संसदीय समिति की बैठक में रंजन गोगोई ने अपनी राय रखी है, जो सरकार के रुख से अलग है।

जस्टिस गोगोई ने कहा कि चुनाव आयोग को किसी राज्य के विधानसभा के कार्यकाल का निर्णय करने के लिए अनियंत्रित शक्तियां नहीं दी जा सकतीं। गोगोई ने संसद की संयुक्त समिति के साथ तीन घंटे की चर्चा में एक साथ चुनावों पर बिल में खामियों की ओर इशारा किया। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनाव आयोग (ईसी) को शेड्यूल तय करने के लिए अनियंत्रित शक्तियां देना उचित नहीं होगा। रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली संसदीय संयुक्त समिति संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 की समीक्षा कर रही है, जिसे 17 दिसंबर, 2024 को लोकसभा में पेश किया गया था। यह विधेयक चुनाव आयोग को लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने का अधिकार देने का प्रयास करता है।

सूत्रों के अनुसार, डीएमके राज्यसभा सदस्य पी। विल्सन ने बताया कि नए बिल की धारा 82ए(5) में कहा गया है कि यदि ईसी की राय है कि किसी विधानसभा के चुनाव लोकसभा के आम चुनाव के साथ नहीं कराए जा सकते, तो वह राष्ट्रपति को सिफारिश कर सकता है कि उस विधानसभा के चुनाव बाद में कराए जाएं। चुनाव आयोग के लिए समय सीमा निर्दिष्ट न करके, क्या यह कानून उसे मनमानी और अनियंत्रित शक्तियां नहीं दे रहा है। जस्टिस गोगोई ने इस तर्क को स्वीकार किया और कहा कि यह उचित नहीं होगा और इस धारा को संशोधित करने की आवश्यकता है ताकि खामियों को दूर किया जा सके और यह कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। उन्होंने कहा कि ईसी को राज्य विधानसभा के कार्यकाल को बढ़ाने या घटाने के लिए अनियंत्रित शक्तियां नहीं दी जा सकतीं। चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने 1991 के आम चुनावों का उदाहरण भी दिया, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने पंजाब में कानून और व्यवस्था की स्थिति का हवाला देते हुए राज्य में आम चुनाव रोक दिए

थे। पंजाब की लोकसभा सीटों के चुनाव 1992 में विधानसभा चुनाव के साथ हुए थे। चुनाव आयोग के पास केंद्र सरकार के विपरीत ऐसे निर्णय लेने के लिए मशीनरी नहीं है। पिछली बैठक में भारत के पूर्व मुख्य जस्टिस यूयू ललित ने भी बिल में कई खामियों की ओर इशारा किया था और कहा था कि यह कानूनी चुनौती का सामना नहीं कर सकता।

अमेरिकी उप राष्ट्रपति वेंस और खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड आएंगे भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई अमेरिकी सरकार के दो बड़े अधिकारी भारत की यात्रा पर आने वाले हैं। अगले हफ्ते अमेरिकी खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड भारत आएंगी। इसके बाद मार्च के आखिरी सप्ताह में उप राष्ट्रपति जेडी वेंस पत्नी उषा वेंस के संग भारत आएंगे। अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड एशिया की यात्रा पर जा रही हैं। अगले सप्ताह भारत में एक सुरक्षा सम्मेलन में वह शामिल होंगी। सोमवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में गबार्ड ने घोषणा की कि वह जापान, थाईलैंड और भारत की यात्रा कर रही हैं और वापस अमेरिका लौटते समय फ्रांस जाएंगी। ट्रंप प्रशासन में शामिल होने के बाद यह उनकी दूसरी यात्रा है।

नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर बनने के बाद उन्होंने जर्मनी के म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लिया था। नई दिल्ली में रायसीना डायलॉग में तुलसी का भाषण भी होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जोनाथन पॉवेल और कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा सीएसआईएस के डायरेक्टर डेनियल रॉर्स के भी सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लेने की उम्मीद है। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय ने 2022 से भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र पर देश के प्रमुख सम्मेलन रायसीना डायलॉग के मौके पर सुरक्षा सम्मेलन की मेजबानी की है। उनके अलावा अमेरिका में ट्रंप के नंबर दो यानी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी इसी महीने के अंत में भारत की यात्रा करेंगे। अमेरिका का उपराष्ट्रपति बनने के बाद जेडी वेंस की यह दूसरी विदेश यात्रा होगी। पोलिटिको की एक रिपोर्ट के मुताबिक जेडी वेंस के साथ उनकी पत्नी उषा वेंस भी होंगी। वेंस ने पिछले महीने फ्रांस और जर्मनी की अपनी पहली विदेश यात्रा की थी। अपनी पहली विदेश यात्रा के दौरान जर्मनी के म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में एक उग्र भाषण दिया था, जहां उन्होंने अवैध प्रवासन से निपटने, धार्मिक स्वतंत्रता की अनदेखी करने और चुनावों को पलटने के लिए यूरोपीय सरकारों की आलोचना की।

शुभेंदु के बयान पर ममता का पलटवार, मैं एक हिंदू हूं और मुझे भाजपा से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी की टिप्पणी की आलोचना की। सीएम ममता ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह रमजान के पवित्र महीने में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा हैं ताकि आर्थिक और व्यापारिक मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। विधानसभा में सीएम बनर्जी ने कहा, लोकतंत्र स्थायी है, लेकिन कुर्सी नहीं। कुर्सी का सम्मान करें। वे सांप्रदायिक बयान देकर देश का ध्यान आर्थिक और व्यापारिक पतन से भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं एक हिंदू हूं और मुझे भाजपा से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है।

बीजेपी नेता अधिकारी के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कहा, हमें संकल्प लेना चाहिए और एक धर्म को नीचा दिखाने वाले बयान की निंदा करनी चाहिए। ममता ने कहा, हिंदुओं की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है, सिर्फ आपकी नहीं। यह इस कुर्सी की जिम्मेदारी है। यह टिप्पणी राज्य में चल रहे राजनीतिक तनाव के बीच आई है, जिसमें भाजपा

और टीएमसी धार्मिक और शासन के मुद्दों पर तीखी नोकझोंक कर रहे हैं। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा था, सबसे पहले मैं बिमान बंधोपाध्याय (स्पीकर) को हराऊंगा, फिर ममता को। इसके बाद, जब बंगाल में भाजपा सरकार आएगी तब टीएमसी के उन मुस्लिम विधायकों को सड़क पर फेंक दिया जाएगा।'

ममता सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए बीजेपी अधिकारी ने कहा, ममता ने समाज को बांट दिया है... राम मंदिर उद्घाटन के दिन ममता ने बंगाल में मार्च निकाला... टीएमसी हिंदू विरोधी सरकार है। हिंदू हितों के लिए जो भी जरूरी होगा, मैं करूंगा। ममता हटाओ... चोर ममता हटाओ! इससे पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के हर जिले में मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए एक समिति बनाई थी।

फसल पर फिर मंडराया संकट, कई राज्यों में बारिश के अलर्ट ने किसानों की बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल पर तक कठिन परिश्रम करने के बाद तैयार हुई फसल पर संकट के बादल घिरते नजर आ रहे हैं। इसी बीच मौसम ने ऐसी करवट बदली है, जिसने किसानों की टेंशन बढ़ा दी है। मौसम विभाग के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का छोटा स्पेल इस वक्त उत्तर भारत में सक्रिय हो चुका है। पंजाब-हरियाणा सहित राजस्थान-यूपी में गुरुवार से बारिश का दौर शुरू होने वाला है। बारिश के साथ ओले पड़ने की भी आशंका जताई जा रही है, जिसे लेकर किसान चिंतित हैं। बताया गया कि 13 से 15 मार्च तक मौजूदा वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का यह स्पेल सक्रिय रहेगा। इसके कारण पहाड़ी क्षेत्र जैसे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी हो सकती है। उधर, पाकिस्तान के अलावा उत्तर पश्चिमी राजस्थान सहित पंजाब, दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा व उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों

में में चक्रवाती परिसंचरण के कारण बारिश हो सकती है। दावा किया जा रहा है कि कुछ स्थानों पर बारिश के साथ-साथ ओले भी पड़ने की संभावना है। पिछले साल भी इस मौसम में देश के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि के कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ा था। कहा गया कि एक और इस बारिश और ओलावृष्टि से हिमालयी राज्यों में बर्फबारी की कमी दूर होगी। वहीं दूसरी ओर उत्तर भारत के किसान आसमान से आ रही आफत को देखते हुए सावधान रहने की जरूरत है। फसल कटने के वक्त से ठीक पहले तेज बारिश और ओले पड़ने के कारण गेहूं की फसल पर इसका भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। किसानों को उम्मीद है कि इस साल अच्छी फसल होगी। लेकिन कटाई के वक्त मौसम में यह बदलाव देश के अन्नदाताओं पर कहर ढहा सकता है। स्काईमेट वेदर की रिपोर्ट के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ भूमध्यसागर से उठने वाले तूफान हैं, जो सर्दियों में पश्चिमी हिमालय में बारिश और बर्फबारी का कारण बनते हैं। मार्च आते-आते इनकी सक्रियता अमूमन कम होने लगती है लेकिन इस बार मौसम का मिजाज कुछ अलग है।

भारत के बड़े मंदिर करते हैं जमकर कमाई, सरकार को देते हैं भारी भरकम टैक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में लाखों मंदिर हैं और इनसे होने वाले करोड़ों की कमाई और उस पर टैक्स को लेकर इन दिनों एक बहस छिड़ी हुई है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि बीजेपी सरकार मंदिरों को जीएसटी बकाया का नोटिस भेज रही है। उधर, बीजेपी ने इस मामले में कांग्रेस पर हमला बोला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक विश्लेषण के बाद पता चला है कि भारत का सबसे अमीर मंदिर ट्रस्ट तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम है, जो वित्त वर्ष 2025 में अपनी 4,774 करोड़ रुपए की वार्षिक आय पर 1.5 फीसदी से कम जीएसटी का भुगतान करेगा। नवंबर 2024 में, देश के सबसे धनी मंदिरों में से एक तिरुवनंतपुरम के श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर को बकाया टैक्स भुगतान के लिए नोटिस भेजा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक साल साल की अवधि के लिए मांग केवल 1.57 करोड़ रुपए की थी, जबकि मंदिर ने अकेले 2014 में 700 करोड़ रुपए कमाए थे।

वहीं वैष्णो देवी मंदिर ने वित्त वर्ष 2024 में 683 करोड़ रुपए कमाए, जिसमें से 255 करोड़ रुपए चढ़ावे से आए, जो टैक्स-फ्री हैं और 133.3 करोड़ रुपए ब्याज से आए। टीटीडी के मामले में 4,800 करोड़ रुपए की कमाई में से एक तिहाई से ज्यादा हुंडी संग्रह से आए हैं। इस मामले में जीएसटी के तहत टैक्स लायबिलिटी वित्त वर्ष 2021 से पांच सालों में करीब 130 करोड़ रुपए रही है। हालांकि, इस मामले में मंदिरों के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन भारत के दो सबसे बड़े मंदिर ट्रस्टों की आय पिछले सात सालों में दोगुनी हो गई है।

साल दर साल मंदिरों की आय बढ़ रही है जिसमें तिरुपति ट्रस्ट का वित्त वर्ष 2017 में बजट 2,678 करोड़ था, जो इसकी वेबसाइट के मुताबिक वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर 5,145 करोड़ रुपए हो गया। वैष्णो देवी ट्रस्ट की आय वित्त वर्ष 2017 में 380 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 683 करोड़ रुपए हो गई है। संसद में दी गई जानकारी के मुताबिक तिरुपति मंदिर ने वित्त वर्ष 2017 में 14.7 करोड़ रुपए, वित्त वर्ष 2022 में 15.58 करोड़ रुपए, वित्त वर्ष 2023 में 32.15 करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 2024 में 32.95 करोड़ रुपए का जीएसटी भुगतान किया गया।

वहीं प्रसाद और धार्मिक समारोह जीएसटी संग्रह से मुक्त होते हैं। टीटीडी और वैष्णो देवी के मामले में यह आय एक तिहाई से ज्यादा थी। वित्त वर्ष 2024 में वैष्णो देवी मंदिर ट्रस्ट ने अपनी आय का 37 फीसदी दान से अर्जित किया। वहीं, वित्त वर्ष 2025 में टीटीडी को दान से करीब 4,800 करोड़ रुपए अर्जित करने की उम्मीद है। यदि कमरे का शुल्क एक हजार रुपए से ज्यादा है और यदि सामुदायिक हॉल या खुले क्षेत्र का शुल्क 10 हजार रुपए से ज्यादा है, तो परिसर के किराए पर जीएसटी

लगाया जाता है। व्यवसाय के लिए किराए पर दी गई दुकानों और अन्य स्थानों पर भी जीएसटी नहीं लगता है, यदि मासिक किराया 10 हजार रुपए से कम है।

Page - 10_Page - 10.qxd 13-03-2025 04:13 Page 1

संन्यास लेने से पहले रोहित की नजर वनडे विश्व कप खिताब पर होगी : दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी रिकी पोंटिंग का मानना है कि रोहित शर्मा अब भी दमदार खिलाड़ी हैं तथा वह 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले वनडे विश्व कप तक भारतीय टीम का नेतृत्व करना जारी रख सकते हैं। रोहित की कप्तानी में भारत ने वनडे विश्व कप को छोड़कर आईसीसी के बाकी टूर्नामेंट जीते हैं। उनकी अगुवाई में भारतीय टीम 2023 में घरेलू धरती पर खेले गए वनडे विश्व कप को जीतने के करीब पहुंची थी लेकिन फाइनल में उसे आस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था।

पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा कि रोहित अपने भविष्य के लक्ष्यों को लेकर काफी हद तक स्पष्ट हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा, 'जब आप अपने करियर के इस पड़ाव के करीब पहुंचते हैं तो हर कोई आपके संन्यास लेने का इंतजार कर रहा होता है। मैं नहीं जानता कि ऐसा क्यों होता है। वह भी तब जबकि आप अच्छा खेल रहे हो जैसा कि उन्होंने (चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में) अच्छी पारी खेली थी।'

पोंटिंग ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह उन सवालों को हमेशा के लिए खत्म करने की कोशिश कर रहे थे और कह रहे थे, नहीं, मैं अब भी काफी अच्छा खेल रहा हूं। मुझे इस टीम में खेलना पसंद है। मुझे इस टीम का नेतृत्व करना पसंद है।' पोंटिंग ने कहा, 'मेरे लिए इसका मतलब यह है कि उनके मन में 2027 में होने वाले अगले वनडे विश्व कप में खेलना लक्ष्य होना चाहिए।'

रोहित ने 2021 में 34 वर्ष की उम्र में भारतीय टीम की कमान संभाली थी। उनके नेतृत्व में भारत ने रविवार को यहां खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। इससे पहले भारत ने पिछले साल रोहित की कप्तानी में ही वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में 252 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित की 83 गेंद पर खेली गई 76 रन की पारी की मदद से आसन जीत हासिल की।

रोहित ने संवाददाता सम्मेलन में संन्यास लेने की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा था, 'एक और बात, मैं इस प्रारूप से संन्यास नहीं लेने जा रहा हूं, बस यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि कोई और अफवाह न फैले।' पोंटिंग ने कहा कि रोहित के दिमाग में अपने करियर को जारी रखने के पीछे वनडे विश्व कप जीतने की चाहत हो सकती है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उनके दिमाग में यह बात होगी कि भारत उनकी

कप्तानी में पिछले वनडे विश्व कप के फाइनल में हार गया था। वह वनडे विश्व कप जीतने के लिए एक और कोशिश करना चाहते होंगे। जिस तरह से उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में शानदार पारी खेली उससे आप यह नहीं कह सकते हैं कि वह चुक गए हैं।'

150 वीं सालगिरह पर होगा एमसीजी में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का मुकाबला

सिडनी (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने पर आज से ठीक दो साल बाद 11 मार्च 2027 को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में एक महामुकाबला होगा। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमें इस अवसर पर 11 से 15 मार्च 2027 तक एमसीजी में दिन-रात का एक टेस्ट मैच गुलाबी गेंद से खेलेंगी। सीए ने कहा है कि यह ऐतिहासिक मैच एमसीजी में दोनों टीमों के बीच होने वाला पहला दिन-रात का टेस्ट मैच होगा।

इस ऐतिहासिक स्टेडियम में ही साल 1877 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच खेला गया था। इन दोनों टीमों के बीच 1977 में शताब्दी टेस्ट मैच भी एमसीजी पर ही हुआ था। तब ऑस्ट्रेलिया ने इन दोनों मैच में 45 रन से जीत हासिल की थी। सीए के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, ''एमसीजी में टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक बड़े मैच का आयोजन किया जाएगा। इसका आयोजन कृत्रिम रोशनी में होगा जो खेल की समृद्ध विरासत और टेस्ट क्रिकेट के आधुनिक विकास दोनों का जश्न मनाने का एक शानदार तरीका होगा।'' उन्होंने आगे कहा, ''इससे अधिक से अधिक दर्शकों की उपस्थिति तय करने में भी मदद मिलेगी साथ ही इस मैच का आनंद लेना भी एक अच्छा अनुभव होगा।'' ऑस्ट्रेलियाई टीम नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली 2025-26 एशेज सीरीज की मेजबानी करेगी। इसी सीरीज का अंतिम टेस्ट मैच दिन-रात का टेस्ट होगा, जो टेस्ट क्रिकेट की 150वीं सालगिरह पर खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक 13 दिन-रात के टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें से 12 मैचों में उसने जीत हासिल की थी। इनमें से आठ मैचों का आयोजन एडिलेड में किया गया था।

शुभमन गिल फरवरी महीने के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने गए

दुबई (एजेंसी)। भारत के स्टार सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को फरवरी महीने के लिए आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) का महीने का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुना गया। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला के मैचों में बल्ले से यादगार प्रदर्शन करने वाले गिल ने ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स को पछाड़ते हुए बुधवार को यह पुरस्कार जीता।

गिल ने फरवरी में पांच वनडे मैचों में 101.50 की औसत और 94.19 के स्ट्राइक रेट से 406 रन बनाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में दो अर्धशतक और एक शतक जड़कर भारत को 3-0 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने नागपुर में खेले गये पहले एकदिवसीय में 87, कटक में खेले गये दूसरे एकदिवसीय में 60 और फिर अहमदाबाद में खेले गये तीसरे वनडे में 112 रन बनाए।

अहमदाबाद में 102 गेंद की पारी में 14 चौके और तीन छक्के जड़कर वह प्लेयर ऑफ द मैच के साथ श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने में सफल रहे। उन्होंने इस शानदार लय को चैंपियंस ट्रॉफी में भी जारी रखा। दुबई में भारत के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 101 रन की पारी खेलने के बाद उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 46 रन बनाए। भारत यह दोनों मैच आसानी से जीतने में सफल रहा। गिल के लिए यह तीसरा आईसीसी महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का सम्मान है। उन्होंने इससे पहले 2023 में दो बार (जनवरी और सितंबर) में इसे जीता था।

अगर मेरे पास पावर होती तो आईपीएल का यह नियम बदल देता : संजू सैमसन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 सीजन से पहले राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने कहा कि अपने करीबी दोस्त विकेटकीपर-ओपनर जोस बटलर को जाने देना उनके लिए सबसे मुश्किल काम था और अगर उनके पास आईपीएल में कोई नियम बदलने की शक्ति होती तो वह खिलाड़ियों को कभी रिलीज न करने का होता।

राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले सैमसन, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल और शिमरोन हेटमायर को रिटेन किया जिसका मतलब था कि उनके पास बटलर को रिटेन करने के लिए कोई स्लॉट नहीं था, जो अब 22 मार्च से शुरू होने वाले आगामी सीजन में गुजरात टाइटन्स के लिए खेलेंगे।

सैमसन ने कहा, 'आईपीएल आपको एक टीम का नेतृत्व करने और उच्चतम स्तर पर खेलने का अवसर देता है, लेकिन यह आपको घनिष्ठ मित्रता बनाने की भी अनुमति देता है। जोस बटलर मेरे सबसे करीबी दोस्तों में से एक हैं। हमने सात साल तक एक साथ खेला, एक लंबी बल्लेबाजी साझेदारी बनाई। हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह से जानते थे और हमेशा संपर्क में रहते थे। वह मेरे लिए बड़े भाई की तरह थे।'

उन्होंने कहा, 'जब मैं कप्तान बना, तो वह मेरे उप-कप्तान थे और उन्होंने टीम का नेतृत्व करने में मेरी बहुत

बड़ी भूमिका निभाई। उन्हें जाने देना मेरे लिए सबसे चुनौतीपूर्ण चीजों में से एक रहा है। यहां तक कि इंग्लैंड श्रृंखला के दौरान मैंने उन्हें रात के खाने पर बताया कि मैं अभी भी इससे उबर नहीं पाया हूं। अगर मैं आईपीएल में एक चीज बदल सकता, तो मैं खिलाड़ियों को रिलीज करने का नियम बदलूंगा।'

सैमसन ने कहा, 'हालांकि इसके अपने सकारात्मक पहलू हैं, व्यक्तिगत स्तर पर आप वर्षों से बनाए गए कनेक्शन और रिश्ते खो देते हैं। यह मेरे लिए पूरी फ्रैंचाइजी, मालिकों, कोचों और राजस्थान से जुड़े सभी लोगों के लिए कठिन रहा है। जोस हमारे लिए परिवार था।'

साथ ही, सैमसन ने जुरेल, पराग और हेटमायर जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को बनाए रखने के प्रभाव पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'बेशक, यह एक बड़ी भूमिका निभाता है। पहले से ही टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ियों का होना एक बेहतरीन कनेक्शन बनाता है। यह मेरा काम आसान बनाता है क्योंकि हम मैदान पर और बाहर दोनों जगह एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते हैं और इससे टीम के बेहतर समन्वय में मदद मिलती है।'

आईपीए की तैयारियों के लिए कोलकाता पहुंची केकेआर

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम 22 मार्च से शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तैयारियों के लिए कोलकाता पहुंच गयी है। टीम को यहां 12 मार्च से ईडन गार्डन्स में एक अभ्यास सत्र में भाग लेना है। इस कैंप से टीम को तैयारी का अंतिम अवसर मिलेगा। इस प्री-सीजन कैंप में नए कप्तान और मजबूत कोचिंग स्टाफ के नेतृत्व में रणनीति को बेहतर बनाने और टीम के तालमेल को मजबूत करने पर ध्यान दिया जाएगा। इस बार मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित, सहायक कोच ओटिस गिब्सन और टीम मेंटर डवेन ब्रावो के मार्गदर्शन में टीम आईपीएल नये उत्साह से उतरेगी। गत विजेता टीम 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला करेगी। केकेआर ने आईपीएल फाइनल में चार बार भाग लिया है, जिसमें से तीन बार (2012, 2014, 2024) चैंपियनशिप जीती है। वह 2021 सत्र में उपविजेता रही थी। केकेआर ने इस सत्र के जिए जहां अजिंक्य रहाणे को कप्तान बनाया है। वहीं आरसीबी ने रजत पाटीदार को कप्तानी सौंपी है।

आईसीसी रैंकिंग में रोहित तीसरे नंबर पर पहुंचे

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं जबकि भारत के ही शुभमन गिल शीर्ष पर बने हुए हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 76 रन की पारी खेली थी इससे उन्हें दो स्थानों का लाभ मिला है। वहीं टूर्नामेंट में 218 रन बनाने वाले अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पांचवें स्थान पर हैं। वहीं उपन्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को भी रैंकिंग में लाभ मिला है। डेरिल मिशेल एक स्थान के लाभ के साथ ही छठे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि रचिन रविंद्र 14 पायदान की छलांग लागाकर 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ग्लेन फिलिप्स भी छह पायदान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं। कप्तान मिशेल सेंटनर को टूर्नामेंट में नौ विकेट लेने के कारण छह स्थान का लाभ मिला है वह चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह गेंदबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं माइकल ब्रेसवेल 10 पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय स्पिनरों कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा की रैंकिंग भी बेहतर हुई है। किया है। कुलदीप तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि जडेजा पांच विकेट लेने के बाद 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

स्टोक्स को सीमित ओवरों के लिए भी कप्तान बना सकता है ईसीबी

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स को एकदिवसीय और टी20 टीम की कप्तानी भी दे सकता है। चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद जोस बटलर ने इंग्लैंड की टीम की सीमित ओवरों की टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। ऐसे में अब बोर्ड नए विकल्पों पर विचार कर रहा है। वहीं ब्रेंडन मैकुलम टीम के कोच बने रहेंगे। मैकुलम टेस्ट के साथ ही सीमित ओवरों प्रारुप में भी कोच हैं और स्टोक्स से उनका अच्छा समन्वय है। ऐसे में माना जा रहा है कि ये जोड़ी इंग्लैंड क्रिकेट को आगे ले जाने का प्रयास करेगी।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की के अनुसार, स्टोक्स ने संकेत दिया है कि वह इंग्लैंड की सीमित ओवरों के प्रारुप की भी कप्तानी संभाल सकते

हैं। ईसीबी के अधिकारी ने हालांकि कहा कि इस बारे में कोई भी फैसला जल्दबाजी में नहीं लिया जाना चाहिए। पिछले 11 में से 10 मैच हारने के बाद बटलर को कप्तानी छोड़नी पड़ी। ऐसे में माना जा रहा था कि यदि अगली पीढ़ी को कमान मिलती है तो हैरी ब्रूक टीम के उपकप्तान होने के कारण सबसे बड़े दावेदार रहेंगे। रॉब की अभी सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। स्टोक्स ने जो रूट से टेस्ट टीम की कमान संभालने के बाद से ही एक अच्छे कप्तान के तौर पर अपने को साबित किया है पर बढ़ती उम्र और खराब फिटनेस उनका कमजोर पक्ष है। अभी भी वह हैमस्ट्रिंग समस्या से परेशान हैं। कुछ ही समय पहले घुटने की बड़ी सर्जरी भी उनको करानी पड़ी थी। स्टोक्स को लेकर रॉब की ने कहा है कि ये मूर्खतापूर्ण बात होगी अगर हम टेस्ट कप्तान पर विचार नहीं करते। वहीं जब स्टोक्स को लेकर पूछा गया कि इस प्रस्ताव पर उनकी क्या प्रतिक्रिया होगी, तो इस रॉब की ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैंने उनसे इस बारे में बात नहीं की है। मैंने उनसे दूसरे दिन कहा था कि आप व्हाइट-बॉल कप्तानी के लिए विचाराधीन हैं। इस पर उनका रुख संकेतों में सकारात्मक दिखा।

टीम इंडिया का आगे का सत्र है बेहद व्यस्त आईपीएल के बाद इंग्लैंड से खेलेगी टीम

मुम्बई । आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद अब भारतीय टीम का आगे का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। कुछ दिनों के आराम के बाद टीम के अधिकतर खिलाड़ी 22 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल के 18 वें सत्र में खेलते दिखेंगे। वहीं इसके बाद टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इससे 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत होगी। भारतीय टीम इस बार विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में नहीं पहुंच पाई है इसलिए उसका लक्ष्य नये सत्र की अच्छी शुरुआत करना रहेगा। भारत 18 साल के अंतराल के बाद पटौदी ट्रॉफी जीतना भी चाहेगा क्योंकि 2021-22 में वे इसे बहुत कम अंतर से हार गए थे। यह सीरीज रेड-बॉल क्रिकेट में देश के लिए नई शुरुआत भी कर सकती है क्योंकि 2024-25 सीजन में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इसमें एक नया कप्तान टीम की कमान संभाल सकता है। वहीं सफेद गेंद क्रिकेट में ध्यान टी20आई क्रिकेट पर रहेगा क्योंकि 2026 टी20 विश्व कप अगला आईसीसी टूर्नामेंट है। भारत का लक्ष्य इसमें अपने घरेलू मैदान पर अपने खिताब की रक्षा करना होगा। इस प्रतियोगिता की सहमेजबानी श्रीलंका भी करेगा। अगले 12 महीनों में, भारत नौ टेस्ट मैच और 12 वनडे मैच खेलेगा। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम एशिया कप और टी20 विश्व कप के मैचों के अलावा 18 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेलेगी। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर 21 जून से 4 अगस्त 2025 के बीच 5 टेस्ट मैच खेलेगी। अगस्त में ही भारत को बांग्लादेश के दौरे पर 3 वनडे और इतने ही मुकाबलों की टी20 सीरीज खेलनी है। वहीं सितंबर 2025 में एशिया कप का आयोजन किया जाना है। वेस्टइंडीज की टीम 2 टेस्ट मैच खेलने अक्टूबर में भारत दौरा करेगी।

ऋषभ की बहन की शादी में पहुंचे धोनी, रैना सहित कई क्रिकेटर

मसूरी । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की बहन साक्षी पंत की शादी में यहां पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी सहित कई क्रिकेट खिलाड़ी पहुंचे। इस दौरान धोनी और सुरेश रैना ने जमकर डांस किया। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। ऋषभ की बहन की पिछले साल सगाई हुई थी। ऋषभ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे और वह सोमवार को ही भारत पहुंचे थे। इसके बाद वह परिवार के सदस्यों के साथ शादी समारोह में शामिल हुए। वहीं धोनी भी ऋषभ को काफी पसंद करते हैं। इसी कारण वह अपनी पत्नी के साथ मंगलवार को ही देहरादून पहुंचे थे। धोनी इससे पहले जनवरी 2024 में लंदन में हुए सगाई समारोह में भी शामिल हुए थे। इसके अलावा भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और बल्लेबाजी सुपरस्टार विराट कोहली के भी शादी समारोह में शामिल होने की संभावना है। ऋषभ की बहन साक्षी की शादी कारोबारी अंकित चौधरी से हो रही है। शादी समारोह में देहरादून जाने से पहले धोनी ने चेन्नई में सीएसके कैंप में हिस्सा लिया और आईपीएल 2025 के लिए अपनी तैयारियां शुरू कीं। वहीं ऋषभ आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्हें जनवरी में लखनऊ स्थित फ्रेंचाइजी का नया कप्तान बनाया गया था।

शेन बॉन्ड की जसप्रीत बुमराह को चेतावनी, यह करियर खत्म करने वाला हो सकता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज और मुंबई इंडियंस (एमआई) के पूर्व गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने कहा कि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की सर्जरी जिस जगह हुई थी, उसी जगह पर एक और चोट लगने से उनका करियर खत्म हो सकता है और उन्होंने कहा कि भविष्य में वह उन्हें एक बार में दो से ज़्यादा टेस्ट मैच खेलते हुए नहीं देखना चाहेंगे।

बुमराह पीठ के निचले हिस्से में चोट से जूझ रहे हैं, जिसकी वजह से वह रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत के लिए मशहूर अभियान से बाहर हो गए। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली द्वारा 'राष्ट्रीय खजाना' कहे जाने वाले इस गेंदबाज ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के दौरान भारत के लिए अकेले संघर्ष किया, जिसमें उन्होंने पांच मैचों में 32 विकेट लिए, इससे पहले इस साल जनवरी में सिडनी में अंतिम टेस्ट मैच में वह तनाव से संबंधित चोट से पीड़ित हो गए थे। उन्होंने तब से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है और भारत के विजयी ICC चैंपियंस ट्रॉफी अभियान को भी मिस किया है।

बुमराह बेंगलुरु में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैब पूरा कर रहे हैं और 22 मार्च से शुरू होने वाले आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के दौरान मुंबई इंडियंस (MI) के लिए उनकी उपलब्धता पर कोई स्पष्टता नहीं है। बुमराह को पहली बार पीठ में चोट नहीं लगी है, क्योंकि मार्च 2023 में उनकी इसके लिए सर्जरी हुई थी। शेन बॉन्ड ने पहले MI के साथ गेंदबाजी कोच के रूप में काम किया था और वर्तमान में राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी कोच हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह के कार्यभार को एक और चोट से बचने के लिए सावधानीपूर्वक प्रबंधन की आवश्यकता है।

बुमराह के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'जब वह स्कैन के लिए सिडनी गए थे, तो कुछ संदेश आ रहे थे कि उन्हें मोच और इस तरह की अन्य चीजें हैं। मुझे चिंता थी कि यह मोच नहीं होगी, यह उस क्षेत्र (पीठ) के आसपास की हड्डी की चोट हो सकती है। मुझे लगा कि अगर ऐसा था तो वह चैंपियंस ट्रॉफी में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर सकते हैं।'

बॉन्ड ने इस बात पर प्रकाश डाला कि टी20 से टेस्ट क्रिकेट में तेजी से बदलाव में खतरे का क्षेत्र है। पूर्व तेज गेंदबाज ने इसे एक चुनौती के रूप में उजागर किया क्योंकि भारत 25 मई को आईपीएल समाप्त होने के बमुश्किल एक महीने बाद पांच टेस्ट मैचों के लिए इंग्लैंड दौरे की तैयारी कर रहा है। बॉन्ड ने कहा, 'देखिए, मुझे लगता है कि बूम ठीक हो जाएंगे, लेकिन यह सिर्फ (कार्यभार) प्रबंधन (मायने रखता है)। दौरों और आगे के कार्यक्रम को देखते हुए उन्हें आराम देने के अवसर कहां हैं, लेकिन वास्तव में खतरे की अवधि कहां है? और अक्सर ऐसा होता है कि आईपीएल से टेस्ट चैंपियनशिप में बदलाव एक जोखिम होगा।'

उन्होंने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, 'आप जहां भी जाते हैं, खासकर टी20 से टेस्ट मैच में, यह चुनौतीपूर्ण होता है। अगर आप एकदिवसीय श्रृंखला खेल रहे हैं, तो यह आम तौर पर बहुत बुरा नहीं होता है। आप सप्ताह में तीन मैच खेलेंगे, आपको अभ्यास करना होगा, आप लगभग 40 ओवर (रेंज) में होंगे, यह वैसे भी टेस्ट मैच के सप्ताह के काफी करीब है। लेकिन टी20 में खासकर आईपीएल में जब आप सप्ताह में तीन मैच खेल रहे होते हैं, तो दो दिन की यात्रा

होती है, आपको एक प्रशिक्षण सत्र मिल सकता है, अगर आप भाग्यशाली हैं तो आप 20 ओवर गेंदबाजी कर सकते हैं। यह टेस्ट मैच के आधे या आधे से भी कम लोड के बराबर है, जो तब एक बड़ी छलांग है और आप लगातार दो दिन गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। जब आप इससे बाहर निकलते हैं तो यह एक बड़ी छलांग है।'

भारत का इंग्लैंड दौरा काफी कड़ा होगा जिसमें 28 जून से 3 अगस्त के बीच पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। बॉन्ड ने कहा कि भारत को बुमराह पर उतना काम का बोझ नहीं डालना चाहिए, जितना उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर डाला था, उन्होंने कुल 151.2 ओवर गेंदबाजी की थी, जिसमें मेलबर्न में बॉक्सिंग डे पर खेले गए चौथे टेस्ट के दौरान 52 ओवर शामिल हैं, जो टेस्ट मैच में उनका सबसे अधिक ओवर था।

चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद पाकिस्तानी क्रिकेटरों को झटका, मैच फीस में भारी कटौती, सुविधाओं में भी कमी

स्पोर्ट्स डेस्क । पाकिस्तान ने चैम्पियंस ट्रॉफी को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी और हाईब्रिड मॉडल के तहत (भारत के सभी मैचों सहित फाइनल दुबई में) टूर्नामेंट सफल भी रहा। लेकिन अब घरेलू क्रिकेटरों पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने गाज गिराई है और खिलाड़ियों की मैच फीस में भारी कटौती व सुविधाओं में कटौती कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी ने आगामी राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप में भाग लेने वाले क्रिकेटरों की मैच फीस 100,000 पाकिस्तानी रुपए प्रति मैच से घटाकर 10,000 प्रति मैच कर दी है जबकि रिजर्व खिलाड़ियों को प्रति मैच 5000 रुपए मिलेंगे। टूर्नामेंट 14 मार्च से शुरू हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक पीसीबी में घरेलू क्रिकेट के प्रमुख अब्दुल्ला खुर्रम नियाज़ी पिछले कुछ महीनों में घरेलू खिलाड़ियों के लिए 'सुविधाओं में कटौती' कर रहे हैं। एक सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है, 'जिन खिलाड़ियों को पहले पांच और चार सितारा होटलों में रहने की सुविधा दी जा रही थी, उन्हें अब सस्ते आवास की सुविधा दी जा रही है। फीस के अलावा उनके लिए हवाई यात्रा भी कम कर दी गई है।' इतना ही नहीं खिलाड़ियों और अंपायरों को पिछले सीजन का बकाया भुगतान अभी तक नहीं मिला है। बोर्ड ने बोर्ड की नीति के अनुसार पूर्व टेस्ट क्रिकेटरों के लिए वार्षिक पेंशन वृद्धि भी लागू नहीं की है। हालांकि बोर्ड के भीतर प्रशासक उच्च वेतन प्राप्त करना जारी है। राष्ट्रीय चयनकर्ताओं और यहां तक कि हाल ही में संपन्न चैंपियंस कप के लिए 5 टीमों के साथ नियुक्त किए गए मेंटरों मिस्बाह उल हक, वकार यूनिस, शोएब मलिक, सरफराज अहमद और सकलैन मुश्ताक को प्रति माह लगभग 5 मिलियन रुपये का भुगतान किया जा रहा है।

Page - 11_Page - 11.qxd 13-03-2025 04:14 Page 1

दुनिया भर के अमीरों के लिए पनौती बने ट्रंप

नई दिल्ली ।

डोनाल्ड ट्रंप का नाम राजनीति और विवादों में वैश्विक स्तर पर जुड़ा रहा है। वह दुनिया भर के अमीरों और गरीबों के लिए भी पनौती साबित हो रहे हैं। हाल ही में अमेरिकी शेयर बाजार में आए भारी उतार-चढ़ाव, कानूनी मामलों में बढ़ती परेशानियां और उनके बयानों से उपजे आर्थिक संकट ने कई अरबपतियों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है।

कई देशों की अर्थव्यवस्था गड़बड़ा गई है। ट्रंप के खिलाफ चल रहे कानूनी मुकदमों ने न केवल उनके निजी साम्राज्य को प्रभावित किया है, बल्कि दुनियाभर के निवेशकों का भरोसा भी डगमगाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी बाजारों में वित्तीय अस्थिरता और बढ़ेगी। कई बिजनेस लीडर्स ने इस स्थिति से निपटने के लिए अपनी निवेश रणनीतियों में बदलाव किया है।

ट्रंप के विवादास्पद बयानों और नीतियों का असर अमेरिका तक सीमित नहीं है।

हाल ही में उनकी कुछ टिप्पणियों के चलते यूरोप और एशिया के कई देशों और अरबपतियों को बड़ा झटका लगा। वैश्विक व्यापारिक रिश्तों पर उनके बयान कई देशों की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल चुके हैं। उदाहरण के तौर पर, चीन और अमेरिका के बीच व्यापार युद्ध में कई बड़े उद्योगपतियों को अरबों डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा। विश्लेषकों का कहना है कि ट्रंप की अनिश्चित नीतियां और विवादास्पद फैसले बाजार की स्थिरता के लिए लगातार खतरा बने हुए हैं। निवेशकों के लिए यह समझना मुश्किल हो रहा है। ट्रंप के कारण उन्हें लाभ होगा या भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। यही कारण है कि कई वैश्विक निवेशक अब अमेरिकी बाजारों में सतर्कता बरत रहे हैं। बड़े निवेशक अपने निवेश कहीं और स्थानांतरित करने पर विचार कर रहे हैं।

अमेरिकी डॉलर, स्टॉक मार्केट और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक रिश्तों पर ट्रंप की खराब नीतियों का असर पहले कार्यकाल में भी देखा गया था। उनके नेतृत्व में अमेरिका की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति ने कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियों और अरबपतियों की संपत्ति को बुरी तरह से प्रभावित किया है। ट्रंप की बढ़ती कानूनी और राजनीतिक चुनौतियों के बीच कारोबारियों के लिए यह समय काफी मुश्किल भरा हो गया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले महीनों में आर्थिक मंदी, मंहगाई, बेरोजगारी एवं वित्तीय चुनौतियों की स्थिति क्या मोड़ लेती हैं। क्या वह सच में दुनिया भर की अर्थव्यवस्था एवं वैश्विक युद्ध के लिए 'पनौती' बनने जा रही है।

इंडसइंड बैंक का शेयर 27 फीसदी गिरा, निवेशकों के पैसे डूबने की चिंता

मुंबई । डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में विसंगतियां के कारण इंडसइंड बैंक का शेयर 27 फीसदी नीचे आ गया। इससे बैंक ने 1,577 करोड़ या अपनी कुल नेटवर्थ का करीब 2.35 फीसदी नुकसान होने की आशंका जताई है। इंडसइंड बैंक शेयर के गिरने का असर हिन्दुजा ग्रुप के दूसरे शेयरों पर पड़ा और समूह के 6 में से 5 स्टॉक्स मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए। इससे समूह का बाजार पूंजीकरण में 21000 करोड़ की गिरावट आई। हिंदुजा ने समस्या को ÷रूटीन÷ बताकर माना कि निवेशकों की चिंता सही है कि उन्हें पहले क्यों नहीं बताया गया। इंडसइंड बैंक में 27 फीसदी गिरावट के बाद अशोक हिंदुजा ने कहा था कि शेयरधारकों से घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में विसंगतियां को न ऑडिटर और न ही रेगुलेटर ने पकड़ा है, बल्कि खुद इंडसइंड बैंक प्रबंधन ने इस उजागर किया है। उन्होंने कहा कि प्रमोटर आरबीआई से अपनी हिस्सेदारी 15 फीसदी से बढ़ाकर 26 फीसदी करने की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं और जैसे ही आरबीआई मंजूरी देगा, बैंक में तुरंत पूंजी निवेश किया जाएगा।

इंडसइंड बैंक शेयर मंगलवार को 27.02 फीसदी की गिरावट के साथ बीएसई पर 657.25 पर बंद हुए। इससे पहले ऐसे ही इंडसइंड बैंक नवंबर 2020 की शुरुआत में कारोबार कर रहा था। अशोक लीलैंड 200 पर बंद हुआ, जो 3.24 फीसदी नीचे था। हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस लिमिटेड 3.68 फीसदी गिरकर 500 पर बंद हुआ। गोओसीएल कॉर्पोरेशन लिमिटेड 3.48 फीसदी गिरकर 281.10 पर आ गया। केवल गल्फ ऑयल लुब्रिकेंट्स इंडिया लिमिटेड ही समूह का एकमात्र स्टॉक था जिसने बढ़त दर्ज की। यह 2.29 फीसदी बढ़कर 1216 पर बंद हुआ।

इंडसइंड बैंक के शेयरों में आई भारी गिरावट से म्यूचुअल फंड निवेशकों को 6 हजार करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है। फरवरी तक 35 म्यूचुअल फंड्स के पास इंडसइंड बैंक के 20.88 करोड़ शेयर थे। इनकी कुल वैल्यू 20,670 करोड़ थी, लेकिन हालिया गिरावट के बाद यह घटकर 14,600 करोड़ रुपए रह गई। इंडसइंड बैंक में सबसे बड़ी हिस्सेदारी आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड की है, जिसका मूल्य फरवरी के अंत 3,778.55 करोड़ रुपए था जो अब घटकर 2671.54 करोड़ रुपए रह गया है।

स्मॉलकैप और मिडकैप इक्विटी म्यूचुअल फंड्स पर कायम है निवेशकों का भरोसा

इन फंड्स में एसआईपी के द्वारा निवेश आ रहा

मुंबई।

बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद, स्मॉलकैप और मिडकैप इक्विटी म्यूचुअल फंड्स खुदरा निवेशकों की पहली पसंद बनाकर उभरे हैं। इन फंड्स में सिस्टमैटिक इंवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के द्वारा सबसे अधिक निवेश आ रहा है। हाल ही में जारी रिपोर्ट के अनुसार, स्मॉलकैप फंड्स के कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में एसआईपी निवेश की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से ज्यादा हो चुकी है, जबकि मिडकैप फंड्स भी ट्रेंड के करीब हैं। मार्च 2024 तक, स्मॉलकैप फंड्स में एसआईपी की हिस्सेदारी बढ़कर 53 प्रतिशत हो गई, जो मार्च 2019 में 43 प्रतिशत थी। मिडकैप फंड्स में एसआईपी का योगदान 46 प्रतिशत तक पहुंच गया, जबकि लार्जकैप फंड्स में यह 43 प्रतिशत और फ्लेक्सीकैप फंड्स में 38 प्रतिशत दर्ज हुआ। ये आंकड़े दिखाते हैं कि मिडकैप और स्मॉलकैप स्कीम खुदरा निवेशकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। पिछले तीन कैलेंडर वर्षों में, इन फंड्स ने एक्टिव इक्विटी स्कीम्स में 30 प्रतिशत से ज्यादा नेट फोलियो एडिशन का योगदान दिया है।

म्युचुअल फंड अधिकारियों और निवेश विशेषज्ञों का मानना है कि स्मॉलकैप और मिडकैप फंड्स में निवेश के लिए एसआईपी सबसे बेहतर तरीका है, क्योंकि यह फंड्स हाई वोलैटिलिटी के कारण जोखिम से भरे हो सकते हैं। बाजार जानकार ने कहा, 'एसआईपी निवेशकों को उनके खरीद मूल्य को औसत करने में मदद करता है, इससे गलत समय पर निवेश करने का जोखिम कम हो जाता है। स्मॉलकैप और मिडकैप फंड्स के मजबूत प्रदर्शन ने भी एसआईपी में भारी निवेश को बढ़ावा दिया है। हाल के समय में स्मॉलकैप फंड्स में एसआईपी एसेट्स की हिस्सेदारी और बढ़ी है, क्योंकि कई बड़ी स्कीम्स अब लंपसम इनफ्लो (एकमुश्त निवेश) स्वीकार नहीं कर रही हैं। मार्च 2024 में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने स्मॉलकैप वैल्यूएशन को लेकर चिंता जाहिर की थी, जिसके बाद फंड हाउस ने निवेशकों को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी कदम उठाए। इन चिंताओं के बावजूद, स्मॉलकैप और मिडकैप फंड्स खुदरा निवेशकों के लिए पहली पसंद बने हुए हैं।

अमेरिका ने कनाडा से आयात स्टील और एल्युमिनियम पर शुल्क किया दोगुना

-ट्रंप का दावा टैरिफ से अमेरिकी कंपनियों को होगा फायदा

नई दिल्ली।

अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि कनाडा से आयातित स्टील और एल्युमिनियम पर शुल्क दोगुना यानी 50 फीसदी कर दिया जाएगा। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब कनाडा ने अमेरिका से बिजली आयात पर लेवी लगा दी है। यह नया शुल्क बुधवार से लागू हो गया है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा- मैंने अपने वाणिज्य सचिव को निर्देश दिया है कि कनाडा से अमेरिका में आने वाले सभी स्टील और एल्युमिनियम पर अतिरिक्त 25 फीसदी शुल्क लगाया जाए, जिससे कुल शुल्क 50 फीसदी हो जाएगा। संभव है कि इससे अमेरिका में स्टील के दाम में उछाल आएगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रंप की इस घोषणा के बाद शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली। इससे ट्रंप पर यह दबाव बढ़ गया है कि वह अपनी आर्थिक विकास योजनाओं को स्पष्ट करें। बता दें ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान घरेलू निर्माताओं के लिए कम कॉर्पोरेट टैक्स का वादा किया था। हालांकि, ट्रंप के कनाडा, मैक्सिको, चीन, यूरोप, ब्राजील, दक्षिण कोरिया समेत कई देशों पर लगने वाले शुल्कों की योजना को एक बड़ी टैक्स वृद्धि के रूप में देखा जा रहा है। इन शुल्कों का असर स्टील, एल्युमिनियम, दवाइयों, तांबे, लकड़ी और कंप्यूटर चिप्स पर भी पड़ सकता है। इन फैसलों के चलते गोल्डमैन सैक्स ने अमेरिका की विकास दर का पूर्वानुमान 2.2 फीसदी से घटाकर 1.7 फीसदी कर दी है और मंदी की संभावना को 20 फीसदी तक बढ़ा दिया है। हालांकि, व्हाइट हाउस को उम्मीद है कि अगर हालात बिगड़ते हैं तो नीतियों में बदलाव किया जा सकता है।

बिजनेसवुमैन के तौर पर सुपरहिट साबित हो रहीं लेडी सिंघम काजोल

मुंबई।

अभिनेत्री काजोल अब भले ही फिल्मों में उतना नहीं आती, लेकिन एक समय में काजोल ने बॉलीवुड पर राज किया था, उसी तरह अब वे बिजनेसवुमैन के तौर पर सुपरहिट निवेश कर रहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक काजोल ने मुंबई के उपनगरों में एक और कमर्शियल प्रॉपर्टी खरीदी है। दस्तावेजों के अनुसार, काजोल ने 28.78 करोड़ रुपये की खुदरा संपत्ति खरीदी है। दस्तावेजों के मुताबिक काजोल विशाल देवगन ने मुंबई के गोरेगांव वेस्ट के प्रमुख इलाके में 28.78 करोड़ रुपये की कमर्शियल प्रॉपर्टी खरीदी है। यह सौदा 6 मार्च 2025 को अंतिम रूप दिया गया था और यह खरीद भारत एराइज, लिंकिंग रोड, बांगुर नगर, गोरेगांव वेस्ट, मुंबई के ग्राउंड फ्लोर की शॉप नंबर 2 के रूप में दर्ज हुई है।

इस डील को भारत रियल्टी वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ फाइनल किया गया, जिसमें अभिनेत्री ने 4,365 वर्ग फुट का बड़ा कमर्शियल स्पेस हासिल किया। इस प्रॉपर्टी की कुल कीमत 28.78 करोड़ रुपये है, इसमें 1.72 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी भी शामिल है। इस संपत्ति की प्रति वर्ग फुट कीमत 65,940 रुपये है, जो इस लोकेशन की प्रीमियम नेचर और हाई डिमांड को दिखाती है।

बात दें कि जुलाई 2023 में, काजोल ने अंधेरी वेस्ट के वीरा देसाई रोड पर स्थित ओशिवारा में 7.64 करोड़ रुपये की ऑफिस स्पेस भी खरीदी थी। दस्तावेजों के अनुसार, यह ऑफिस स्पेस 194.67 वर्ग मीटर में फैली हुई है और इस रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के तहत पंजीकृत किया गया था। इस क्षेत्र में कई बॉलीवुड सितारों और फिल्म निर्माताओं के ऑफिस स्थित हैं।

एसयूवी एलएक्स 500डी का अपडेटेड मॉडल लॉन्च

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में कार निर्माता लेक्सस कंपनी ने अपनी फ्लैगशिप एसयूवी एलएक्स 500डी का अपडेटेड मॉडल लॉन्च कर दिया है। नई लेक्सस एलएक्स 500डी में दमदार 3.3-लीटर वी6 डीजल इंजन दिया गया है, जो 8 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकता है। इसकी टॉप स्पीड 210 किमी/घंटा है।इसे दो वैरिएंट्स–अर्बन और ओवरटेल में पेश किया गया है। इसकी शुरुआती कीमत रुपए 3 करोड़ रखी गई है, जबकि ओवरटेल वैरिएंट की कीमत रुपए 3.12 करोड़ तय की गई है। इससे पहले इसकी कीमत रुपए 2.83 करोड़ थी, लेकिन अपडेट के बाद इसमें रुपए 17 लाख की बढ़ोतरी हो गई है। अर्बन वैरिएंट को शहरों में बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव के लिए डिजाइन किया गया है, जबकि ओवरटेल वैरिएंट को ऑफ-रोडिंग के लिए तैयार किया गया है। ग्रिल, अलॉय व्हील्स और टायर डिजाइन में हल्के बदलाव किए गए हैं, जिससे एसयूवी को नया लुक मिलता है। सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो इसमें अत्याधुनिक सेफ्टी सिस्टम 3.0 दिया गया है, जिसमें प्री-कोलिजन सिस्टम, अडेप्टिव क्रूज कंट्रोल, ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटरिंग और सेफ्टी एग्जिट असिस्ट शामिल हैं। इसके अलावा, लंबी यात्राओं को और आरामदायक बनाने के लिए सीट मसाजर को भी अपग्रेड किया गया है।

आयात में नहीं हुई बढ़ोतरी, खाने के तेल के बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली । भारत में खाने के तेल का आयात फरवरी में चार साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक सोयाबीन और सूरजमुखी तेल के आयात में कमी की वजह से ऐसा हुआ है। इंडस्ट्री के एक प्रमुख संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने इसकी जानकारी दी। इससे देश में खाने के तेल का स्टॉक तीन साल के सबसे कम स्तर पर पहुंच गया है। भारत दुनिया में खाने के तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। लगातार दूसरे महीने कम आयात होने से देश में इसका स्टॉक कम हुआ है। इससे भारत को आने वाले महीनों में और ज्यादा तेल खरीदना पड़ सकता है। इससे मलेशियाई पाम तेल और अमेरिकी सोया तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। एसईए के मुताबिक फरवरी में भारत का पाम तेल आयात जनवरी की तुलना में 35.7 प्रतिशत बढ़कर 373,549 मीट्रिक टन हो गया। अक्टूबर 2024 में खत्म हुए मार्केटिंग वर्ष में भारत ने हर महीने औसतन 750,000 टन से ज्यादा पाम तेल आयात किया। फरवरी में सोया तेल का आयात 36 प्रतिशत घटकर 283,737 टन और सूरजमुखी तेल का आयात 20.8 प्रतिशत घटकर 228,275 टन रह गया। सोया और सूरजमुखी तेल की कम खेप की वजह से पिछले महीने देश का कुल खाने के तेल का इंपोर्ट 12 प्रतिशत घटकर 899,565 टन रह गया। यह फरवरी 2021 के बाद से सबसे कम है। भारत में खाने के तेल का स्टॉक एक महीने पहले की तुलना में 14 प्रतिशत घटकर 1 मार्च को 1.87 मिलियन टन रह गया जो तीन साल से भी ज्यादा समय में सबसे कम है। अगर आयात में बढ़ोतरी नहीं होने पर आने वाले दिनों में खाने के तेल की कीमत में तेजी आ सकती है। भारत ज्यादातर पाम तेल इंडोनेशिया, मलेशिया और थाईलैंड से खरीदता है। वहीं सोया और सूरजमुखी तेल अर्जेंटीना, ब्राजील, रूस और यूक्रेन से आता है।

रिलायंस ने स्पेसएक्स से किया समझौता, जियो यूजर्स को मिलेगी स्टारलिंक की सुविधा

नई दिल्ली।

देश में स्टारलिंक की सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस के लिए रिलायंस जियो ने एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स से हाथ मिलाया है। रिलायंस जियो ने बुधवार को ऐलान किया है कि कंपनी ने भारत में स्टारलिंक की सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं शुरू करने के लिए एलन मस्क की स्पेसएक्स के साथ साझेदारी के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले भारती एयरटेल ने स्पेसएक्स के साथ यह करार किया था। जियो और स्पेसएक्स के बीच यह समझौता, दोनों कंपनियों को सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस प्रदान करने की इजाजत देता है। जियो अपने रिटेल आउटलेट और ऑनलाइन स्टोरफ्रंट दोनों के जरिए से स्टारलिंक सर्विस और सॉल्युशन उपलब्ध कराएगा। कंपनी अपने फिजिकल स्टोर में स्टारलिंक उपकरण पेश करने और कस्टमर केयर स्थापित करने की योजना बना रही है। जियो और स्पेसएक्स इस पार्टनरशिप के जरिए, भारत के ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भरोसेमंद ब्रॉडबैंड सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। डेटा ट्रैफिक के मामले में दुनिया में सबसे बड़े मोबाइल ऑपरेटर के रूप में जियो अब स्टारलिंक की बेहतर सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस का फायदा उठाएगी और इसका लाभ जियो के करोड़ों यूजर्स को मिलेगा। स्पेसएक्स के साथ इस समझौते से रिलायंस जियो देशभर में सभी बिजनेस वेंचर, छोटे और मध्यम व्यवसायों व समुदायों को विश्वसनीय इंटरनेट उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है। स्टारलिंक सबसे चुनौतीपूर्ण स्थानों पर भी तेज और किफायती इंटरनेट उपलब्ध कराकर जियो एयरफाइबर और जियोफाइबर का पूरक बनेगा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई हैं हालांकि निजी बैंकिंग शेयरों में बढ़त रही जिससे गिरावट पर कुछ हद तक अंकुश लगा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 73 अंक करीब 0.1 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ ही 74,030 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 27 अंकों की गिरावट के साथ 22,470 पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सुबह सेंसेक्स 168 अंक की बढ़त लेकर 74,270.81 पर खुला। वहींनिफ्टी 39 अंक की चढ़कर 22,536 पर खुला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों को लेकर जारी अनिश्चितता और विदेशी संस्थागत निवेशकों के पैसा निकालने से भी बाजार पर दबाव आया। वहीं एशियाई बाजारों में आज बढ़त दर्ज की गई, जबकि वॉल स्ट्रीट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ योजनाओं और संभावित मंदी की चिंताओं के बीच उतार-चढ़ाव भरा रहा।

जापान का निक्की इंडेक्स सपाट रहा पर हल्की गिरावट के संकेत दिखे, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स 0.69 फीसदी बढ़ा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.18 फीसदी जबकि ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 1.6 फीसदी नीचे आया। दूसरी ओर अमेरिकी बाजारों में बिकवाली का दौर जारी है। अमेरिकी की अस्थिर व्यापार नीति का नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। डाउ जोंस लगभग 500 अंक गिरा, जिससे दो दिनों में इसकी कुल गिरावट 1,400 अंकों तक पहुंच गई जबकि एसएंडपी में 0.8 फीसदी की गिरावट आई। नैस्डैक हालांकि बेहतर प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 0.2 फीसदी नीचे बंद हुआ।

वहीं गत दिवस बाजार सपाट बंद हुआ था।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की हल्की बढ़त के साथ ही 87.20 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया 87.23 पर खुला। वहीं गत दिवस रुपया 10 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.21 रुपये पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिका में मंदी के डर और व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के बीच अस्थिर घरेलू शेयर बाजारों ने निवेशकों की धारणा को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया। वहीं गत दिवस अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.37 पर खुला और फिर शुरुआती सौदों में डॉलर के मुकाबले थोड़ा मजबूत होकर 87.30 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की बढ़त है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 36 पैसे गिरकर 87.31 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.75 पर था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव वायदा कारोबार में 0.01 प्रतिशत बढ़कर 69.29 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को मिला बड़ा प्रोजेक्ट, कंपनी जल्द शुरु करेगी काम

-लागत 740 करोड़ रुपए, प्रोजेक्ट 18 महीनों के अंदर करना होगा पूरा

नई दिल्ली। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने बड़ी सफलता हासिल की है। मंगलवार को कंपनी ने बताया कि उसे एक 125 एमडब्ल्यूएसी (181.3 एमडब्ल्यूवी डीसी) सोलर पावर प्रोजेक्ट के इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) कॉन्ट्रैक्ट के लिए लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) मिला है। यह परियोजना तीन कंपनियों के एक संयुक्त समूह को सौंपी गई है, जिसमें वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज भी शामिल है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी फाइलिंग में बताया कि यह प्रोजेक्ट टर्नकी बेसिस पर तैयार किया जाएगा, जिसका मतलब है कि इसे पूरी तरह से तैयार करके सौंपा जाएगा। इसके साथ ही ऑपरेशन और मेंटेनेंस का काम भी कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा होगी। कंपनी को यह ठेका एक प्रमुख पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की ओर से मिला है। इस परियोजना की कुल लागत करीब 740.06 करोड़ रुपए होगी, जिसमें टैक्स भी शामिल है। यह प्रोजेक्ट संविदा साइन होने के 18 महीनों के अंदर पूरा करना होगा। कंपनी ने यह भी बताया कि समूह में शामिल कंपनियों के बीच जिम्मेदारियों का विस्तृत बंटवारा आगे तय किया जाएगा। फिलहाल वारी रिन्यूएबल इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द शुरू करने की तैयारी कर रही है। यह पहली बार नहीं है जब वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज को इतना बड़ा ऑर्डर मिला है। पिछले साल भी कंपनी को 2012.47 एमडब्ल्यूपी डीसी क्षमता के ग्राउंड माउंट सोलर पीवी प्रोजेक्ट के ईपीसी ठेके के लिए एक 'टर्म शीट' मिली थी। इस परियोजना की अनुमानित लागत करीब 12,333.5 करोड़ रुपए टैक्स को छोड़कर थी। यह ऑर्डर एक बड़े नवीकरणीय ऊर्जा प्रोजेक्ट के विकास और क्रियान्वयन के लिए दिया गया था। उस समय कंपनी ने बताया था कि इस परियोजना की समय-सीमा दोनों पक्षों के आपसी सहमति से तय की जाएगी। इस घोषणा के बाद भी मंगलवार को वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। बीएसई पर कंपनी का शेयर 27 रुपए की गिरावट के साथ 802.85 पर बंद हुआ।

अंबानी देखते रह गए... एयरटेल और स्पेसएक्स ने कर ली साझेदारी

लो-अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट लेने की तैयारी में स्टारलिंक और अमेजॉन

मुंबई ।

एयरटेल ने एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट को भारत में लाने की योजना है, हालांकि यह डील तभी लागू होगी जब स्पेसएक्स को भारतीय सरकार से स्टारलिंक सेवाएं बेचने की अनुमति मिलेगी।

एयरटेल और स्पेसएक्स की साझेदारी के मुख्य बिंदुओं के अनुसार एयरटेल, अपने स्टोर्स में स्टारलिंक उपकरण बेच सकता है और इसे बिजनेस ग्राहकों को ऑफर कर सकता है। यह साझेदारी ग्रामीण स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों और दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट सेवा पहुंचाने का काम करेगी। स्टारलिंक, एयरटेल के नेटवर्क को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है, और स्पेसएक्स, भारत में एयरटेल के बुनियादी ढांचे का उपयोग कर सकता है।

एयरटेल पहले से ही सैटेलाइट इंटरनेट दे रहा एयरटेल पहले से ही यूटेलसैट वनवेब के साथ मिलकर सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं प्रदान कर रहा है। स्टारलिंक के जुड़ने से दूरदराज के क्षेत्रों में इंटरनेट कवरेज बढ़ेगा और बिजनेस व ग्रामीण समुदायों को तेज गति वाली कनेक्टिविटी के अधिक विकल्प मिलेंगे। भारती एयरटेल के प्रबंध निदेशक और उपाध्यक्ष गोपाल विट्ठल ने कहा कि स्पेसएक्स के साथ मिलकर भारत में एयरटेल ग्राहकों के लिए स्टारलिंक सेवाएं प्रदान करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह एयरटेल की अगली पीढ़ी की सैटेलाइट कनेक्टिविटी के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

स्टारलिंक अब तक करीब 100 देशों में अपनी सेवाएं शुरू कर चुका है। हाल में उसने भूटान में सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट सर्विस शुरू की थी और अब बांग्लादेश में भी इसकी तैयारी की जा रही है। लेकिन भारत अब तक इससे अछूता रहा था। अमेरिका में हाल में हुए

राष्ट्रपति चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद माना जा रहा था कि स्टारलिंक को भारत में बैकडोर एंट्री मिल सकती है। इसकी वजह यह है कि मस्क को ट्रंप का करीबी माना जाता है। लेकिन संचारमंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने साफ किया था कि स्टारलिंक को भारत में लाइसेंस हासिल करने के लिए सभी नियमों का पालन करना होगा। इतना ही नहीं स्टारलिंक और अमेजॉन भारत में सैटेलाइट से ब्रॉडबैंड सेवाएं लाने के लिए अपने लो-अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट का उपयोग करने की योजना बना रहे हैं। भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाएं अभी तक शुरू नहीं हुई हैं।

अल्ट्रावायलेट टेसरेक्ट स्कूटर को मिली 20 हजार बुकिंग

नई दिल्ली । अल्ट्रावायलेट टेसरेक्ट कंपनी के इलेक्ट्रिक स्कूटर को लॉन्च के महज 48 घंटों में इसे 20,000 से अधिक बुकिंग मिल चुकी हैं। यह इलेक्ट्रिक स्कूटर एक बार फुल चार्ज करने पर 261 किलोमीटर तक चल सकता है। इसमें 20 एचपी की इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है, जो इसे सिर्फ 2.9 सेकंड में 0 से 60 केएमपीएच की रफ्तार तक पहुंचाने में सक्षम बनाती है। स्कूटर की टॉप स्पीड 125 केएमपीएच है और कंपनी का दावा है कि यह केवल रुपए100 में 500 किलोमीटर तक चल सकता है। टेसरेक्ट में 7-इंच टीएफटी टचस्क्रीन, 34 लीटर अंडरसीट स्टोरेज, फ्रंट और रियर रडार तकनीक, ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटरिंग, ओवरटेक अलर्ट, लेन चेंज असिस्ट और 14 इंच के बड़े व्हील्स जैसे एडवांस फीचर्स दिए गए हैं। इससे पहले कंपनी ने अपनी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल एफ 77 लॉन्च की थी, जिसे भी शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। अल्ट्रावायलेट के इस नए स्कूटर से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है।स्कूटर की शुरुआती कीमत रुपए1.20 लाख रखी गई है, जो पहले 10,000 ग्राहकों के लिए लागू होगी। भारी डिमांड को देखते हुए कंपनी ने इस ऑफर को 50,000 बुकिंग तक बढ़ाने का फैसला किया है। इसके बाद एक्स-शोरूम कीमत रुपए1.45 लाख से शुरू होगी।

राष्ट्रपति पंजाब विश्वविद्यालय कर दीछांत समारोह में भाइग लेलयं, बांटलयं डिग्री

पंजाब। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु चंडीगढ़ में पंजाब विश्वविद्यालय कर दीछांत समारोह में आइज भाइग लेलयं। ई अवसर में राष्ट्रपति कहलयं कि पिछला 140 बछर में पंजाब विश्वविद्यालय उच्च सिछा कर एगो परमुख केंद्र कर रूप में बिकसित होय हे। ई विश्वविद्यालय सैछनिक, खेल, सोध आउर सांस्कृतिक छेतर में आपन अलग पहचान बनाय हय। उनके ई जाइन के खुसी होलक कि ई विश्वविद्यालय 17 धांव मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी जीत हे। ऊ कहलयं कि ई विश्वविद्यालय कर एथलीट कर समर्पन आउर दृढ़ संकल्प कर प्रमान आहे। विश्वविद्यालय कर बिद्यार्थी मनु भाकर आउर सरबजोत सिंह 2024 पेरिस ओलंपिक में पदक जीइत के देस के बेहद गौरवान्वित कइर हयं। राष्ट्रपति सिछा-उद्योग संबंध के बढ़ावा देवेक ले पंजाब विश्वविद्यालय कर सराहना करलयं। ऊ विश्वविद्यालय कर नीति निमार्तामन से विश्वविद्यालय-उद्योग संबंध आउर भविस कर तैयारी ले बेसी काम करेक कर आग्रह करलयं। ऊ कहलयं कि विश्वविद्यालय में बिसय अनुप्रयोग आधारित सिछा होवेक चाही। सिछा से बिद्यार्थी के उनकर जिनगी कर जात्रा में सहायता मिलेक चाही। राष्ट्रपति बिद्यार्थीमन से कहलयं कि ई उनकर ले गर्ब कर बात हय कि उनके ई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में पढ़ेक कर अवसर मिललक। ई विश्वविद्यालय समाज के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, नोबेल पुरस्कार बिजेतामन से लेइ के बिभिन्न छेतर में उत्कृस्ट जोगदान देवेक वाला कतई महान ब्यक्तित्व देइ हयं। ऊ बिद्यार्थीमन से ई बिरासत के आगे बढ़ायेक कर आग्रह करलयं। राष्ट्रपति बिद्यार्थीमन से कहलयं कि ऊ आपन प्रयास आउर दूरदर्शी सोच कर माध्यम से समाज, रास्ट्र आउर बिस्व ले प्रभावी जोगदान देइ सकयंना आउर आपन सपना के साकार कइर सकयंना।

होली

आय गेलक चइत मास,पूरा होलक सबक आस।
वृंदावन मे रचालयँ रास, कन्हैया-राधा रहयँ खास ।1।

फगुआ के काटलय पाहन राजा,
सब बजालय गाजा बाजा आउर लेलय मुरूक माजा ।2।

सउब कोई दुसमनी के भूइल,
चैत में उड़ालय धूइल आउर उ भी मिल झूइल ।3।

पहलाद आउर होलिका कर कहनी कर होलक चरचा,
सबक घरे बढलक परबक खरचा ।4।

होली हेकय रंगक परब, छऊआ कहे मोय भी खेलबे करब।
मोर ले भी लाइन दे रंग आउर फेचका,बड़को मन धोरलक रंग डेचका कर डेचका ।5।

बुढ़वइन भी खेलंय होली,उ भी राधे राधे बोली,
हिन्दू कर नवा साल, रंगल हय सबक कर गाल।6।

करत हय ताक तिहा,कतइ कर होवी बिहा,
साल भइर कर रुकल काम,सुरू करबय लेके भगवानक नाम। 7।

सउब मिल के खेला होली,केकरू से न करबा बोला बोली,
साल भइर में आवेला परब,मिल झूइल के बीताबे करब। 8।

गरीब कर रखबा मान,इंसान कर ऐहे पहचान,
इकरे में बाचल रही सान,मइत करबा बगरा गुमान। 9।

परब में सउब रइंग जाउ,पुडी ढुसका सब खाउ,
मन में जे तकलीफ हय आइज तो सउब के मिटाउ।10।

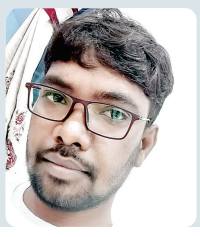

अभिजीत कुमार
(पीएच.डी रिसर्च स्कॉलर)
जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग रांची
विश्वविद्यालय रांची

मिस्सी कर बारसिक समारोह में महिला ससक्तिकरन उपरे चर्चा

■ स्टोरी ऑफ चेंज पुस्तक कर बिमोचन करल गेलक ■ श्रेष्ठ जोगदान ले महिला खेलाड़ी सम्मानित

रांची। छोटानागपुर सांस्कृतिक संघ कर महिला इकाई (मिस्सी) कर बारसिक समारोह डिबडीह कर जे.के. सेलिब्रेशन में आइज दिनांक 12 मार्च, 2025 के आयोजित करल गेलक। ई अवसर में ₹महिला ससक्तिकरन कर मापदंड₹ बिसय उपरे आधारित एगो बिसेस चर्चा होलक। इकर में कई बिसिस्ट महिलामन भाइग लेलयं आउर आपन बिचार प्रस्तुत करलयं।
चर्चा सत्र में डॉ. साची कुमारी, डॉ. किरण, बरनाली चक्रवर्ती, श्रावणी, प्रिया, ऋचा तिवारी, पिंकी तिग्गा, एलीना होरो, डोरंडा थाना प्रभारी दीपीका प्रसाद, डॉ. आलम आरा, शांति कुमारी सनवाइया आउर जर्मिना नैन्सी तिर्की आपन बिचार साझा करलयं।
बक्तामन कहलयं कि महिला ससक्तिकरन कर मापदंड हर केऊ कर नजइर में जुदा-जुदा होय सकेला, मुदा महिलामन ले ई महतपूर्न आहे कि ऊमन स्वतंत्र रूप से निरनय लेवेक, संपत्ति कर अधिकार, सत्ता आउर संपत्ति उपरे स्वामित्व में ससक्त होंवयं। महिलामन के ससक्त बनायेक ले उनकर राजनीतिक भागीदारी भी जरुरी आहे।
समारोह में ₹स्टोरी ऑफ चेंजर₹ पुस्तक कर बिमोचन करल गेलक जेकर में बाल बिहा उन्मूलन ले प्रयासरत किसोरीमन कर प्रेरनादायक कहानीमन के संकलित करल जाय हे। ई अवसर में खेल कर छेतर में उत्कृस्ट जोगदान ले महिला खेलाड़ीमन के सम्मानित करल गेलक। इकर में शिवानी टोप्पो, अनिता डुंडुंग, एलिजाबेथ लकड़ा, प्रीति लकड़ा, विकसित बड़ा आउर दिव्यानी लिंडा सामिल रहयं।
कार्जकरम कर दौरान महिलामन उपरे आधारित एगो नाटक कर भी मंचन करल गेलक, जेकर में गुमला, सिमडेगा, रांची आउर हजारीबाग कर महिला, सामाजिक कार्जकर्तामन आउर जुवामन भाइग लेलयं। समारोह के सफल बनायेक में स्नेह प्रतीक मेहता, कुमार पीयूष, अर्चना आयिंद, रामप्रकाश, सुनील कुमार महतो, तारा देवी, मायावती देवी, सुषमा उरांव, गिरधर कुमार सिंह आउर सुधा कुमारी कर महतपूर्न जोगदान रहलक।

कोशिश स्पेशल इस्कूल में दिब्यांग छउवामन खेललयं होली

रांची। अरगोड़ा हाउसिंग कॉलोनी कर कोशिश स्पेशल इस्कूल में दिब्यांग छउवामन कर बीच होली सेलिब्रेसन कर आयोजन बुधवार के करल गेलक। इकर में सउब छउवामन गुलाल कर संगे एक दूसर कर संगे होली खेललयं। होली कर खुसियां बांटलयं। मस्ती करलयं। सउब छउवामन एक दूसर के गुलाल लगालयं। इस्कूल कर सउब सिछकमन कर संगे छउवामन भी खूब होली खेललयं। एक दूसर के होली कर बधाई देलयं। छउवामन कर बीच मिठाई आउर चॉकलेट कर बितरन करल गेलक। ई कार्जकरम कर दौरान छउवामन में कृति, अंशु, प्रिया, इशिका, बादल, दीपतेश, मंजूषा, तन्मय, राज, अक्षय, निमिन, मानी, सिद्धार्थ आदि छउवामन कर संगे संगे सउब सिछक आउर सिछिकामन उपस्थित रहयं।

होली आलक

होली आलक,होली आलक
खेलू पेयार मिलाय के रंग,
की झुइम उठे गोटे अंग-अंग।
होली आलक,होली आलक
खेलू पेयार मिलाय के रंग।

उठा पटक भी ओतने हो
जतना की साहाय,
सारा भाटु में,
इसन ना हो की सांसे अटइक जाय।
होली आलक, होली आलक
खेलू पेयार मिलाय के रंग।

जोभी में फइल फुइल रहेला किड़ा
घोलटब तो होवी फुसरी देवि पिड़ा।

लुगा फाटा फाड़ेक दरकार है का
सारी रंग लेवेले तेइयार है का ?
जोर जबरजसती,हिचा होड़ो
बेस बात ना लागे,नाचु गाऊ संगे संग।

होली आलक,होली आलक
खेलू पेयार मिलाय के रंग,
की झुइम उठे गोटे अंग-अंग।
होली आलक,होली आलक
खेलू पेयार मिलाय के रंग।

संतोष महली, ईटा, लोहरदगा

किड्स कैंप में स्वामी सहजानंद ब्रिजफोर्ड इस्कूल कर छउवामन करलयं मस्ती

रांची। धुर्वा इस्थित स्वामी सहजानंद ब्रिजफोर्ड इस्कूल में बारसिक परीछा कर बाद छउवामन मस्ती कर आनंद लेलयं। इस्कूल में दुई दिनक किड्स कैंप कर आयोजन करल गेलक, जेकर में छउवामन ले बिभिन्न कार्जकरम आयोजित करल गेलक। कार्जकरम में एडवेंचर कैंप, कैच फिक्सिंग, ट्रेमपॉलिन्ग, बास्केटबॉल, रैन डांस, रस्साकशी, लॉन्ग जंप, हर्डल रेस, 100 मीटर कर दौड़, स्पून रेस, टोफी रेस आदि सामिल रहे। छउवामन बिभिन्न प्रकार कर ब्यंजन कर आनंद लेलयं, जेकर में सुगर कैंडी, गोलगप्पे, पॉपकॉर्न, मोमो, कटलेट, कोल्ड ड्रिंक, दोसा आदि

सामिल रहयं।
दूसर दिन, छउवामन के छाबा मूवी सिनेमा हॉल में फिलिम देखाल गेलक। छोट छउवामन मूफासा मूवी कर आनंद लेलयं। इकर अलावा, छउवामन बिभिन्न प्रकार कर खेल कर आनंद लेते नृत्य आउर गायन करलयं। संगे, ऊ जलपान आउर भोजन कर आनंद भी लेलयं।
बिभिन्न किसिम कर आयोजित खेल में बिजेता छउवामन के बिद्यालय कर प्राचार्य गुंजन भसीन धन्यवाद देते पुरस्कृत करलयं। ऊ कहलयं कि हमिन कर प्रयास छउवामन के एगो खुसनुमा माहौल देवेक रहे, जेकर से उनकर परगति कर डहर परसस्त करल जाए सके।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना-गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक :** कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक :** रतन लाल अग्रवाल। फोन नंबरः 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडीः** jharkhandwanitaudyog@gmail.com